शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 123 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

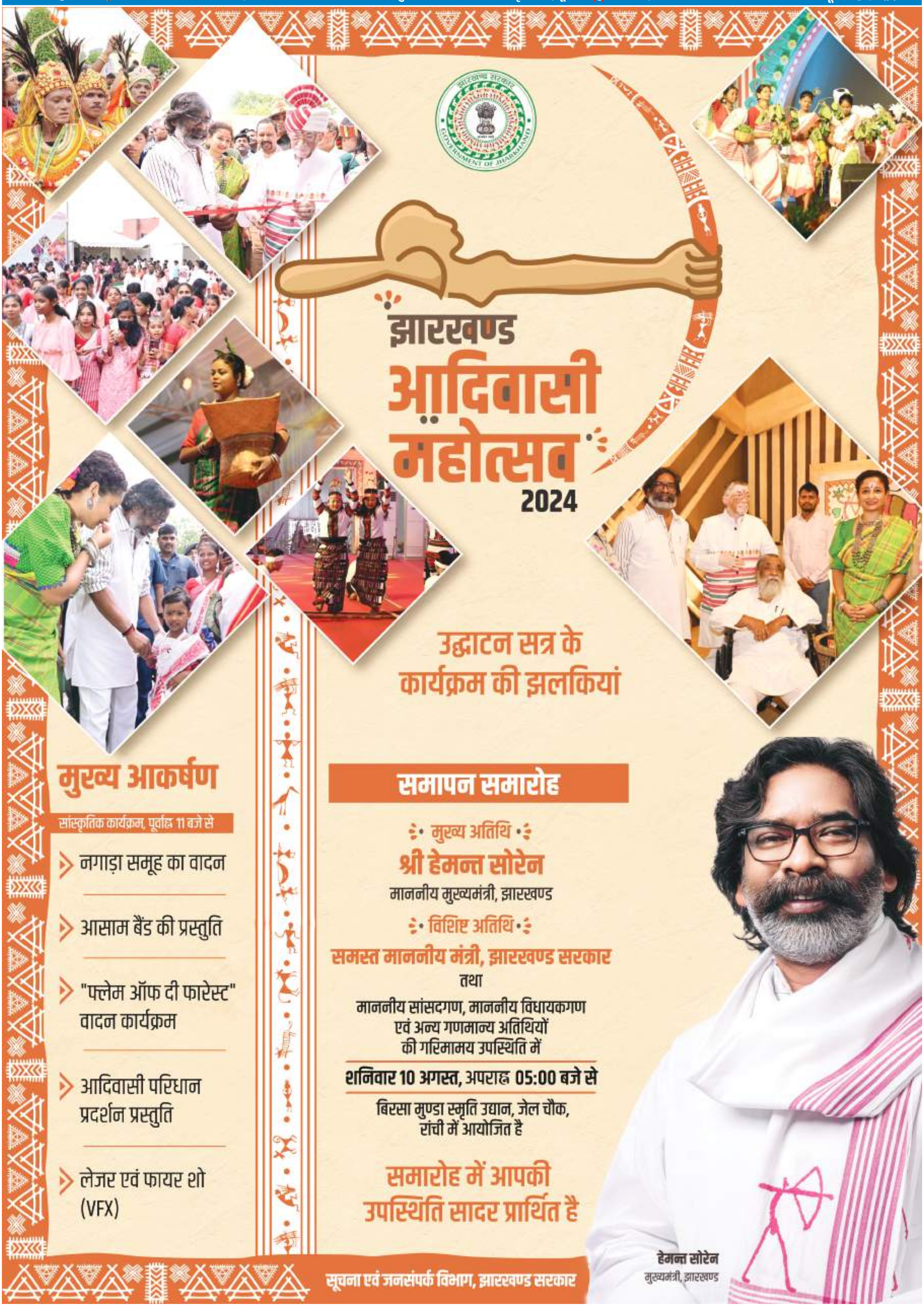

दो दिवसीय राज्यस्तरीय ग्रामीण व स्वदेशी जनजातीय खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन

गुलेल, पारंपरिक तीरंदाजी, सिखौर, गेड़ी दौड़, फुटबॉल, हॉकी प्रतियोगिताएं होंगी

फुटबॉल को किक मारकर प्रतियोगिता का उद्घाटन करते खेल निदेशक व अन्य.

खेल संवाददाता । रांची

झारखंड पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को दो दिवसीय झारखंड राज्य स्तरीय ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोरहाबादी में उद्घाटन किया गया. उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि खेल निदेशक संदीप कुमार, विशिष्ट अतिथि झारखंड के आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, संयुक्त निदेशक साझा के राज किशोर खाखा, विभागीय खेल उपनिदेशक मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन किया. इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गुलेल, पारंपरिक तीरंदाजी, सिखौर, गेड़ी दौड़, फुटबॉल, हॉकी की प्रतियोगिता आयोजित की गई है.

इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी संदीप कुमार, रूपा रानी तिर्की, उपवन बाड़ा, मारकस हेमरोम, उमेश लोहरा एवं शिवेंद्र कुमार को प्रतीक चिह्न एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. इस प्रतियोगिता को सफल संचालन में विभागीय प्रशिक्षक भरत कुमार शाह, गोपाल तिर्की, सुनील महली, अनमोल टोप्पो,काली चरण महतो, अंगद हंसराज,राजू साहू, हरीश कुमार, प्रेम पूर्ति, अख्तर हुसैन, बलराम,मोहन कुमार,जोलेन केरकेट्टा, संदीप उरांव, रेमंड मिंज, सुदीप कुजूर एवं कई गणमान्य प्रशिक्षक ने अहम भूमिका निभाई.

प्रतियोगिता में राज्यभर से आये खिलाड़ियों के साथ अतिथिगण.

भाजपा इसी माह करेगी आदिवासी सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा

ब्यूरो । रांची

झारखंड में अगस्त के आखिरी सप्ताह से विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारी की रफ्तार तेज हो जाएगी. सत्ताधारी झामुमो-कांग्रेस, राजद सहित भाजपा ने अभी से ही चुनावी तैयारी शुरू कर दी है. चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी का दौरा बढ़ने लगेगा, तो कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के बारे में भी फैसला हो जाएगा. सत्ता पक्ष जहां नई-नई लोकलुभावन योजनाएं शुरू कर दो-तीन महीने में अपना वोट बैंक पुख्ता करने में जुटा है, वहीं विपक्षी पार्टी भाजपा सत्ता पक्ष की बखिया उधेड़ने में जुटी है. सत्ता पक्ष के साथ ही साथ भाजपा ने भी आदिवासी सुरक्षित सीटों पर फोकस कर रखा है.

दोनों पक्षों की चुनावी रणनीति के केंद्र में फिलहाल जनजातियों के लिए सुरक्षित 28 सीटें हैं. इसे देखते हुए भाजपा ने भी रणनीति तैयार की है. भाजपा इसा माह के अंत तक आदिवासी सीटों के लिए उम्मीदवारो की घोषणा कर सकती है. उधर सत्ता पक्ष में सीटों का बंटवारा होने के बाद ही प्रत्याशियों की घोषणा हो सकती है.

झामुमो लगातार ललकार रहा है भाजपा को

झारखंड मुक्ति मोर्चा भी तैयारी तेज करेगा. संगठान की मजबूती के लिए प्रखंड से लेकर जिला स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के वरीय पदाधिकारी बैठक कर चुके हैं. उन बैठकों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वचुर्अल माध्यम से संबोधित भी करते रहे हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यकर्ताओं से चुनाव के लिए तैयार रहने का निर्देश भी दे चुके हैं. कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कह चुके है कि भाजपा को कल चुनाव करना हो, तो आज ही करा ले. इस बार असलियत का पता चल जाएगा.

खास बातें

- अगस्त के आखिरी सप्ताह से चुनाव की तैयारी तेज होगी
- सभी राजनीतिक दल अपनी चुनावी रणनीति बनाने में जुटे

भाजपा जल्द कर सकती है उम्मीदवारों की घोषणा

भाजपा इस बार झारखंड को लेकर पूरी तरह से सीरियस है. सूत्रों के अनुसार चुनाव तिथि घोषित होने से पहले ही आदिवासी रिजर्व सीटों और कम अंतर से हारी हुई सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है .यह घोषणा इसी महीने के अंत में हो सकती है. भाजपा के टारगेट में 28 आरक्षित आदिवासी सीटें और 9 एससी सीटें है. इस बार भाजपा 28 में से आधी से अधिक सीटों पर जीत के लिए काम कर रही है. वही उत्तरी छोटानगपुर और पलामू प्रमडंल में भाजपा खुद को मजबूत मान रही है.

कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की चर्चा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदलेंगे की बात भी कांग्रेस खेमे में उठी है. इस पर भी मंथन चल रहा है. दिल्ली में इसके लिए विचार- विमर्श चल रहा है. जानकारी के अनुसार कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल ने प्रदेश के 20 चुनिंदा नेताओं को दिल्ली बुलाया था. पार्टी के नेताओं से एक-एक कर मुलाकात की. केंद्रीय महासचिव से मिलने वाले कुछ ऐसे नेता भी थे, जो खुद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार हैं. कांग्रेस के नेता प्रदेश में आदिवासी चेहरा देने की भी मांग कर रहे हैं, तो कोई ओबीसी कार्ड खेलने का सुझाव दे रहा है.

14 अगस्त को बलिदान दिवस मनाएगा राष्ट्रीय पंजाबी महासंघ

रांची। देश विभाजन का दर्द सबसे ज्यादा पंजाबियों ने ही झेला है. इसलिए पंजाबियों की शीर्ष संस्था राष्ट्रीय पंजाबी महासंघ ने हर वर्ष 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का निर्णय लिया है. यह जानकारी महासंघ के झारखंड शाखा के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरुण चावला ने दी. बताया कि विभाजन की नफरत और हिंसा के कारण लाखों परिवारों को विस्थापित होना पड़ा. विभाजन की विभीषिका की वजह से पंजाबी अपने ही देश में शरणार्थी बनकर भटकते रहे. महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश सेठ ने पंजाबी परिवार के कठिनतम संघर्ष व बलिदान की याद में 14 अगस्त को बलिदान दिवस के रूप में मनाने की अपील की है. उन्होंने देश भर के तमाम पंजाबी संस्थानों से शांतिपूर्वक बलिदान दिवस मनाते हुए शाम सात बजे एक मोमबत्ती या दीया जलाकर आदरांजलि देने की अपील की है.

कोर्ट की खबरें

आलमगीर आलम को झटका, कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

संवाददाता । रांची

शुक्रवार को टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम की बेल पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट ने आलमगीर की बेल खारिज कर दी है. इससे पहले बुधवार को बचाव पक्ष यानी आलमगीर आलम की ओर से बहस पूरी कर ली गई थी. इसके बाद शुक्रवार को ईडी की ओर से बहस की गई. बहस के दौरान विशेष लोक अभियोजक ने आलमगीर आलम को पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड बताते हुए जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया था. दोनों पक्षों की बहस पूरी सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका पर पहले फैसला सुरक्षित रख लिया है. लेकिन फिर बेल याचिका को खारिज कर दिया. बता दें कि आलमगीर आलम को ईडी ने पूछताछ के बाद 15 मई को गिरफ्तार किया था. वहीं ईडी इसी केस में राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन से पूछताछ भी कर चुकी है. इस केस में आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल और उसके सहयोगी जहांगीर आलम की भी गिरफ़्तारी हो चुकी है.

कमलेश से और चार दिन पूछताछ जारी रखेगी ईडी, कोर्ट ने दी अनुमति

रांची। पत्रकार से जमीन कारोबारी बने कमलेश कुमार की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद एजेंसी ने उसे कड़ी सुरक्षा के बीच रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में उसे पेश किया. इसके बाद एजेंसी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कोर्ट से यह आग्रह किया कि कमलेश से पूछताछ के लिए रिमांड अवधि को विस्तार दिया जाए, जिसके बाद कोर्ट ने ईडी को कमलेश को 4 दिनों तक रिमांड पर लेकर पूछताछ के लिए अनुमति दी है. बता दें कि लैंड स्कैम से जुड़े केस में ईडी ने पिछले महीने कमलेश के घर पर छापेमारी की थी. जिसमें उसके घर से एक करोड़ रुपये कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे.

सरकार ने निःशक्तता आयुक्त के पद के लिए 20 तक आवेदन मांगे

रांची। राज्य सरकार ने राज्य निःशक्तता आयुक्त के पद के लिए फिर से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है. इस पद के लिए 20 अगस्त तक आवेदन मंगाए गये हैं. इस पद के लिए पूर्व में भी विज्ञापन (पीआर नं 303322, 27-7-24) जारी किया गया था और आवेदन मंगाए गये थे. इसे निरस्त करते फिर से योग्य कैंडिडेट से आवेदन करने को कहा गया है. समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, झारखंड की ओर से इसके लिए विज्ञापन जारी किया गया है. इसके अनुसार, आयुक्त के पद पर नियुक्ति के लिए इच्छुक और योग्यता रखने वाले सरकारी सेवा में कार्यरत पदाधिकारी, रिटायर्ड अफसर एवं गैर सरकारी व्यक्ति भी आवेदन कर सकते हैं. जारी विज्ञापन के मुताबिक, राज्य निःशक्तता आयुक्त को पूर्णकालिक आधार पर तीन सालों की अवधि के लिए नियुक्त किया जायेगा. जरूरत पड़ने पर 1-1 साल की अवधि के लिए कुल दो बार अवधि विस्तार दिया जा सकता है. इस पद के लिए अधिकतम आयु 65 वर्ष की होनी चाहिये. आयुक्त पद के लिए कार्यरत सरकारी सेवक के मामले में नियुक्ति के समय उन्हें प्राप्त हो रहा वेतनमान ही देय होगा. रिटायर्ड अफसरों के मामले में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार गणना कर वेतनमान देय होगा. गैर सरकारी व्यक्ति के मामले में 60 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे. साथ ही सरकार द्वारा निर्धारित अन्य भत्ते भी उन्हें मिलेंगे.

कृषि मंत्री से मिले राजद नेता, किया आग्रह

किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराया जाए

संवाददाता । रांची

प्रदेश राजद ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के दो लाख रुपये तक के ऋण माफ करने के फैसले का स्वागत किया है. प्रदेश राजद अध्यक्ष संजय सिंह यादव व महासचिव कैलाश यादव के नेतृत्व में राजद नेताओं ने कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से उनके धुर्वा स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात कर बधाई दी. साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, डेयरी और मछलीपालन करनेवालों की सब्सिडी के संबंध में बातचीत की. कृषि मंत्री को बताया गया कि फसल से पूर्व सही समय पर किसानों को खाद -बीज का वितरण किया जाना चाहिए, ताकि समय से रोपनी का काम पूर्ण हो जाए. किसानों को हर हाल में समय पर खाद-बीच उपलब्ध कराने को कहा गया.

प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने बताया कि पूर्व में सरकार द्वारा महज 50 हजार रु ऋण माफी की योजना थी, लेकिन जब दीपिका पांडेय सिंह ने कृषि मंत्री का पदभार संभाला, तो उन्होंने पहला फैसला राज्य के किसानों का दो लाख रु तक ऋण माफी का लिया था. उनके इस फैसले से लगभग 4.75 लाख किसानों को लाभ मिलेगा. कृषि मंत्री ने निश्चिच तौर पर ऐतिहासिक काम किया है.यादव ने कहा कि कृषि मंत्री को बताया गया कि फसल से पूर्व सही समय पर किसानों को खाद -बीज का वितरण किया जाना चाहिए, ताकि समय से रोपनी का काम पूर्ण हो जाए. पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने आश्वस्त किया कि निश्चित रूप से ऐसा हीं होगा और अब शिकायत का मौका नहीं मिलेगा .प्रतिनिधिमंडल में रामकुमार यादव, शब्बर फातमी, चंद्रशेखर भगत, महादेव ठाकुर, उमेश निषाद भी शामिल थे.

कृषि मंत्री से मिलते राजद अध्यक्ष संजय यादव, कैलाश यादव व अन्य.

कल्याण मंत्री दीपक बिरुआ ने राज्यपाल से भेंट की

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ ने शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात की. राज्यपाल को उन्होंने बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, रांची में "विश्व आदिवासी दिवस" के अवसर पर आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया. मौके पर विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे.

कार्रवाई | अमन साहू गिरोह के अपराधी के पास से मोबाइल बरामद

सिमडेगा जेल में एटीएस की छापेमारी

संवाददाता । रांची

झारखंड एटीएस ने सिमडेगा जेल में गुरुवार को छापेमारी कर जेल में बंद अमन साहू गिरोह के अपराधी आकाश राय उर्फ मोनू के पास से मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किया. एटीएस को सूचना मिली थी कि अपराधी जेल में रहते हुए मोबाइल का उपयोग कर जेल से ही आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिला रहे हैं. इस खबर के बाद एटीएस एसपी ऋषभ कुमार झा ने सिमडेगा पुलिस की मदद से जेल में करीब पांच घंटे तक छापेमारी की. इसके बाद एक निर्माणाधीन बैरक के पास से मेटल डिटेक्टर की मदद से जमीन के नीचे छुपा कर रखा गया एक स्मार्ट फोन बरामद किया.

साल 2021 में आकाश राय हुआ था गिरफ्तार

पुलिस ने साल 2021 में अवैध हथियारों के साथ आकाश राय को गिरफ्तार किया था. तब से ही वह जेल में बंद है. लेकिन जेल से ही वर्चस्व कायम रखे हुए है. पिछले दो सालों से वह सिमडेगा जेल में बंद है. जेल कर्मियों की मिलीभगत से आकाश राय जेल में मोबाइल उपलब्ध करवा लेता है और फिर उसी से कारोबारियों को धमकी देता है. इसके बाद अपने गुर्गों को आपराधिक कांडों को अंजाम देने का निर्देश देता है.

गढ़वा और छत्तीसगढ़ में जेल से कराया कांड

जानकारी के मुताबिक जेल से जो मोबाइल बरामद हुआ है, उसी के माध्यम से आकाश राय अपने बॉस गैंगस्टर अमन साव और कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई से संपर्क करता था. आकाश राय के कहने पर ही गढ़वा और छत्तीसगढ़ में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया था. एटीएस की टीम अब आकाश राय के मोबाइल का कॉल डिटेल्स खंगाल रही है. आकाश के मोबाइल में कई तरह के चौंकाने वाली जानकारियां भी मिली हैं, जो एटीएस की जांच की दिशा को और बेहतर करेगी.

क्लासिफाइड

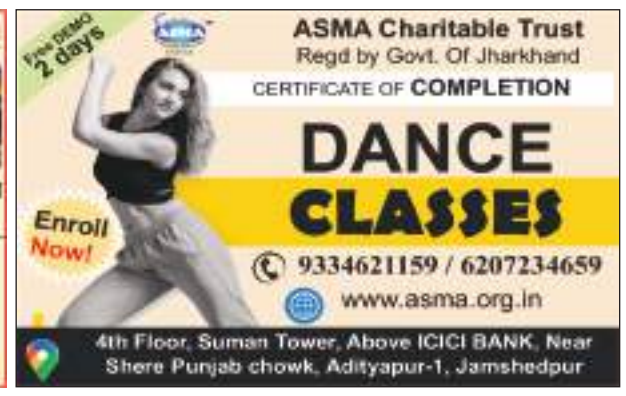

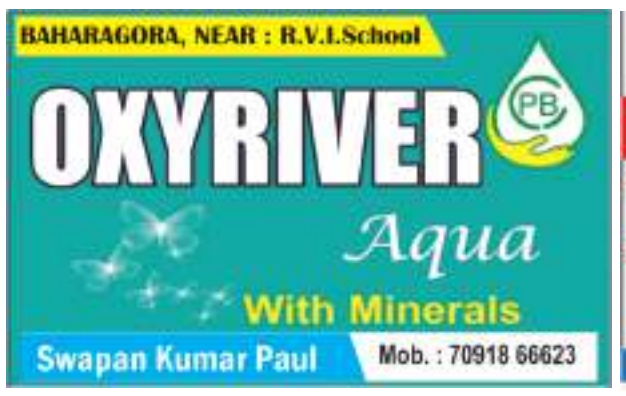

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.9	26.3
जमशेदपुर	34.3	24.7
डालटनगंज	32.0	26.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 123 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिल कर प्रयास करना होगा

हमें विरासत में मिला है संघर्ष: मुख्यमंत्री

रांची के बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव का रंगारंग शुभारंभ, उमड़ी भारी भीड़

राज्यपाल संतोष गंगवार, सांसद शिबू सोरेन व सीएम हेमंत ने किया उद्घाटन, कल्पना भी रहीं मौजूद

प्रवीण कुमार। रांची

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान, रांची में दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव- 2024 का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ. उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्य अतिथि एवं राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष - सह- राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे. कार्यक्रमकी अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य में तीसरी बार झारखंड आदिवासी महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है. यह सिर्फ एक महोत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह अपनी प्राचीन और समृद्ध जनजातीय सभ्यता-संस्कृति और विरासत को संजोने, संवारने और देश -दुनिया में पहचान दिलाने का एक प्रयास है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्यभर में हर्ष, उल्लास और उत्साह के साथ आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है. इस अवसर पर आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए आदिवासी अपनी सभ्यता और संस्कृति की चमक बिखेर रहे हैं. उन्होंने कहा कि आदिवासी महोत्सव आदिवासी जीवन दर्शन और कला-संस्कृति को अलग पहचान देने का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है. यहां आयोजित हो रहे आदिवासी महोत्सव में हमें आदिवासियों की कला -संस्कृति, परंपरा, गीत- नृत्य और उनकी वेशभूषा से रूबरू होने का मौका मिल रहा है.

आदिवासी महोत्सव समारोह में राज्यपाल, सांसद शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री मंच पर. फोटो- रमीज

जनजातीय सभ्यता सबसे प्राचीन सभ्यता

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय सभ्यता दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता है. आदि काल से ही आदिवासियों की सभ्यता -संस्कृति और परंपरा काफी समृद्ध रही है. दुनिया में अलग-अलग हिस्सों में आदिवासी समुदाय वास करते हैं, लेकिन उनके सभ्यता -संस्कृति में कहीं न कहीं एकरूपता देखने को मिलती रहती है. जनजातीय कला- संस्कृति और परंपरा को सुरक्षित करने के साथ समृद्ध करने की जरूरत है, ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्रोत हमेशा बना रहे. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के आदिवासियों को विरासत में संघर्ष मिला है. यहां के आदिवासियों ने अपनी सभ्यता- संस्कृति और मान-सम्मान के साथ कभी समझौता नहीं किया. जल- जंगल -जमीन की रक्षा की खातिर लंबा संघर्ष किया. हमें गर्व है अपने उन वीरों पर, जिन्होंने अन्याय, शोषण एवं देश-राज्य के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया.

वीरों और शहीदों की धरती रही है झारखंड

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सदियों से वीरों और शहीदों की धरती रही है. चाहे आजादी के पहले की बात हो या आजादी के बाद अथवा अलग राज्य के लिए चली लंबी लड़ाई. बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, भैरव- चांद, फूलो झानो, नीलाम्बर पीताम्बर, तिलका मांझी, शेख भिखारी, बुधु भगत, टाना भगत, निर्मल महतो और विनोद बिहारी महतो जैसे अनेक वीर हुए हैं, जिन्होंने अन्याय -शोषण, आदिवासी-मूलवासी के हक-अधिकार, और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दे दी. अपने इन वीर शहीदों को नमन है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों को बहुत संघर्ष के बाद मुकाम हासिल होता है. इसके लिए उन्हें एक लम्बी लड़ाई लड़नी होती है. ऐसे में आदिवासी समाज कैसे आगे बढ़े, इसके लिए सरकार तो प्रयास कर ही रही है. आपको भी अपनी भूमिका निभानी होगी. आप आगे बढ़ें, सरकार आपके साथ है.

12 पुस्तकों का विमोचन, 257 लोगों को मिला वन पट्टा

इस महोत्सव में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, अध्यक्ष राज समन्वय समिति शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंच पर मौजूद अन्य गणमान्यों ने डॉ. राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित 12 पुस्तकों का विमोचन किया. वहीं, 257 हीं लोगों के बीच 73 हज़ार 5 सौ 83 एकड़ सामुदायिक वन पट्टा का वितरण किया गया. इस महोत्सव में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ, राज्य सभा सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक राजेश कच्छप, मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा एवं आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा सहित कई वरीय अधिकारी एवं गणमान्य मौजूद रहे.

झारखंड में पेसा कानून शीघ्र लागू करे सरकार : राज्यपाल

ब्यूरो। रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य में पेसा नियमावली नहीं बनाये जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि जनजातीय समुदाय की पारंपरिक शासन व्यवस्था को राज्य में लागू करना जरूरी है. वर्तमान में देश में झारखंड ही एक मात्र ऐसा राज्य है, जहां पेसा कानून लागू नहीं है. मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूं कि वे शीघ्र इस कानून को राज्य में लागू करायें. उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी समुदाय की आबादी लगभग 27 प्रतिशत है. यहां 32 अनुसूचित जनजातियां रहती हैं. जनजाति समाज हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा है. जिन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान और संस्कृति के माध्यम से हमारे देश की विविधता को और भी समृद्ध किया है. हालांकि, आज भी हमारे आदिवासी समुदाय को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर हमें और अधिक काम करने की आवश्यकता है. हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ लोगों को मिले. वे शुक्रवार को झारखंड आदिवासी महोत्सव-2024 के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे.

आदिवासी समुदाय की संस्कृति को संरक्षित करने का संकल्प लें

राज्यपाल ने कहा कि हमें आदिवासी समुदाय की संस्कृति पर गर्व होना चाहिए और इसे संरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए. मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि आदिवासी समाज में दहेज-प्रथा जैसी

- शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मुद्दों पर राज्य में काम करने की जरूरत

कुरीतियां नहीं हैं, लेकिन डायन-प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियां आज भी मौजूद हैं, जिसे जागरूक होकर हम सबको दूर करना होगा. सरकार छात्रवृत्ति योजनाएं चला रही हैं. हमारे छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ मिले, यह सुनिश्चित करना जरूरी है. उन्होंने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखंड के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं. उन्होंने अल्पायु में ही इतिहास रच दिया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया. मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,800
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

मालगाड़ी फिर बेपटरी हुई, कोई हताहत नहीं

गुवाहाटी/कटिहार। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में कुमेदपुर रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए.पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि घटना पूर्वाह्न करीब 10:45 बजे हुई. मालगाड़ी के कुल पांच डिब्बे पटरी से उतर गए, और किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है.

अब बैंक खाते में दर्ज करा सकेंगे चार नॉमिनी

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) बिल, 2024 पेश किया. इसमें प्रावधान है कि हरेक बैंक खाताधारक एक खाते के लिए चार नॉमिनी तक दर्ज करा सकेगा. अभी तक एक ही नॉमिनी होता था. अगर यह बिल संसद से पारित होता है, तो अब नॉमिनी को बढ़ा कर चार तक किया जा सकेगा.

बड़े फैसलों का दिन: सुप्रीम कोर्ट ने एक ही दिन दिए तीन बड़े आदेश

मनीष सिसोदिया को सशर्त मिली जमानत, जेल से निकले बाहर

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आबकारी नीति से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को रिहा करने का आदेश जारी कर दिया. विशेष जज कावेरी बावेजा ने सिसोदिया के अधिवक्ताओं की ओर से मुचलकों और जमानत राशियों के भुगतान को स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया. देर शाम सिसोदिया जेल से बाहर आ गए. आम आदमी पार्टी के नेताओं -कार्यकर्ताओं ने सिसोदिया का जोरदार स्वागत किया. इससे पूर्व कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को जमानत दे दी गई. सिसोदिया 17 महीने से तिहाड़ जेल में बंद थे. कथित शराब घोटाले में ट्रायल शुरू होने में हुई देरी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में जमानत दे दी है. इसके बाद आम आदमी पार्टी ने जश्न मनाना शुरू कर दिया है और कहा कि सत्य की जीत हुई है. सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीआर गवई और

- 10 लाख का मुचलका, हफ्ते में दो दिन थाने में हाजिरी, इन शर्तों पर मिली जमानत

जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर 6 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था. शुक्रवार को इस पर फैसला देते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि 17 महीने की लंबी कैद और मुकदमा शुरू न होने के कारण उन्हें सुनवाई के अधिकार से वंचित किया गया है. सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि 400 से ज्यादा गवाहों को देखते हुए जल्द ही इसका ट्रायल पूरा होने की संभावना भी नहीं दिखती.

इन शर्तों पर मिली है जमानत : मनीष सिसोदिया को जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वो समाज के सम्मानित व्यक्ति हैं और उनके भागने की आशंका भी नहीं है. -शेष पेज 11 पर

नहीं टलेगी नीट यूजी की परीक्षा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा को स्थगित करने की मांग से संबंधित याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी. इसमें दावा किया गया था कि अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि वह पांच छात्रों के लिए दो लाख छात्रों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकते. पीठ ने कहा, हम ऐसी परीक्षा को कैसे स्थगित कर सकते हैं. संजय हेगड़े, आजकल लोग बस परीक्षा स्थगित करने के लिए कहते हैं. यह एक आदर्श दुनिया नहीं है. हम अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं. याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि नीट-पीजी को पुनर्निर्धारित करने की आवश्यकता है, क्योंकि एक परीक्षा सुबह और एक दोपहर बाद होनी है. याचिका में कहा गया कि अनेक अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है.

हिजाब पर ही बैन क्यों? तिलक और बिंदी पर भी क्यों न लगे...

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण आदेश में मुंबई के एक कॉलेज द्वारा जारी सर्कुलर पर रोक लगा दी, जिसमें कॉलेज परिसर में हिजाब, नकाब, बुर्का, टोपी पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था. न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इस आदेश पर सवाल उठाया और धार्मिक प्रतीकों पर चुनिंदा प्रतिबंध लगाने के कॉलेज के निर्णय की आलोचना की. लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेज के इस निर्देश पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यदि इरादा एक समान ड्रेस कोड लागू करने का था, तो केवल हिजाब, नकाब और बुर्का जैसे इस्लामी परिधानों पर ही प्रतिबंध क्यों लगाया गया? जस्टिस संजय कुमार ने यह भी पूछा कि यदि कॉलेज वास्तव में एक निष्पक्ष और समान नीति लागू करना चाहता था तो क्या तिलक और बिंदी जैसे अन्य धार्मिक चिह्नों पर भी प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए था?

क्या है मामला : यह मामला उस समय सामने आया जब विज्ञान डिग्री के दूसरे और तीसरे वर्ष की नौ

- सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के एक कॉलेज के आदेश पर जताया कड़ा एतराज

छात्राओं ने कॉलेज के इस निर्देश को चुनौती दी. उन्होंने इसेअपने मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में देखा, जिसमें धर्म का पालन करने का अधिकार, निजता का अधिकार और पसंद का अधिकार शामिल है. छात्राओं का तर्क था कि कॉलेज का यह निर्णय न केवल संविधान द्वारा प्रदत्त उनके अधिकारों का हनन करता है, बल्कि उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगाता है. इससे पहले, बॉम्बे हाईकोर्ट ने कॉलेज के इस प्रतिबंध के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था. लेकिन सुप्रीम कोर्ट नेइस फैसलेको चुनौती देनेवाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कॉलेज के सर्कुलर पर रोक लगा दी. -शेष पेज 11 पर

बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात पर एक्शन

शाह ने बनाई कमेटी

एजेंसी। नयी दिल्ली

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर शुरू हुए बवाल ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से उनकी कुर्सी छीन ली. इसके बाद से ही बांग्लादेश में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं. बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों (हिंदू, ईसाई समेत अन्य) के खिलाफ हिंसा भड़क गई है. इस मामले पर अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर एक कमेटी का गठन किया गया है. ये कमेटी बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और मौजूदा हालात का जायजा लेगी. इसके साथ ही गृहमंत्री अमित शाह बांग्लादेश सरकार के साथ बातचीत करके वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनकी संपत्ति का संरक्षण सुनिश्चित कराएंगे. इस समिति में विभिन्न विशेषज्ञ, सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि और कूटनीतिक अधिकारी शामिल हैं, जो बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर काम करेंगे.समिति का मुख्य उद्देश्य बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की स्थिति का विश्लेषण करना, उनके सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करना और उनकी सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाना है.

-शेष पेज 11 पर

बांग्लादेश सरकार से वन टू वन बातचीत करेगी सरकार

इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय बांग्लादेश में रह रहे भारतीय हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए वहां की अंतरिम सरकार से वन टू वन बातचीत करेगी. साथ ही गृह मंत्रालय की ये कमेटी

भारत-बांग्लादेश के बॉर्डर पर हालात का भी नजर बनाए रखेगी. गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ''एक्स'' पर पोस्ट करते हुए लिखा, बांग्लादेश में जारी हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा हालात पर नजर रखने के लिए एक समिति गठित की है. ये समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संवाद बनाए रखेगी, जिससे वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके. इस समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे.

बढ़ी तकरार सभापति जगदीप धनकड़ से आर-पार के मूड में पूरा विपक्ष, पक्षपात का लगाया आरोप

पद से हटाने के लिए आ सकता है महाभियोग प्रस्ताव

एजेंसी। नयी दिल्ली

संपूर्ण विपक्ष राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अनुच्छेद 67 के तहत महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है. राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ की टोन पर सवाल उठाए.

सभापति जगदीप धनखड़ भड़के और उन्हें मर्यादित आचरण की नसीहत दे डाली. इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने दादागीरी नहीं चलेगी के नारे लगाते हुए वॉकआउट कर दिया. राज्यसभा में विपक्ष के आचरण को अमर्यादित बताते हुए जेपी नड्डा द्वारा लाया गया निंदा प्रस्ताव भी पारित हुआ. हंगामे और

निंदा प्रस्ताव के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई.

क्या कहता है अनुच्छेद 67? : अनुच्छेद 67 (बी) कहता है कि उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत द्वारा पारित और लोकसभा द्वारा सहमत एक प्रस्ताव द्वारा उनके कार्यालय से हटाया जा सकता है. इसके लिए 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए. -शेष पेज 11 पर

कहां से शुरू हुआ विवाद

दरअसल राज्यसभा में शून्यकाल की कार्यवाही पूरी होने के बाद प्रश्नकाल शुरू होने से पहले विपक्ष ने मल्लिकार्जुन खरगे को लेकर घनश्याम तिवाड़ी की ओर से की गई टिप्पणी का मुद्दा उठा दिया. कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा कि कुछ आपत्तिजनक बातें कही गई थीं. इस पर आपने कहा था कि रूलिंग देंगे. उन्होंने सवाल किया कि वह रूलिंग क्या है? इसके जवाब में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे और घनश्याम तिवाड़ी, दोनों ही मेरे चैंबर में आए थे. एक-एक चीज पर नजर डाली गई.

जयराम रमेश ने उठाई माफी की मांग

उन्होंने कहा कि घनश्याम तिवाड़ी ने कहा था कि अगर कुछ भी आपत्तिजनक हो तो मैं सदन में माफी मांगने के लिए तैयार हूं. खरगे जी भी इस पर सहमत थे कि कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है, उस समय समझ नहीं आया. उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे की प्रशंसा में घनश्याम तिवाड़ी ने श्रेष्ठतम बातें कही थीं. कुछ भी आपत्तिजनक नहीं था. इस पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह बातें सदन को भी जाननी चाहिए. सभापति ने कहा कि घनश्याम तिवाड़ी ने संसदीय भाषा में अपनी बातें कहीं. जयराम रमेश ने माफी मांगने की मांग की. इस पर सभापति ने कहा कि प्रशंसा के लिए कोई माफी नहीं मांगता. वे माफी नहीं मांगेंगे. प्रमोद तिवारी ने कहा कि जो शब्द कहे थे, वह दोहराना नहीं चाहता. जो टोन थी, वह विपक्ष के नेता के लिए ठीक नहीं थी. जयराम रमेश ने कहा कि परिवारवाद का आरोप था, परिवारवाद की बात थी.

शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन सौंपनी है रिपोर्ट

वक्फ बिल पर जेपीसी गठित, 31 सदस्य नामित

एजेंसी। नयी दिल्ली

संसद ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति (जेपीसी) के गठन की खातिर लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्यों को नामित करने के प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दे दी.

इस जेपीसी में लोस से जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है. उनमें भाजपा के 8 व कांग्रेस के 3 सांसद शामिल हैं. रास से शामिल सदस्यों में से 4 भाजपा के व 1-1 सदस्य कांग्रेस, टीएमसी, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के हैं. एक मनोनीत सदस्य को भी समिति में रखा गया है. इस प्रकार इस समिति के कुल सदस्यों की संख्या 31 हो गई.

संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने सदन में यह प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे

- संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई

दी गई. समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है. सरकार ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन बिल गुरुवार को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद जेपीसी के पास भेजने का फैसला हुआ था. रिजीजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया था. इस बीच, शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई.

ये हैं समिति में शामिल

लोकसभा सदस्यों में भाजपा से जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय और डीके अरुणा को इस समिति में शामिल किया गया है, जबकि कांग्रेस से गौरव गोगाई, इमरान मसूद और मोहम्मद जावेद को इसका सदस्य बनाया गया है. सपा के सदस्य मौलाना मोहिबुल्ला नदवी, टीएमसी के कल्याण बनर्जी, द्रमुक के ए. राजा, तेदेपा के लावू श्रीकृष्णा, जदयू के दिलेश्वर कामत, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एनसीपी (एसपी) के सुरेश गोपीनाथ महत्रे, शिवसेना के नरेश गणपत म्हास्के, लोजपा (आर) के अरुण भारती और एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवैसी भी इस समिति में शामिल हैं. - शेष पेज 11 पर

ब्रीफ खबरें

मानगो में घर के बाहर से ऑटोरिक्शा की चोरी

जमशेदपुर । मानगो थाना अंतर्गत जवाहर नगर रोड नंबर 15 के ब्रह्म पथ के रहने वाले पप्पू सिंह का ऑटोरिक्शा बीती रात घर के सामने से चोरी हो गया. सुबह इसकी जानकारी होने के बाद पप्पु सिंह ने आस-पास उसकी खोजबीन की. उन्होंने इसकी सूचना मानगो थाना को दी. बताया कि प्रतिदिन की तरह वे सुबह पांच बजे काम में जाने के लिए घर से बाहर निकले. ऑटोरिक्शा जहां खड़ा किया गया था, वहां नहीं था. उन्होंने पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर चोर की शिनाख्त करने की मांग की. पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है.

बंगाल के पूर्व सीएम के निधन पर शोकसभा

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को सीपीआई (एम) की ओर से पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर बहरागोड़ा लोकल कमिटी की ओर से एक शोकसभा का आयोजन किया गया. इसमें दिवंगत कॉमरेड की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया और उनके चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई. वहीं स्वपन कुमार महतो ने कहा कि कॉमरेड बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है.

ग्राम प्रधान को अंग वस्त्र देकर किया सम्मानित

घाटशिला । धालभूमगढ़ प्रखंड के चुकरीपाड़ा पंचायत के बहेडा गांव में पूर्व ग्राम प्रधान बाघराई किस्कू काफी दिनों से बीमार चल रहे हैं. भाजपा नेत्री गीता मुर्मू ने सूचना मिलते ही उनके घर में मिलकर उनका हाल-चाल जाना एवं विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बाघराई किस्कू एवं उनकी पत्नी एवं वर्तमान ग्राम प्रधान मंगल किस्कू को अंगवस्त्र एवं मच्छरदानी देकर सम्मानित किया. ग्रामीणों ने भाजपा नेत्री को विभिन्न समस्याओं को अवगत कराया. कहा, गांव में पानी की काफी समस्या है. गीता मुर्मू ने कहा कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाएगा.

आदित्पुर में विश्व आदिवासी दिवस पर निकाली रैली

आदित्यपुर । आदिवासी कल्याण समिति आदित्यपुर ने विश्व आदिवासी दिवस पर इमली चौक पर स्थित महापुरुषों (बिरसा मुंडा, तिलका मांझी और लाको बोदरा) के स्टैच्यू पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित दी. इस मौके एक रैली भी निकाली गई. इस कार्यक्रम में अध्यक्ष सुरेंद्र सुंडी, गुडडू पूर्ति, जानकी कर्मा, बबलू हायबुरु, रामेश्वर सुरीन, मधु बिरुली, बुधराम मुडिया, अमर लियांगी, बासु गागराई, बबलू लामाय, सिंघराय उगुरसंदिल, लालसिंह बारी, पुतकर कराई और ज्ञानी राम सोय आदि शामिल थे.

मुखी समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष का अभिनंदन

जमशेदपुर । भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष नेता दिनेश कुमार ने मुखी समाज के दस नंबर बस्ती के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संदीप मुखी का अपने आवासीय कार्यालय में अभिनंदन किया. इस अवसर पर दिनेश कुमार ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया. साथ ही कहा कि वे समाज हित में कार्य करें. उन्हें हर स्तर पर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए वे खड़े रहेंगे. दूसरी ओर नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने दिनेश कुमार का आभार जताया. मौके पर प्रेम मुखी, पंकज मुखी, आदित्य मुखी, जयराम मुखी, राकेश मुखी, पवन मुखी, समीर मुखी सहित अन्य मौजूद थे.

अगस्त क्रांति दिवस पर महापुरुषों को श्रद्धांजलि

आदित्यपुर । आज ही के दिन 9 अगस्त 1942 क्रांति दिवस और भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई थी. इस अवसर पर जिन महापुरुषों ने हमारे देश की आजादी के लिए ऐसे कदम उठाए उनकी याद में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन आदित्यपुर-2 रोड नंबर 19 कुलुपटांगा बस्ती के कांग्रेस कार्यालय में किया गया. इस श्रद्धांजलि सभा में वरीय कांग्रेसी नेता दिवाकर झा, जिला महासचिव एवं झारखंड आंदोलनकारी खिरोद सरदार, कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष वैजयंती बारी, संगीता प्रधान, कांग्रेस नेत्री झरना मन्ना, पूर्व पार्षद प्रदीप मुखी, जिला महासचिव लालबाबू सरदार वं अन्य कांग्रेस जन उपस्थित थे.

जादूगोड़ा में विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में निकाली गई रैली का स्वागत करने के लिए खड़ी महिलाएं. कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं व पुरुषों की भारी भीड़. ढोल धमसा बजाते आदिवासी युवक.

राजनीतिक षड्यंत्र की वजह से आदिवासी आज भी मूलभूत सुविधा से वंचित : बाबू लाल सोरेन

यूसिल अस्पताल शहीद चौक पर भव्य रूप में मना आदिवासी दिवस

संवाददाता। जादूगोड़ा

जादूगोड़ा स्थित यूसिल अस्पताल शहीद चौक पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबू लाल सोरेन की अगुवाई में आज शुक्रवार को भव्य रूप में आदिवासी दिवस मना मनाया गया. इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबू लाल सोरेन ने कहा कि राजनीतिक षड्यंत्र की वजह से आज भी आदिवासी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं. इस समाज के लोगों के उत्थान के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की जरूरत है ताकि पूरे देश के आदिवासी समाज शिक्षा और राजनीति के स्तर पर आगे उठ सके. आने वाले दिनों में किसानों के लिए सिंचाई की व्यवस्था, जनजातीय गणना में सरना कोड को शामिल करना, परम्परागत माझी बाबा को पहचान पत्र दिलाना उनकी प्राथमिकता सूची में है. उन्होंने आगे कहा कि अनुसूचित जनजाति की 32 जाति व अनुसूचित जाति की 22 प्रजाती एक दूसरे के पूरक हैं.

कार्यक्रम में उपस्थित झामुमो के केन्द्रीय महासचिव बाबूलाल सोरेन व अन्य.

कार्यक्रम की शुरुआत जादूगोड़ा यूसिल अस्पताल चौक पर श्री सोरेन समेत आदिवासी समाज की ओर शहीद वेदी बनाकर कर वीर शहीद सिदो-कान्हु, तिलक माझी, जननायक बिरसा मुंडा, पंडित रघुनाथ मुर्मु , मरांग बुरु, जाहेरआयो, मोडे का (पूर्वज) की पूजा-अर्चना एवं नमन के साथ की गई. शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई. इसके पूर्व जादूगोड़ा मोड़ चौक से कंपनी अस्पताल चौक तक शोभा यात्रा निकाली गई. जहां जनजातीय महिला समूह की ओर से नाचते-गाते मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति की गई.

यूसिल अस्पताल शहीद चौक पर आयोजित भव्य आदिवासी दिवस को सफल बनाने में यूसिल की मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठन के महामंत्री रमेश माझी, भोगला मार्डी, सहायक सचिव रघु टुडू, बैजनाथ मुर्मू, लखन मुर्मु, वर्षा टुडू, चैतन्य हांसदा, सुभाष कर्मकार, कादे मार्डी , लच्छू सिंह समेत झामुमो के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया.

बाबू लाल सोरेन का हुआ जोरदार स्वागत

विश्व आदिवासी दिवस पर झामुमो केंद्रीय महासचिव बाबू लाल सोरेन का जादूगोड़ा में जोरदार स्वागत किया गया. रैली में भाग लेने डुमरिया, गालूडीह, घाटशिला समेत पूरे पूर्वी सिंहभूम जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से उनके समर्थक जादूगोड़ा पहुंचे थे. जिसमें भारी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया. रैली के आगे-आगे नाचते गाते लोग धमसा बजाते चल रहे थे. जिससे पूरा क्षेत्र धमसा की गूंज से गुंजायमान रहा. इस दौरान केंद्रीय महासचिव बाबू लाल सोरेन, पूर्व मुख्य मंत्री शिबू सोरेन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व सीएम चंपई सोरेन के नारे लगे.

जादूगोड़ा पुलिस ने संभाली यातायात व्यवस्था

रैली को लेकर जादूगोड़ा मोड़ चौक से मुख्य सड़क पर लोगों को आवागमन की असुविधा न हो, इसे लेकर जादूगोड़ा पुलिस अलर्ट दिखी. जिसकी वजह से जाम की स्थिति नहीं बनी व आवागमन सामान्य रहा. कार्यक्रम स्थल के आसपास कटआउट में झारखंड के वीर शहीदों के अतिरिक्त झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबू लाल सोरेन, पूर्व मुख्य मंत्री शिबू सोरेन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को जगह दी गई थी.

भाजपा का 11 से हर घर तिरंगा अभियान

14 अगस्त को मनाएंगे विभाजन विभीषिका दिवस

- 11, 12 व 13 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा

संवाददाता। आदित्यपुर

भाजपा का हर घर तिरंगा कार्यक्रम चल रहा है. इस कार्यक्रम में भाजयुमो को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है. 11, 12 और 13 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगा. 12, 13 और 14 अगस्त को महापुरुषों की प्रतिमा की सफाई कर माल्यार्पण किया जाएगा. 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस मनाएंगे. इस दिन संगोष्ठी कर मौन जुलूस निकालेंगे और लोगों को बताएंगे कि किस तरह देश का विभाजन हुआ और इसकी वजह से लोगों को कत्लेआम हुआ था. 13, 14 और 15 को हर घर, हर प्रतिष्ठान में तिरंगा लगाएंगे.

आदित्यपुर में पत्रकारों को कार्यक्रम की जानकारी देते भाजयुमो के नेता.

भाजपा जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव ने बताया कि पांच हजार तिरंगा का आर्डर दे दिया गया है. यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशानुसार किया जा रहा है. उसके तहत 11 से 13 अगस्त को विधानसभा वार बाइक रैली के साथ तिरंगा यात्रा निकालेंगे. जिले के स्वतंत्रता सेनानी के घर जाकर उनका अभिनंदन करेंगे. इस कार्यक्रम के लिए सरायकेला विधानसभा का संयोजक किशन प्रधान, ईचागढ़ के संयोजक आकाश महतो और खरसावां के संयोजक दीपक मांझी बनाए गए हैं.

भाजयुमो जिलाध्यक्ष अनुराग जायसवाल ने कहा कि हम लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया है. संभवतः वह इस कार्यक्रम में शामिल होंगे. भाजयुमो की एक बैठक कल शनिवार को प्रदेश कमेटी ने बुलाई है. प्रेसवार्ता में इन नेताओं के अलावा संयोजक दीपक मांझी, दीपक महतो, आनंद कुमार गांधी, महेंद्र पोद्दार, अनिकेत तिवारी मौजूद थे.

बिल्डर के केयर टेकर का अपहरण कर पीटा, घायल

- सुबह घायलावस्था में लौटे पुलिस ने तीन को लिया हिरासत में

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर के बिल्डर दीपक रंजन के आवासीय सोसाइटी मोक्ष फेज 2 के केयर टेकर राकेश सिंह का गुरुवार की रात अपहरण कर उनपर जानलेवा हमला किया गया. इस मामले में सरायकेला पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत के निर्देश पर आदित्यपुर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है. इस मामले में पुलिस ने बाबू सरदार समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. बता दें कि बिल्डर दीपक रंजन के केयरटेकर राकेश सिंह के साथ पानी को लेकर कुछ कहासुनी हुई थी. इसी के प्रतिशोध में गुरुवार की रात बाबू सरदार व अन्य सोसाइटी में जबरन प्रवेश कर राकेश सिंह पर हमला कर दिया. इसके बाद राकेश का अपहरण कर लिया. जब सुबह घटना की जानकारी पुलिस को मिली तो पुलिस के दबाव में अपहृत राकेश सिंह को वापस लेकर आये. केयर टेकर राकेश की पिटाई कर घायल कर दिया. राकेश का इलाज चल रहा है. बता दें कि बाबू सरदार आजसू नेता सन्नी सिंह के करीबी हैं.

साकची बाजार शिव मंदिर में आदिशक्ति मां जीण भवानी का सिंघारा उत्सव 15 को

जमशेदपुर । शहर की धार्मिक संस्था श्री जीण माता परिवार जमशेदपुर की ओर से 15 अगस्त को आदिशक्ति मां जीण भवानी का झूला एवं सिंधारा उत्सव मनाया जायेगा. साकची बाजार स्थित श्री शिव मंदिर के दूसरे तल्ले में आयोजित होने वाले इस धार्मिक महोत्सव में मंगल पाठ का आयोजन भी होगा. इस संबंध में संस्था के संस्थापक शंभू खन्ना ने बताया कि 15 अगस्त को दोपहर 03.30 से मां भवानी जीण शक्ति का मंगल पाठ और साथ ही संध्या में भजनों की अमृत वर्षा होगी. उन्होंने आगे बताया कि मंगलपाठ का वाचन स्थानीय भजन गायक महावीर अग्रवाल मुन्ना करेंगें.

सुवर्णरेखा परियोजना कर्मी 5 दिन से लापता, मोबाइल ऑफ

- पुलिस कर रही जांच

संवाददाता । आदित्यपुर

स्वर्णरेखा पुनर्वास कार्यालय संख्या-1 में पदस्थापित चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी भीम महतो पिछले 5 दिनों से लापता हैं. परिजनों द्वारा पांच दिनों से उसकी तलाश की जा रहा है, मगर अब तक उसका कोई सुराग हाथ नहीं लगा है. परिजनों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी आदित्यपुर पुलिस को दी है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. भीम महतो ने सोमवार तक ड्यूटी की है. सोमवार शाम से वह गायब है. उसके परिवार में उसकी मां, पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं. पत्नी ने आदित्यपुर थाने में इसकी सूचना दी है, मगर अब तक भीम महतो का कोई पता नहीं चल सका है. थाना प्रभारी नितिन कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है. जांच चल रही है. कर्मी का मोबाइल स्विच ऑफ होने के कारण लोकेशन नहीं मिल रहा है, जल्द ही कार्यालय के कर्मियों और अधिकारियों से पूछताछ की जाएगी.

भीम महतो की फाइल फोटो

आदिवासी सिर्फ प्रकृति के पूजक ही नहीं

जल-जमीन-जंगल के रक्षक भी : संजीव सरदार

संवाददाता । डुमरिया

डुमरिया प्रखंड के कुमड़ाशोल पंचायत अंतर्गत पुनासिबाद में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. इस अवसर पर पारंपरिक पूजा अर्चना की गई. सिदो-कान्हू, बिरसा मुंडा, चांद भैरव समेत अन्य आदिवासी समाज के महापुरुषों को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई. बतौर मुख्य अतिथि विधायक संजीव सरदार ने कहा कि आदिवासी समाज ने पृथ्वी को बचाकर रखने में अहम भूमिका निभाई है. आदिवासी न सिर्फ प्रकृति के पुजारी हैं बल्कि वे सदियों से जल जंगल जमीन की रक्षा करते आ रहे हैं. कभी किसी की पराधीनता स्वीकार करना उनका स्वभाव नहीं है.

आजादी की पहली लड़ाई आदिवासियों ने लड़ी.विधायक ने कहा केंद्र की सरकार झारखंड सरकार की आवश्यक मांगों को पूरा नहीं करती. आदिवासी समाज के लिए अलग सरना कोड की मांग वर्षों से की जा रही है. समाज को वैसे संगठन और पार्टियों से दूर रहना चाहिए जो आदिवासी हितों को दरकिनार करते हैं. हेमंत सोरेन की सरकार में आदिवासी समाज के विकास और परंपराओं को बचाये रखने के लिए काम किया जा रहा है. अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र देकर किया गया. इसके पश्चात विधायक ने झारखंड आंदोलनकारी ब्रजमोहन हेंब्रम की मूर्ति का अनावरण बड़ाकांजिया के माहलीसाई टोला में किया.

कार्यक्रम यूनियन के अध्यक्ष और महामंत्री ने शॉल ओढ़ाया व स्मृति चिन्ह दिया

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने सेवानिवृत्त कर्मियों को किया सम्मानित

संवाददाता । जमशेदपुर

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन कार्यालय में शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए लोगों को शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. सेवानिवृत्त कर्मियों को यूनियन अध्यक्ष गुरमीत सिंह और महामंत्री आरके सिंह ने सम्मानित किया. टाटा मोटर्स से सेवानृवित्त होने वालों में इंजन के महाबीर प्रसाद शर्मा, क्यूए के धरणीधर बनर्जी, कैब एंड कॉल के प्रमोद कुमार राय, एक्सल से मोतिउर रहमान, ट्रांसमिशन से धनपति महतो, कैब एंड कॉल के अशोक कुमार, फाउंड्री के रविन्द्र प्रसाद शामिल हैं. समारोह में महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि आप कर्मचारियों का सुझाव हम लोगों के लिए नए कार्य करने का रास्ता बनाता है. पिछले दो वेतन समझौता से हमलोग बच्चों के शिक्षा और बच्चियों की शिक्षा के लिए लगातार प्रबंधन से मांग कर रहे थे. उसकी रूपरेखा तैयार हो गयी है और बच्चों को बहुत जल्द इसका लाभ मिलेगा. ऐसी योजना लागू होने जा रही है. ऐसे ही बहुत सारे सुझाव जो आपके माध्यम से आते हैं हमलोग प्रबंधन से बात कर उसे लागू करने का काम करते हैं. इसी तरह से टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन आपकी सुविधाओं को इजाफा करने का काम करती रही है. खुशी तब होती है जब आपके द्वारा हमारे कामों को जब सराहा जाता है. अध्यक्ष गुरमीत सिंह ने कहा कि हर एक कमेटी मेंबर बड़ी तत्परता के साथ सभी कर्मचारियों के साथ मिलकर और उनकी समस्याओं के निदान के लिए दिन-रात लगे रहते हैं. आप सबका सेवानृवित्त जीवन सुखमय बीते, आप स्वस्थ रहें और आपके घर में खुशियां बिखरी रहें, ऐसी कामना करता हूं. आप सब को जब भी आवश्यकता हो तो यूनियन के सारे मेम्बर आपके लिए खड़े रहेंगे. अंत में धन्यवाद ज्ञापन अनिल शर्मा ने किया. समारोह का मंच का संचालन प्रकाश विश्वकर्मा ने किया. यह जानकारी टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के प्रेस प्रवक्ता नवीन सोलंकी ने दी है.

न्यूज अपडेट

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

घाटशिला । बाघुड़िया पंचायत के बाघुड़िया गांव में शुक्रवार को आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया. विशेष रूप से फुटबॉल प्रतियोगिता, खेलकूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहा. स्थानीय ग्राम प्रधानों को पगड़ी देकर सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामदास सोरेन, विशिष्ट अतिथि घाटशिला एसडीओ सच्चिदानन्द महतो, सम्मानित अतिथि के रूप में एसडीपीओ अजित कुमार कुजूर उपस्थित थे. अतिथियों ने सभी आदिवासी वीर शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की. विधायक रामदास सोरेन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि हम सभी आदिवासी प्रकृति के पुजारी हैं.

सोना देवी विवि में नए सत्र की शुरू हुई कक्षाएं

घाटशिला । सोना देवी विश्वविद्यालय घाटशिला के परिसर में नए सत्र 2024-25 के विद्यार्थियों का शुक्रवार से कक्षाएं शुरू हुई. सत्र की शुरुआत में सभी विद्यार्थियों और संकाय के सदस्यों के साथ एक औपचारिक परिचय सत्र से शुरू हुआ. इस अवसर पर सोना देवी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रभाकर सिंह ने छात्रों को अनुशासन बनाए रखने और समय का अनुपालन करने की सलाह दी. कुलपति डॉ जेपी मिश्रा ने पढ़ने और सीखने की विधियां बताई. कुलसचिव डॉ गुलाब सिंह आजाद ने छात्र-छात्राओं को छात्र जीवन के इस अवसर का लाभ उठाने, नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होने तथा विश्वविद्यालय की छवि को आगे बढ़ाने का निवेदन किया.

स्वतंत्रता सेनानी की 28वीं पुण्यतिथि मनाई गई

घाटशिला । स्वतंत्रता सेनानी अतुल कृष्ण बोस की 28वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को लालडीह के माटीकला भवन में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए भगवान से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई. श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा अतुल बाबू देश ने स्वतंत्रता आंदोलन पश्चिम बंगाल में प्रारंभ किया था. अलीपुर सेंट्रल जेल, मेदिनीपुर सेंट्रल जेल में वर्षो तक आंदोलन के दौरान बंद थे. तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1972 में अतुल बाबू को ताम्रपत्र से सम्मानित किया था. उन्होंने घाटशिला राजस्टेट में अपने परिवार के साथ अंतिम जीवन व्यतीत किए. क्षेत्र में समाज सेवक का रूप में जाने जाते थे. उन्होंने क्षेत्र में कई सामाजिक संगठनों के साथ लोगों को जोड़ा था.

स्कूल में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

आदित्यपुर । विश्व आदिवासी दिवस पर आदित्यपुर स्थित श्रीराम इंग्लिश हाई स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पारंपरिक और आदिवासी संस्कृति से संबंधित गीत, नृत्य और कविताओं का वाचन कर लोगों का मन मोहा. मुख्य अतिथि के रूप में राजद नेता अर्जुन यादव, पूर्व उपाध्यक्ष पुरेन्द्र नारायण सिंह, देव प्रकाश देवता, विक्रम किस्कू, एसडी प्रसाद, गाजू साव, सकला मार्डी, भादो मुर्मू, सरस्वती मार्डी, पूजा सांडिल, शिक्षक वीर सिंह कुंकल के अलावा विद्यालय के सचिव सुरेश प्रसाद सिंह, प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिंह, सह प्रधानाचार्य संजीव सिंह आदि मौजूद थे.

विद्या मंदिर में नए आईटी लैब का उद्घाटन

घाटशिला । संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में शुक्रवार को नई आईटी लैब का उद्घाटन विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस अवसर पर विद्यालय सह सचिव शिव कुमार देवड़ा और विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य दीपक बजाज ने फीता काटकर गुरुदेव तथा ताई जी के चरणों में पुष्प अर्पित कर विधिवत रूप से आईटी लैब का शुभारम्भ किया. विद्यालय सचिव सुलोचना देवी बागरिया एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य दीपक बजाज को विद्यालय प्रशासिका शोभा गनेरीवाल ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. सुलोचना देवी बागारिया ने कहा कि यह विद्यालय मंदिर है, जहां बच्चे अपना भविष्य तैयार करते हैं. यहां कोई तो ऐसी शक्ति है जो हमें सदा सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है.

घाटशिला में लगी हस्त निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी

घाटशिला । समृद्धि महिला संगठन की ओर से घाटशिला कॉलेज रोड स्थित विभूति मंच पर हस्त निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी शुक्रवार से लगाई गई. प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक रामदास सोरेन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. विधायक रामदास सोरेन ने कहा कि महिलाओं द्वारा हस्त निर्मित वस्तुओं की लगाई गई प्रदर्शनी में महिलाओं के लिए एक ही छत के नीचे सारी सामग्री की व्यवस्था की गई है. संस्था की सर्मिस्ठा नाग ने बताया कि कोविद-19 के समय जरूरमंद महिलाओं ने थोड़ी-थोड़ी पूंजी से अपना व्यवसाय शुरू किया तीन से चार वर्षों में महिलाओं ने साल में सात आठ प्रदर्शनी विभिन्न शहरों में लगाकर अच्छी आमदनी कर रही है. आमदनी का एक हिस्सा महिलाओं द्वारा गरीब बच्चों के बीच वितरण किया जाता है. यह प्रदर्शनी 11 अगस्त तक विभूति मंच पर रहेगा. इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भगत, काजल डॉन, काली पदो गोराई, अमित राय, रत्ना पात्र, अर्पिता सरकार सहित अन्य महिलाएं शामिल थीं.

संघर्ष मोर्चा ने फुटपाथी दुकानदारों को बांटा छाता

आदित्यपुर । झारखंड जनाधिकार संघर्ष मोर्चा ने विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर धूप और बारिश में दुकान लगाने वाले फुटपाथी दुकानदारों को छाता बांटा. मोर्चा के नेता बाबू तांती ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के शुभ अवसर पर जरूरतमंद बूढ़े-बुजुर्ग महिला-पुरुष को छाता वितरण किया गया है. आदित्यपुर क्षेत्र की विभिन्न बस्तियों और बाजार में झारखंड जनाधिकार संघर्ष मोर्चा जरूरतमंदों को ऐसे मौकों पर मदद करती रही है. इस अभियान में मोर्चा के संरक्षक विशेष कुमार उर्फ बाबू तांती, केंद्रीय अध्यक्ष रमेश बलमुचू, हरिनंदन पाहन, भाकू प्रामाणिक, सूरज तांती, बंशीलाल बंकीरा, विजय साहु आदि शामिल थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● जमशेदपुर, शनिवार 10 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 6 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 123 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

विश्व आदिवासी दिवस पर बच्चों ने किया रैंप वॉक

जमशेदपुर । विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को किड्स इंटरनेशनल प्ले स्कूल के बच्चों ने नाटक की प्रस्तुति देकर तथा आदिवासी वेशभूषा में रैंप वॉक कर कार्यक्रम में मौजूद लोगों का दिल जीत लिया. इस दौरान बच्चों को बताया गया कि आदिवासी समाज, पर्यावरण संरक्षण जैसे विश्व के मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए काम करते हैं. यह समाज हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है.

60 मौजा के माझी बाबा को विधायक ने किया सम्मानित

घाटशिला । घाटशिला प्रखंड अन्तर्गत काड़ाडुबा पंचायत के केंदोपोसी गांव में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. दामपाड़ा 60 मौजा में युवकों द्वारा मोटरसाइकिल रैली निकाली गई. कार्यक्रम में दामपाड़ा क्षेत्र के उच्च विद्यालय के टॉपर छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर तथा 60 मौजा के माझी बाबा को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया.

सीएम ने प्रदेश के युवाओं को ठगा है : डॉ गोस्वामी

बहरागोड़ा । भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि हेमन्त सरकार ने राज्य के युवाओं को ठगा है. मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पांच लाख युवाओं को नौकरी देने तथा 5 हजार से 7 हजार रुपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने का युवाओं से वादा किया था. परंतु पांच वर्षों में नौकरी न देकर सरकार ने युवाओं को निराश किया है.

आदिवासी दिवस पर बाइक रैली को किया रवाना

जमशेदपुर । विश्व आदिवासी दिवस पर शुक्रवार को आदिवासी एकता मंच और विभिन्न ग्राम सभाओं के संयुक्त तत्वावधान में मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया. एनएच 33 स्थित श्रीघुटू से बाइक रैली प्रारंभ हुई. रैली को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. रैली में शामिल लोगों ने बालीगुमा और डिमना स्थित बाबा तिलका माझी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया.

आदिवासी दिवस पर वन विभाग ने पौधे लगाए

जमशेदपुर । वन विभाग जमशेदपुर प्रमंडल की ओर से विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में सामूहिक प्रयास से 25 हजार से अधिक पौधे रोपे गए. रेंज अफसर दिग्विजय सिंह ने बताया कि डीएफओ सबा आलम अंसारी के निर्देश पर पटमदा में 10 हजार, चाकुलिया 12 हजार, टेल्को खड़ंगाझाड़ व खखरीपाड़ा 3 हजार से अधिक पौधे रोपे गए.

विश्व आदिवासी दिवस पर टाउन हॉल में कार्यक्रम, लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र व परिसंपत्ति का वितरण

आदिवासी समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर होना है : बन्ना

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को सिदगोड़ा टाउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति व परंपरा की झलक देखने को मिली. इस दौरान आदिवासी परंपरा एवं संस्कृति को जीवंत करते कलाकारों की अद्भुत प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता मौजूद रहे. उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि के क्षेत्र में प्रगति के पथ पर अग्रसर होना है.

बन्ना गुप्ता ने कहा कि इन्हीं विकासशील कार्यों के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है. साथ ही आदिवासी संस्कृति को विश्व भर में और पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है. उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि अपनी संस्कृति को संजोए रखने, स्वाभिमान को जागृत और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए हमेशा एकत्रित होकर कार्य करें. उन्होंने आदिवासी संस्कृति, जीवन पद्धति तथा देश की स्वतंत्रता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों यथा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, चांद भैरव आदि को स्मरण कर सभी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील की.

कार्यक्रम में लाभुक को सांकेतिक चेक सौंपते स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता व प्रशासनिक अधिकारी.

जमशेदपुर के टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति से जुड़ा नृत्य प्रस्तुत करते स्थानीय कलाकार.

30 लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण

कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम व अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया तथा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, वन पट्टा, सर्वजन पेंशन, स्वयं सहायता समूह को क्रेडिट लिंकेज आदि योजना के 30 लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र एवं परिसंपत्ति का वितरण किया गया.

आदिवासी संस्कृति सभी के लिए प्रेरणादायक : डीसी

उपायुक्त अन्नय मित्तल ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह विशेष दिवस प्रकृति के प्रति सच्चे प्रेम की याद दिलाता है. आदिवासी संस्कृति और परंपरा का अद्भुत समागम सभी के लिए प्रेरणादायक है. राज्य सरकार द्वारा आदिवासी भाई-बहनों को लक्षित कर योजनायें संचालित की जा रही हैं.

सभी के लिए गौरवान्वित होने का अवसर: एसएसपी

वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने कहा कि समाज जागरूक तभी कहलाता है जब आम जनता अपने अधिकार को समझती है तथा उसे पाती है. यह दिवस हम सभी के लिए गौरवान्वित होने का अवसर है, जहां हम अपने राज्य के समृद्ध आदिवासी परंपरा एवं संस्कृति को सेलिब्रेट कर रहे हैं.

कार्यक्रम में विभिन्न आवासीय विद्यालय के बच्चे, अभिभावक, विभिन्न योजनाओं के लाभुक शामिल हुए. मौके पर आईटीडीए के निदेशक दीपांकर चौधरी, मानगो नगर निगम के एएमसी रंजीत लोहरा, जिला कल्याण पदाधिकारी राजेन्द्र गुप्ता व अन्य मौजूद रहे. विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति से जुड़े खानपान के स्टॉल भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे. कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, संताली नृत्य, छऊ नृत्य, बाहा नृत्य पर स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी जिससे दर्शकों की खूब सराहना मिली.

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले का विरोध

कदमा में भाजपा ने फूंका कट्टरपंथियों का पुतला

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

बांग्लादेश में अंतरिम सैन्य सरकार की स्थापना के बाद हो रही हिंसा में हिंदुओं की हत्या, लूटपाट तथा महिलाओं के साथ ज्यादती की घटना को लेकर शहर के भाजपा कार्यकर्ताओं में उबाल है. शुक्रवार को बांग्लादेश की घटना पर भाजपा कदमा मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह के नेतृत्व में बांग्लादेशी कट्टरपंथियों का पुतला फूंककर आक्रोश व्यक्त किया गया. कार्यक्रम में भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा भी शामिल हुए. भाजपा कार्यकर्ता कदमा रांकिणी माता मंदिर से कदमा बाजार तक पैदल मार्च करते हुए बांग्लादेश और कट्टरपंथियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की.

वहीं, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि बांग्लादेश में लगातार कई वर्षों से हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। जब बांग्लादेश आजाद हुआ था, उस समय वहां हिंदुओं की आबादी कुल 25% हुआ करती थी. हिंदू विरोधी गतिविधि के चलते आज वह 6-7 प्रतिशत रह गई है. पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश में भी हिंदुओं को निशाना बनाने का क्रम बढ़ता जा रहा है. उन्होंने कहा कि हिंदू उत्पीड़न जैसे महिलाओं के साथ बलात्कार, हिंदुओं की निर्मम हत्याएं एवं हिंदू संस्कृतियो पर हो रहे हमले से भारत में रहने वाले 100 करोड़ हिंदुओं की आस्था पर ठेस पहुंची है. जिसको लेकर आज बांग्लादेशी कट्टरपंथ का पुतला दहन किया गया है. उन्होंने कहा कि हमें भारतीय सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है कि वो वहां रह रहे हिंदुओं की रक्षा करेंगे.

दूसरी ओर इसी मामले को लेकर शहर के हिंदुवादी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मृत्युंजय कुमार के नेतृत्व में मेदिनीपुर के पूर्व सांसद भाजपा नेता दिलीप घोष से उनके आवास पर मुलाकात की. इस दौरान बांग्लादेश में हो रही घटनाओं पर नाराजगी जतायी. पूर्व सांसद दिलीप घोष ने इस मामले में केंद्र सरकार को सारी बस्तूस्थिति से अवगत कराने की बात कही.

इस्पात एक्सप्रेस की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

चक्रधरपुर । हावड़ा-मुंबई मुख्य रेल मार्ग के चक्रधरपुर रेल मंडल के मनोहरपुर व घाघरा स्टेशन के बीच इस्पात एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई. युवक की पहचान आनंदपुर के मुंडा टोला निवासी 28 वर्षीय राजन सोय के रूप में हुई. बताया जाता है कि युवक राजन सोय रेलवे पोल संख्या 369 / 3 के पास जब बाइक पर सवार होकर रेल लाइन को पार कर रहा था,तभी तेज रफ्तार से आ रहे हावड़ा - टिटलागढ़ अप इस्पात एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में वह आ गया. जिससे उसकी मौत हो गई. घटना के बाद आरपीएफ व स्थानीय थाना पुलिस कार्रवाई में जुट गई. घटना से आनंदपुर मुंडा टोला में शोक है .

दुकान से नकदी समेत 2 लाख की चोरी

जमशेदपुर । गोविंदपुर थाना क्षेत्र के भोला बागान निवासी राम कुमार राय की किराना दुकान से चोरों ने गुरुवार की रात नकदी समेत दो लाख रुपये के सामान की चोरी कर ली. शुक्रवार की सुबह घटना की जानकारी राम कुमार राय को होने के बाद उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी. उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह जब वे दुकान खोलने पहुंचे तो शटर कटा हुआ था. भीतर जाने पर देखा कि दुकान के सभी सामान बिखरे हुए हैं. इसके बाद घटना की जानकारी गोविंदपुर पुलिस को दी. घटना के बाद राम कुमार राय ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा. उसमें एक युवक दुकान का शटर काटते हुए साफ देखा जा रहा है.

बेटी की तलाश मे बेलपहाड़ी से घाटशिला पहुंची मां

घाटशिला । पश्चिम बंगाल के बेलपहाड़ी थाना अंतर्गत बीरमादोल गांव निवासी दोलाराम सिंह और दामिनी सिंह की पुत्री ललिता सिंह (19) पिछले कुछ दिन से लापता है. बेटी की तलाश मे मां दामिनी सिंह दर-दर भटक रही हैं. भूखे प्यासे हर गांव-गली खोजबीन की लेकिन कहीं कोई पता नहीं चला. शुक्रवार को थक हारकर जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू के आवास चेंगजोडा गांव पहुंची. उन्होंने जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू से बेटी की सकुशल वापसी के लिए मदद की गुहार लगायी. उन्होंने बताई की बेटी विक्षिप्त है. बेटा भी विक्षिप्त है. पति भी असहाय और लाचार है. जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल हो रही एक लापता लड़की की तस्वीर दिखायी जिसे दामिनी सिंह ने अपनी पुत्री के रूप में पहचान की. इस लड़की को अंतिम बार काशीदा पंचायत के बनबेड़ा गांव के आस-पास देखे जाने की बात की जा रही है. जिला परिषद सदस्य ने स्थानीय थाना को सूचित करते हुए अपने स्तर से बेटी की सकुशल खोज करने मे हरसंभव मदद का भरोसा दिया.

जिला परिषद सदस्य से बात करती दामिनी सिंह.

मेगा थैलेसीमिया जागरुकता कार्यक्रम डीसी आज करेंगे शुरू

जमशेदपुर । थैलेसीमिया सोसायटी ऑफ जमशेदपुर की ओर से थैलेसीमिया के प्रचार-प्रचार एवं जागरूकता को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को केरला पब्लिक स्कूल कदमा में किया जाएगा. उपायुक्त अनन्य मित्तल मेगा थैलेसीमिया जागरुकता कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे. कार्यक्रम में शहर के सभी निजी और सरकारी स्कूलों के प्राचार्य, कॉरपोरेट घराने, स्कूल के प्रतिनिधि, चैंबर, एसिया, रोटरी, लायंस के प्रतिनिधि, चिकित्सक आदि शामिल होंगे. सोसायटी के रजनीश कुमार ने बताया कि थैलेसीमिया बहुत तेजी से और व्यापक रूप से फैल रहा है. इसके लिए लोगों को जागरूक करना अति आवश्यक है. यह एक रक्त विकार है जो परिवारों (वंशानुगत) से गुजरता है, जिसमें शरीर असामान्य रूप या अपर्याप्त मात्रा में हीमोग्लोबिन बनाता है. हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में प्रोटीन है जो ऑक्सीजन ले जाता है. विकार के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लाल रक्त कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं, जिससे एनीमिया होता है. उपायुक्त थैलेसीमिया सोसायटी के सदस्यों और स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज, समाज कल्याण, जनसंपर्क, विवाह ब्यूरो के जिला अधिकारियों की एक जिला कोर टीम का गठन करेंगे.

सलमान खुर्शीद के खिलाफ साकची थाना में शिकायत

जमशेदपुर । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद व सज्जन कुमार के 'भारत में भी संभव है तख्ता पलट' से जुड़े बयान का भाजपा नेता अभय सिंह ने कड़ी निंदा की. इस बयान को देश विरोधी बताते हुए उन्होंने दोनों नेताओं के खिलाफ साकची थाना में शिकायत दर्ज करायी है. शिकायत में भाजपा नेता ने कहा कि विगत एक सप्ताह से बांग्लादेश में हुए तख्ता पलट के बाद भारी हिंसा हुई. कांग्रेस नेता पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने इस संदर्भ में कहा कि जिस प्रकार बांग्लादेश में तख्ता पलट जैसी घटना हुई है, उसी प्रकार यह भारत में भी होगा. इसी तरह की टिप्पणी कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा ने भी की. अभय सिंह ने बताया कि ये दोनों कांग्रेस के बड़े नेता हैं. भड़काऊ और अमर्यादित भाषण देकर ये लोग भारत में हिंदुओ के विरुद्ध दंगा भड़काना चाहते हैं. उन्होंने थाना प्रभारी से इन दोनों नेताओं पर अशांति, दंगा, हिंदू विरोधी हिंसा फैलाने तथा साथ ही राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की.

मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में भाग लेने चार एथलीट रवाना

जमशेदपुर । 25वीं वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन स्वीडन के ग्रोथनबर्ग शहर में 13 से 25 अगस्त 2024 तक आयोजित होने जा रहा है. जिसमें लगभग 111 देश के 8000 एथलीट हिस्सा लेंगे. इस प्रतियोगिता में मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन ऑफ झारखंड की ओर से जमशेदपुर के चार मास्टर एथलीटों का चयन किया गया, जो भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे. जिसमें एक पुरुष और तीन महिला एथलीट शामिल हैं. 50 प्लस आयु वर्ग में एसके तोमर हैमर थ्रो और डिस्कस थ्रो में भाग लेंगे. वहीं 60 प्लस महिला आयु वर्ग में कविता कुमारी जैवलिन थ्रो में, 55 प्लस आयु वर्ग में चरणजीत कौर जैवलिन थ्रो में और 45 प्लस आयु वर्ग में नीतू कुमारी 5000 मीटर की दौड़ में भाग लेंगी. शुक्रवार को चार सदस्यीय टीम ने स्वीडन के लिए प्रस्थान किया. सभी एथलीट ट्रेन से दिल्ली पहुंचेंगे. जहां से सभी हवाई जहाज से स्वीडन जाएंगे. मौके पर मुख्य अतिथि भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड झारखंड के क्षेत्रीय प्रबंधक (फील्ड एंड सेल्स) घनश्याम मूलवानी, विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड झारखंड के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सैकत डे एवं नीतीश कुमार व अन्य उपस्थित थे.

जेएमए स्टोर्स ने लॉर्ड्स इंफ्रा कंस्ट्रक्शन को सौंपे 10 वाहन

आदित्यपुर । टाटा मोटर्स से अधिकृत एजेंसी जेएमए स्टोर्स ने शुक्रवार को लॉर्ड्स इंफ्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को 10 वाहनों की डिलीवरी दी है. कंपनी को अत्याधुनिक मॉडल के वाहन सिग्मा 4830 टीके एचडी और दूसरा मॉडल सिग्मा टीके 3530 एचडी के 10 वाहन सौंपे हैं. लॉर्ड्स इंफ्रा के निदेशक महेंद्र गोप और जीएम किशोर कुमार को जेएमए स्टोर्स के जीएम संजीव श्रीवास्तव ने वाहनों की चाबी सौंपी है. मौके पर कंपनी के सेल्स मैनेजर फिरोज राजा, यार्ड इंचार्ज जय शंकर, कैलाश और रमन कुमार मौजूद थे.

परेशानी चांडिल के बड़ामटांड फुटबॉल मैदान में गरजे जेएलकेएम सुप्रीमो

सरकार में आए तो पहले किसानों की जमीन करेंगे सुरक्षित : जयराम

- स्थानीय, नियोजन व उद्योग नीति के बिना विकास नहीं
- सीएनटी व एसपीटी को कड़ाई से लागू किया जाएगा

संवाददाता । चांडिल

बिना स्थानीय नीति के झारखंड सुरक्षित नहीं रह सकता है. स्थानीय नीति के आधार पर एक कुशल नियोजन नीति, और उद्योग नीति के साथ कृषि नीति बनाना चाहिए. झारखंड धीरे-धीरे औद्योगिक क्षेत्र में तब्दील हो रहा है, इसलिए यहां बेहतर उद्योग नीति बनाने की जरूरत है. इसके साथ ही विस्थापन नीति और पुनर्वास आयोग का गठन किया जाए. रोजगार के अभाव में पलायन करने वाले युवा और झारखंड को विकसित करने को लेकर विकल्प तैयार कर युवाओं को रोजगार से कैसे जोड़ा जाए, इस पर विचार करने की जरूरत है. उक्त बातें झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो टाइगर जयराम महतो ने कहीं. वे शुक्रवार को चांडिल प्रखंड के बड़ामटांड फुटबॉल मैदान में पत्रकारों से बात कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि वे सरकार में आए तो पहले किसानों की जमीन सुरक्षित करेंगे. अपनी कथनी और करनी में अंतर होने के कारण ही राज्य की हेमंत सोरेन सरकार स्वयं को कटघरे में खड़ा कर रही है. चुनाव के समय उन्होंने वादा किया था कि स्थानीय नीति बनाएंगे, जीएम लैंड पर रसीद काटने की बात कही थी. 25 करोड़ तक का ठेका स्थानीय लोगों को देने की बात कही थी. विस्थापन आयोग बनाने का वादा किया था. उन्होंने एक भी वादा पूरा नहीं किया. जयराम महतो ने कहा कि विस्थापितों की समस्या सरकार के एक कलम से होगी. लेकिन सरकार तो पूंजीपतियों का रखवाला और पालनहार बनकर काम कर रही है. उन्होंने कहा कि अगर राज्य में उनकी सरकार बनी तो सबसे पहले किसानों की जमीन सुरक्षित किया जाएगा. जमीन ही हमारी अस्मिता है, जिसपर दूसरे राज्यों के लोगों को कब्जा होता जा रहा है.

चांडिल में जनसभा को संबोधित करते जयराम महतो.

तबीयत बिगड़ने के बाद रांची गए जयराम

महासभा के दौरान जयराम महतो की तबीयत बिगड़ने लगी. उन्होंने दो दांत उखड़वाए हैं और खांसने पर उनकी पसलियों में दर्द हो रहा था. तबीयत बिगड़ने के कारण कोल्हान के दो कार्यक्रम को स्थगित करते हुए वे इलाज के लिए रांची रवाना हो गए. उन्होंने कहा कि उनकी तबीयत पहले से ही खराब थी. गुरुवार को शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस था, इसलिए वे श्रद्धा सुमन अर्पित करने जमशेदपुर पहुंचे थे.

हर घर में निर्मल दा की जरूरत

बड़ामटांड फुटबॉल मैदान में आयोजित ईचागढ़ विधानसभा स्तरीय बदलाव संकल्प महासभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए जय राम महतो कहा कि झारखंड की जमीन, रोजगार, युवाओं के भविष्य समेत हर मामले में दूसरे राज्यों के लोगों का अवैध कब्जा होता जा रहा है. लोगों को सबसे पहले अपनी अस्मिता की रक्षा करनी चाहिए और वो अस्मिता जमीन के रूप में है. सीएनटी-एसपीटी एक्ट रहने के बावजूद राज्य की जमीन लूटी जा रही है और सरकार मूकदर्शक बनकर बैठी है. राज्य में बांग्लादेशियों का कब्जा भी बदस्तूर जारी है. उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के नाम पर किसानों की जमीन ली जा रही है और बदले में दूसरे राज्य के लोगों को नौकरी देकर जमीनदाता किसानों से मजदूरी कराई जा रही है. ऐसे विकट समय में अब हर घर में शहीद निर्मल महतो की जरूरत है. टाटा कंपनी ने जितनी जमीन ली उसके आधे में भी कंपनी नहीं बनाई. बाकी जमीन में दूसरे राज्यों के लोगों को बसाने का काम कर रही है. ऐसा नहीं होने दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य झारखंडियों के विकास के लिए बना था. किसी एक परिवार के विकास के लिए नहीं. केंद्र की तरह राज्य की सरकार भी पूंजीपतियों के इशारे पर काम कर रही है, जो राज्य हित में नहीं है. महासभा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए.

आदिवासियों को अत्याचार से बचाएंगे : चंपाई सोरेन

बहरागोड़ा में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का स्वागत करते आयोजक.

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड स्थित नेताजी शिशु उद्यान के समीप सैरात भूमि पर शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन शामिल हुए. उनका जोरदार स्वागत आदिवासी परंपरा के अनुसार किया गया.

चंपाई सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा, सिदो मुर्मू , कान्हू मुर्मू, तिलका मांझी, डॉक्टर भीमराव आंबेडकर, जयपाल सिंह मुंडा, पंडित रघुनाथ मुर्मू के फोटो पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड में लागू सीएनटी, एसपीटी एक्ट एवं वन अधिनियम आदिवासी मूलवासी मुख्य कवच है. इसे बचा कर रखना चाहिए और इसके साथ-साथ संस्कृति की भी रक्षा करनी चाहिए. आदिवासियों को अत्याचार से बचाएंगे. हमारे पूर्वज हमें जमीन खेत बना कर दिये हैं. फिर भी हमारे खेत क्यों लूटे जा रहे हैं.

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि विधायक समीर महंती ने कहा कि आज जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए हमें एकजुट होने की जरूरत है. मौके पर प्रोफेसर श्याम मुर्मू, कृष्ण मुंडा, असित मिश्रा, शीलू मांडी, विधान मांडी, रविचंद्र मांडी, सीताराम टुडू, पानसोरी हंसदा, सौमित्र ओझा एवं हजारों की संख्या में आदिवासी व मूलवासी उपस्थित थे.

टाउन हॉल भवन में जिला स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस पर समारोह का आयोजन, डीसी-एसपी ने किया शुभारंभ

13 लोगों को व्यक्तिगत व छह समुदायों को मिली वन पट्टे की सौगात

संवाददाता । रामगढ़

विश्व आदिवासी दिवस रामगढ़ जिले में बेहद अनोखे तरीके से मनाया गया. जिला प्रशासन ने इस मौके पर आदिवासियों को सौगात दी है. यहां 13 लोगों को व्यक्तिगत और 6 समुदायों को वन पट्टा दिया गया है. टाउन हॉल भवन में जिला स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार सहित अन्य अतिथियों को पौधा व अंग वस्त्र देकर कार्यक्रम में उनका स्वागत किया गया. जिसके उपरांत उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से समारोह का शुभारंभ किया गया.

टाउन हॉल भवन में जिला स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस समारोह का शुभारंभ करते उपायुक्त, एसपी व अन्य.

आदिवासी समाज को मिली सौगात : जिला स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस समारोह के दौरान उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अतिथियों, अधिकारियों के द्वारा आदिवासी समूह के कुल 13 लोगों को व्यक्तिगत एवं 6 समूहों को (93 डिसमिल) सामुदायिक वन पट्टा प्रदान किया गया. जिला स्तरीय समारोह के दौरान राधा गोविंद स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत, नृत्य सहित अन्य प्रस्तुतियां दी गई. वहीं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आदिवासी समूह के लोगों को जागरूक करने को लेकर प्रस्तुति दी गई. जिला स्तरीय समारोह के दौरान जिला परिषद सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, नजारत उपसमाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे.

आदिवासियों का रहा है गौरवशाली इतिहास : डीसी

उपायुक्त ने कहा कि हम सभी के पूर्वज किसी न किसी समय में आदिवासी समूह का हिस्सा रहे हैं. उपायुक्त ने झारखंड राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे आदिवासी समूह एवं उनके गौरवशाली इतिहास एवं परंपराओं के प्रति सभी को जानकारी देते हुए आदिवासी समाज के प्रकृति के प्रति लगाव पर सभी का ध्यान आकृष्ट किया. उपायुक्त ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों के प्रति जानकारी देने के क्रम में वर्तमान में आदिवासी समूह के लोगों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी. वहीं उन्होंने आदिवासी समूह के हकों की रक्षा के उद्देश्य से लागू विभिन्न कानूनों, नियमों, एफआरए, वन अधिकार पट्टा आदि की जानकारी दी. कहा कि सरकार द्वारा आदिवासी समूह के कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है. लेकिन प्रत्येक योग्य व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचे इसमें हम सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत है.

पूरे विश्व के आदिवासी एक हैं : उप विकास आयुक्त

उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम आदिवासी समूह के लोगों के लिए खास दिन है. कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि विश्व के सभी आदिवासी एक हैं, इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन से हम आदिवासी संस्कृति, रहन-सहन, जीवन शैली, जीवन पद्धति और प्रकृति से जुड़ते है.

विश्व आदिवासी दिवस पर माकपा नेता बोले

जहां-जहां आदिवासी हैं, वहां वहां जंगल आज भी सुरक्षित

संवाददाता । हजारीबाग

विश्व आदिवासी दिवस पर शुक्रवार को मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी (सीपीएम) ने अपने कार्यालय में गोष्ठी की. इसकी अध्यक्षता इश्वर महतो और संचालन तपेस्वर राम ने किया. इस अवसर पर सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने कहा कि जहां-जहां आदिवासी हैं, वहां-वहां जंगल आज भी सुरक्षित है और ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने के लिए जंगल का होना अति आवश्यक है. विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समुदायों में जागरूकता फैलाने और उनके अधिकारों के संरक्षण को प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है. संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में इसकी घोषणा की गई थी, जो कि वैश्विक स्तर पर आदिवासी जनसंख्या, उनके

मानवाधिकारों, भाषा, संस्कृति की रक्षा करना और इनके चौमुखी विकास के कार्यक्रम को सख्ती से लागू करने के लिए मनाया जाता है. यह दिवस विश्व के लगभग 90 देशों में मनाया जाता है. वर्ष 2021 में मनाए गए विश्व आदिवासी दिवस के समय संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2022 से वर्ष 2032 तक के दशक को 'आदिवासी दशक' के तौर पर मनाए जाने की घोषणा की है. इसके पीछे यूएन का उद्देश्य है कि आदिवासी भाषाओं के संरक्षण के लिए क्या-क्या प्रयास किए जा सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

विष्णुगढ़ थाना प्रभारी लाइन हाजिर किये गए

विष्णुगढ़। थानेदार पर आखिरकार गाज गिर ही गयी. अपनी करतूतों की वजह से चर्चा में रहे विष्णुगढ़ थाने के थानेदार इंस्पेक्टर राम नारायण सिंह को गुरुवार को लाइन हाजिर कर दिया गया. इनकी जगह किसी की पोस्टिंग नहीं कि गयी है. इस वजह से यहां चर्चा परवान पर है कि एकबार फिर से कहीं इनकी पुनः वापसी तो नहीं होगी. मालूम हो कि लोकसभा चुनावों के पहले भी इन्हें लाइन क्लोज किया गया था. तब भी इनकी जगह किसी थानेदार को पदस्थापित नहीं किया गया था और विष्णुगढ़ के थानेदार की कुर्सी इन्हें दुबारा सौंप दी गयी थी. थाने के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था. हालांकि दो साल से ज्यादा के इनके रिकॉर्ड कार्यकाल में अपराधों की सुनामी आ गई थी.

स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों का सम्मान

हजारीबाग। शहर के स्थानीय नवाबगंज स्थित आर्य कन्या गुरुकुल में स्वतंत्रता सेनानी परिवार सम्मान समारोह का आयोजन स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच एवं लायंस क्लब के संयुक्त तत्वाधान में किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंच के प्रदेश अध्यक्ष बटेश्वर मेहता ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महती भूमिका निभाने वालों के वंशजों को हमेशा सम्मान देना है. वहीं मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बलिदानियों के वंशजों को सम्मान मिलना ही चाहिए. राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े अमर सेनानियों के परिवारों को सम्मानित किया जाना अति गौरवपूर्ण प्रतीत होता है.

यहां भी लड़का-लड़की में भेदभाव, क्रमशः 2000 व 1500 वसूल रहे

सदर अस्पताल के लेबर वार्ड में चल रहा है वसूली का खेल

- कांग्रेस नेता ने कहा-स्वास्थ्य मंत्री और उपयुक्त को लिखा है पत्र

संवाददाता । हजारीबाग

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज सदर अस्पताल इन दिनों सुर्खियों में है. यहां डिलीवरी के एवज में खुलेआम जबरन पैसा वसूला जा रहा है. इसमें भी अस्पताल कर्मचारी लड़का और लड़की के बीच भेदभाव कर रहे हैं. लड़का होने पर 2000 रुपये, जबकि लड़की होने पर 1500 रुपये वसूल रहे हैं. जिसको लेकर लोग काफी परेशान हैं. भुक्तभोगी की शिकायत पर एक कांग्रेस नेता ने अस्पताल पहुंचकर मामले का संज्ञान का लिया और उपायुक्त और स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को पत्र लिखकर और सोशल साइट एक्स के माध्यम से मामले की जानकारी दी.

इस संबंध में कांग्रेस नेता सुरजीत नाग वाला ने बताया कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के लेबर वार्ड में लगातार मरीज से डिलीवरी कराने के नाम पर वहां के कर्मियों द्वारा पैसे की वसूली की जाती है. इस बारे में कई बार शिकायत मिली. शुक्रवार को सुबह लगभग 3:00 बजे हम सभी अपने ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता की पत्नी की डिलीवरी कराने के लिए वहां पहुंचे. मिली शिकायत के अनुसार जानकारी हासिल करने लगे तो बताया गया कि सभी मरीज कुछ न कुछ पैसा कर्मचारियों को दिए हैं.

जितने भी मरीज वहां एडमिट थे उन लोगों से वहां के कर्मियों द्वारा लड़का होने पर 1800 से 2000 रुपये और लड़की होने पर 1000 से 1500 रुपये की वसूली की गई थी. इसकी सूचना तत्काल अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ विनोद कुमार सिंह को फोन पर दी है. विदित हो कि लेबर वार्ड की इंचार्ज सुनीता टोप्पो, जो पिछले कई वर्षों से लेबर वार्ड में ही पदस्थापित है, सभी लोगों की ड्यूटी तो बदलती रहती है, लेकिन सुनीता टोप्पो की ड्यूटी लगातार लेबर वार्ड में ही बनी रहती है, जिससे स्पष्ट होता है कि अस्पताल प्रशासन की मिलीभगत से वसूली की जा रही है. आउटसोर्सिंग कंपनी राइडर को सामने रखकर इस पूरे खेल को अंजाम दिया जा रहा है. पूर्व में भी कई बार इस तरह के मामले की लिखित सूचना अस्पताल अधीक्षक को दे चुका हूं, लेकिन आज तक सुनीता टोप्पो पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है.

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज सदर अस्पताल में भुक्तभोगी महिला और जानकारी लेते कांग्रेस नेता सुरजीत नाग वाला.

सरकार के प्रयास पर पानी फेर रहे स्वास्थ्य कर्मी

झारखंड सरकार जहां एक और गरीबों के इलाज के लिए कृत संकल्पित है, वहीं दूसरी ओर हजारीबाग शेख मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लेबर वार्ड के कर्मियों द्वारा इस तरह का कारनामा किया जा रहा है, जो कहीं न कहीं लोगों को दिग्भ्रमित और झारखंड सरकार को बदनाम कर रहा है. सूबे के स्वास्थ्य मंत्री बना गुप्ता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लगातार झारखंड के गरीबों के लिए तरह-तरह की योजनाएं ला रहे हैं, ताकि उनका इलाज और भी बेहतर तरीके से हो सके. लेकिन बावजूद शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कुछ कर्मी अपने इन व्यवहारों से झारखंड सरकार की योजनाओं पर पानी फेरने में लगे हुए हैं. इस पूरे मामले की जानकारी कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के स्टेट कोऑर्डिनेटर सुजीत नाग वाला ने पत्र के माध्यम से उपायुक्त और स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को देकर कार्रवाई करने का आग्रह किया है.

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में डीसी हुईं शामिल, कहा

पूरे देश को आदिवासियत पर गर्व

संवाददाता । हजारीबाग

हर वर्ष 9 अगस्त को हम पूरे उत्साह से विश्व आदिवासी दिवस मनाते हैं. 1994 से यह प्रथा चली आ रही है. आज का दिन केवल आदिवासी अधिकारों की ही नहीं, बल्कि आदिवासियों द्वारा राज्य तथा देश के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को रेखांकित कर गर्व महसूस करने का भी दिन है. उक्त बातें शुक्रवार को अगस्त को उपायुक्त नैंसी सहाय ने स्थानीय सरहुल मैदान सह सरना स्थल में आदिवासी केंद्रीय सरना समिति एवं जिला कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित आदिवासी समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने कहा कि जहां तक आदिवासी समुदाय के अधिकारों की बात है अभी भी कई कार्य किए जाने हैं. आदिवासी संस्कृति, सभ्यता और अस्मिता की रक्षा के लिए केंद्र व राज्य सरकार ने कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की है. आज समृद्ध आदिवासी जीवन दर्शन संपूर्ण विश्व को आकर्षित कर रहा है. आदिवासी संस्कृति में बलिदान, कौशल और देश प्रेम कूट कूट कर भरा है, झारखंड राज्य सहित पूरे देश को आदिवासियत पर गर्व है. उपायुक्त में आगे कहा कि आदिवासी विद्यार्थियों के पढ़ने व रहने के लिए जिला में 300-300 बेड के दो छात्रावास निर्माण के लिए चिन्हित कर स्वीकृत किए गए हैं.

विश्व आदि दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते छात्र-छात्राएं.

लाभुकों को मिला विभिन्न योजनाओं का स्वीकृति पत्र

अनुसूचित जनजाति को मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत 16 आदिवासी लाभुकों को उपायुक्त द्वारा लाभान्वित किया गया, जिसमें दो लाभुकों को छड़ सीमेंट दुकान के लिए 10 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है एवं शेष 15 लाभुकों को वाहन ऋण लगभग 2 करोड रुपये की स्वीकृति दी गई है. वहीं वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत चौपारण अंचल के 15 सामुदायिक वन पट्टा की स्वीकृति दी गई, जिसमें कुल 1491.66 एकड़ वन भूमि सन्निहित है.

मंत्री सत्यानंद भोगता ने 77 वन पट्टा का वितरण किया

संवाददाता । चतरा

आज विश्व आदिवासी दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. मुख्य अतिथि चतरा के राजद विधायक सह झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सत्यानंद भोगता शामिल हुए. मंत्री ने 77 वन पट्टे वितरित किया.

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री भोगता ने कहा कि आदिवासी समुदाय प्रकृति का सच्चा सेवक और जल, जंगल और जमीन का संरक्षक है. उन्होंने कहा कि यह दिन आदिवासी समुदायों की संस्कृति, अधिकार और सम्मान को बढ़ाने के लिए समर्पित है. इसका उद्देश्य जनजातीय लोगों की विविधता और उनके सांस्कृतिक योगदान को पहचानना है. साथ ही उनके मानवाधिकारों की रक्षा करना और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है.

लाभुक को वन पट्टा देते श्रम मंत्री सत्यानंद भोगता व अन्य.

समाजसेवी किशोरी राणा के सहयोग से गांव लाया गया मजदूर का शव

संवाददाता । हजारीबाग

किशोरी राणा मजदूरों के मसीहा बनकर लगातार काम कर रहे हैं. रोजगार दिलाने की बात हो, या कभी कोई घटना-दुर्घटना होने पर पीड़ितों को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाना हो, या किसी की मौत होने पर उसके शव को उनके स्वजनों तक पहुंचाना हो, किशोरी राणा खूब सहयोग कर रहे हैं. बीते दिन गढ़वा जिले के ग्राम चिरका निवासी अजय नारायण सिंह (42) का मुंबई के कल्याण में रेल हादसे में मृत्यु हो गई थी. परिजन मृतक के शव अपने पैतृक स्थल पर लाना चाहते थे, लेकिन उनको समझ नहीं आ रहा था कि आखिर कैसे लाया जाए. इस बीच इसकी जानकारी समाजसेवी सह झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा को मिली तो वह मृतक के गांव पहुंच गए. उन्होंने देखा कि पूरे गांव में शोक है और परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है. नारायण सिंह परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था, जो अपनी वृद्ध मां, पत्नी तथा दो छोटे बच्चों का पालन पोषण कर रहा था. किशोरी राणा ने अपने सहयोगी खेमलाल महतो आदि के साथ नारायण के शव को एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से उनके स्वजनों तक पहुंचाया. राणा ने झारखंड श्रम एव नियोजन मंत्रालय में बात कर मजदूर के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की है.

समाजसेवी किशारी राणा मजदूरों के मसीहा बनकर काम कर रहे हैं.

महिला संघ ने बच्चों के बीच स्कूल बैग का किया वितरण

संवाददाता । हजारीबाग

पकरी, बरवाडीह एवं बादम कोयला खनन परियोजना की स्वयंसेवी संस्था जागृति महिला संघ ने सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय बनहप्पा में बच्चों के बीच स्कूली बैग का वितरण किया. स्कूल में सैकड़ों की संख्या में एचआईवी संक्रमित बच्चे पढ़ते हैं.

बैग मिलने के बाद बच्चों के चेहरे पर ख़ुशी दिखाई दी. विद्यालय प्रबंधन द्वारा इन बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ रहने खाने की व्यवस्था की गई है. आवासीय ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए जागृति महिला संघ ने विद्यालय प्रबंधन को राशन सामग्री भी मुहैया करवाई. इससे पहले भी महिला संघ की सदस्यों द्वारा कई मौकों पर बच्चों के लिए खाद्यान्न और घरेलू सामान दिया जाता रहा है. मौके पर जागृति महिला संघ की अध्यक्षा तजीन फैज़, उपाध्यक्ष मीनाक्षी श्रीवास्तव एवं संघ के अन्य वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहीं.

स्कूली बैग का वितरण करतीं जागृति महिला संघ की अध्यक्ष व अन्य.

भाजपा की बैठक में हर घर तिरंगा पर हुई चर्चा

हजारीबाग। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई के नव मनोनीत जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्षों की बैठक पैराडाइज रिसॉर्ट में हुई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने एवं संचालन जिला महामंत्री सुनील साहू ने किया. जिला मीडिया प्रभारी नंदकुमार नंदू के अनुसार, कार्यक्रम में नव मनोनीत जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों का जिला अध्यक्ष ने स्वागत किया.जिले में बीजेपी हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 11 से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसमें 11 से 14 अगस्त के बीच तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी. इसके अलावा 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक कार्यकर्ता शहर वासियों के साथ मिलकर प्रत्येक घर एवं व्यवसायिक केंद्रों पर तिरंगा फहराना सुनिश्चित करेगा. 12 से 14 अगस्त तक महापुरुषों की प्रतिमा एवं स्मारकों के आसपास स्वच्छता का कार्यक्रम महिला मोर्चा चलाएगा.

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने किया कई पंचायतों का दौरा

दौरे के दौरान आम लोगों की समस्याएं सुनते कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह.

संवाददाता । हजारीबाग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने शुक्रवार को जिले के कटकमसांडी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने उत्तरी पेलावल, कंचनपुर, लुपुंग, डांड, बरगड्डा और कंडसार पंचायतों में समस्याओं पर जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा की. दौरे में उनके साथ कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष नागरसिंह प्रजापति, लुपुंग पंचायत के मुखिया दिलीप पासवान, संजय सिंह, सुजीत सिंह, दिनेश यादव, सुरेन्द्र यादव, महेश प्रसाद, अनिल कुमार, बसंत पांडे, और बरगड्डा पंचायत अध्यक्ष मनोज माली भी उपस्थित रहे. कांग्रेस नेता ने पंचायतों में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता देने की बात कही. कहा कि कांग्रेस हमेशा से आमजन के हितों की लड़ाई लड़ती आई है और इस दौर में भी हम किसी भी अन्याय के खिलाफ खड़े रहेंगे.

कार्यक्रम आईसेक्ट विवि के कृषि विभाग के स्नातक विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित

शैलेश बने मिस्टर फेयरवेल व मिस फेयरवेल बनीं सृष्टि

संवाददाता । हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस सभागार में शुक्रवार को बीएससी एग्रीकल्चर के 2020-2024 बैच के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इसमें कुलपति डॉ पीके नायक ने कृषि विभाग की तारीफ करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के क्रांतिकारी बदलाव में यहां के विद्यार्थियों का भी महत्वपूर्ण योगदान हो, ऐसी अपेक्षा रखता हूं.

कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि यह भावुक क्षण है, लेकिन इस बात की खुशी है कि हमारे ये होनहार विद्यार्थी अपने सफल मार्ग की ओर बढ़ते हुए सफलता की मंजिल हासिल कर विश्वविद्यालय ही नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र, राज्य और देश का भी नाम भी रोशन करेंगे. उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और उन्नत तकनीक के कृषि कार्य आत्मनिर्भरता के साथ-साथ आर्थिक मजबूती के लिए अहम साबित होगा. डीन एडमिन डॉ एसआर रथ और डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा ने भी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेकर ऊंचा मुकाम हासिल करने की सलाह विद्यार्थियों को दी.

वहीं कृषि विभाग डीन डॉ अरविंद कुमार ने कहा कि इन चार वर्षों के दरम्यान विद्यार्थियों ने जो सीखा है, उसे अमल में लाकर सफल जीवन का आधार बनाएं, यही उम्मीद करूंगा. मौके पर कृषि विभाग के अलग-अलग सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसे मौजूद लोगों ने काफी सराहा. बेहतर प्रदर्शन की बुनियाद पर शैलेश कुमार शर्मा को मिस्टर फेयरवेल और सृष्टि संजुला को मिस फेयरवेल चुन गया. इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया.

बैलुन प्रतियोगिता के लिए अंशु पांडेय, कप प्रतियोगिता में कशिश कुमारी और कुर्सी डांस प्रतियोगिता में मनोज कुमार ने बाजी मारी. कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एसपी विश्वकर्मा, प्रभात किरण व फरहीन सिद्दीकी ने भी विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया. मंच संचालन रिया एक्का, पल्लवी सिंह और पूजा कुमारी ने संयुक्त रूप से किया.

विदाई समारोह के दौरान मिस्टर फेयरवेल शैलैस व मिस फेयरवेल सृष्टि.

इजराइल की तर्ज पर हो रही खेती का समेति निदेशक ने लिया जायजा

कृषि क्षेत्र में झारखंड की पहचान

संवाददाता । रामगढ़

झारखंड राज्य समेति निदेशक -सह-राज्य मिशन निदेशक विकास कुमार ने हजारीबाग जिले के डाडी प्रखंड में आत्मा द्वारा संचालित केंद्र व राज्य योजना का निरीक्षण किया. रबोध पंचायत में विनोद कुमार ने खेत पर पहुंच कर स्मार्ट फार्मिंग का निरीक्षण किया. यहां पर जियो फैंसीग, मृदा जांच यंत्र, वेदर फोरकास्ट और एटोमेटिक सिंचाई प्रणाली को अपना कर आधुनिक खेती की जा रही है. कृषक विनोद कुमार के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि वे हजारीबाग जिला के साथ-साथ राज्य के किसान के लिए एक मिसाल है. जरूरत है इस तकनीकी का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार हो ताकि अन्य किसान भी इसका लाभ ले सके. विनोद कुमार ने बताया कि समय-समय पर आत्मा के पदाधिकारी का दिशा निर्देश उनके लिए लाभदायक रहा है. निदेशक ने मुंगफली की आधुनिक खेती केसे करें, इसमें बेहतर प्रबंधन कर अधिक उपज को लेकर जानकारी किसानों को दी. उनके साथ समेति उपनिदेश अभिषेक तिर्की, आत्मा के परियोजना निदेशक विलसन आनंद कुजूर, उप परियोजना निर्देश रजनीश आनंद, बीटीएम धर्मेंद्र कुमार, एटीएम अनिल सिन्हा मौजूद थे.

स्मार्ट फार्मिंग का निरीक्षण करते निदेशक विकास कुमार व अन्य.

नोवामुंडी के पचाईसाई में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में सांसद ने की शिरकत, सरना धर्म कोड की मांग पर भरी हुंकार

धर्म-संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प लें : जोबा

- धर्म कोड अस्तित्व और पहचान का प्रतीक
- जस, जंगल व जमीन पर मंडरा रहा है खतरा

संवाददाता । चाईबासा

सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने विश्व आदिवासी दिवस पर सरना धर्म कोड की मांग दोहराते हुए कहा कि धर्म कोड हमारी अस्तित्व और पहचान का प्रतीक है. इसे हासिल करने के लिए अंतिम सांस तक आवाज उठाते रहेंगे. जोबा माझी बतौर मुख्य अतिथि शुक्रवार को नोवामुंडी में पचाईसाई मैदान में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रही थी. उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आदिवासियों के हक और अधिकार पर कटौती करने से आदिवासी चुप नहीं बैठेंगे.

आदिवासी एकता पर जोर देते हुए सांसद ने लोगों से कहा कि जल, जंगल और जमीन पर आज खतरा मंडरा रहा है. आज के ऐतिहासिक दिन हमें ये संकल्प लेने की आवश्यकता है कि अपने अधिकार और धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुट रहेंगे. इससे पूर्व सांसद ने बिरसा मुंडा, जय पाल सिंह मुंडा, पोटो हो आदि शहीदों की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. कार्यक्रम में पहुंचने पर सांसद का पारंपरिक नृत्य और जोरदार नारों के बीच स्वागत किया गया. इसके साथ आयोजन समिति की ओर से अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में विभिन्न आदिवासी शैली के नृत्य और गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया गया. कार्यक्रम में पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा, केंद्रीय विश्वविद्यालय गया के प्रो. डॉ अनुज लुगुन, उपेंद्र लागुरी, घनश्याम हेम्ब्रम, रीना बलमुचू, यशमती बलमुचू, गंगाधर चतोम्बा, अम्बिका दास, प्रशांत चाम्पिया, लक्ष्मी नारायण लागुरी, आसमान सुंडी, मधुसूदन हेस्सा समेत सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे.

नोवामुंडी में विश्व आदिवासी दिवस समारोह में मंच पर सांसद जोबा माझी व समाज के अन्य लोग.

सूर्या नर्सिंग कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मना विश्व आदिवासी दिवस

चक्रधरपुर की सूर्या नर्सिंग कॉलेज में विश्व आदिवासी दिवस पर नृत्य पेश करती छात्राएं.

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर के सूर्या नर्सिंग कॉलेज में शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. इस अवसर पर कॉलेज में छात्राएं झारखंड के आदिवासी पारंपरिक परिधानों में शामिल हुईं. कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने आदिवासी परंपरा, संस्कृति व सभ्यता को पेश किया. जहां समारोह के दौरान कॉलेज की छात्राओं ने हो, संथाली, कुड़माली, मुंडारी, उरांव समेत अन्य आदिवासी गीतों पर आदिवासी परिधानों में ढोल-मांदर की थाप पर नृत्य पेश किये, जिसे खूब सराहा गया.

मौके पर कॉलेज के प्रबंधक नरसिंह महतो ने आदिवासी दिवस की सभी को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस को पहली बार 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित किया गया था. जल, जंगल, सभ्यता व परंपरा आदिवासियों की पहचान है. इसे जीवित रखना हम सभी का कर्तव्य है. कॉलेज के निदेशक सह हेल्थ सोसाइटी के सचिव गौरी शंकर महतो ने भी सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दीं. मौके कॉलेज के प्रबंधक नरसिंह महतो, प्रचार्या मीनु मिनाक्षी तिर्की, शिक्षिका सुशांति मिंज, प्रियंजा महतो, किरण मुंडा, लॉरेन माइकल, किरण मुंडा, सलोनी मुखी , शीतल बखला, इग्निश टोप्पो, बबिता महतो, रीना महतो, सुपल सुरीन, लगौरा चंपिया, शिक्षिकाएं, शिक्षकेत्तर कर्मी व छात्राएं मौजूद थे.

बार एसोसिएशन चाईबासा में मना आदिवासी दिवस

चाईबासा । विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बार एसोसिएशन चाईबासा में शुक्रवार को कार्यकम का आयोजन किया गया गया. मौके पर स्टेट बार काउंसिल के सदस्य अधिवक्ता अनिल कुमार महतो ने कहा कि पूरे भारत वर्ष में 12 करोड़ आदिवासी निवास करते हैं. उनकी शिक्षा की हालत कमजोर है, आर्थिक कठिनाइयां झेलते हैं. जिनमें सुधार की आवश्यकता है. वरिष्ठ अधिवक्ता निरंजन प्रसाद ने कहा कि झारखंड के आदिवासियों के बीच शिक्षित लोगों को समाज के उत्थान में और अधिक बढ़ चढ़ कर आगे आने की जरूरत है. महासचिव फादर अगस्टिन कुल्लू ने कहा कि पूरे भारत के आदिवासियों के बीच एकता बनाने की जरूरत है.

आदिवासियों के दुश्मन कौन हैं यह सोचना होगा : पूनम

किरीबुरु । मेघाहातुबुरु के सामुदायिक भवन में 9 अगस्त को आदिवासी संयुक्त मंच किरीबुरु-मेघाहातुबुरु ने विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन किया. इसकी अध्यक्षता मंच के वीर सिंह मुंडा ने की. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नोवामुंडी प्रखंड प्रमुख पूनम गिलुवा थीं. उन्होंने कहा कि हमें यह देखना व सोचना है कि आदिवासियों के दुश्मन कौन हैं. आदिवासी संगठनों व समुदायों द्वारा अन्तरराष्ट्रीय आदिवासी संगठनों के नाम पर जहां-जहां बैनर व पोस्टर लगाये गये हैं, उन पोस्टरों में जो तस्वीरें दिख रही हैं उसे आदिवासी देखें एवं तय करें कि वह तस्वीर आदिवासियों की है या गैर आदिवासियों की. हम अब किसी के पैसे या अन्य प्रलोभन में गुमराह नहीं हो सकते हैं. आदिवासी समुदाय प्रकृति व पर्यावरण के मुख्य पोषक व शोधक हैं.

चांडिल : जाहेरथान में साल के पौधे लगाए

चांडिल । विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में नीमडीह प्रखंड के अखिल भारतीय आदिवासी भूमिज मुंडा कल्याण समिति के तत्वावधान में नीमडीह प्रखंड के नारगाटांड़ जाहेरथान के समक्ष साल व अन्य कई प्रकार के पौधे लगा कर विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. मौके पर जाहेरथान के समीप मारांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की आदमकद मूर्ति के समक्ष सभी आदिवासियों ने एक स्वर में आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन की आहुति देने वाले पूर्वजों के संघर्ष के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया. इस अवसर पर चुआड़ सेना के अध्यक्ष मानिक सिंह सरदार ने कहा कि आदिवासी दिवस संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित किया गया है. इस अवसर पर जयराम सिंह, सुधीर किस्कू, मानिक सिंह सरदार आदि मौजूद थे.

जगन्नाथपुर में आदिवासी दिवस समारोह आयोजित

किरीबुरू । मधु कोड़ा और गीता कोड़ा के भाजपा में जाने के बाद जगन्नाथपुर के विधायक सोना राम सिंकु ने विश्व आदिवासी दिवस समारोह में शामिल होकर व्यक्तिगत पहचान बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. सोनाराम सिंकु अपनी लोकप्रियता का अहसास कराने, अपनी पार्टी के देश और प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं को इस कार्यक्रम के माध्यम से अपनी ताकत का एहसास कराने में सफल रहे. सोनाराम ने इस कार्यक्रम के माध्यम से कोड़ा दंपती को भी यह बता दिया कि वह विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ेंगे. कोड़ा दंपती के कांग्रेस से अलग होने के बाद विधायक का अपना स्वतंत्र रूप से यह पहला सफल कार्यक्रम है.

आदिवासी दिवस जल-जंगल के संरक्षण का संदेश : डीसी

चाईबासा । विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय शहर चाईबासा स्थित प्रकृति व्याख्या केंद्र चाईबासा वन प्रमंडल के परिसर में पौधरोपण किया गया. पौधरोपण पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर सहित वन प्रमंडल पदाधिकारी-चाईबासा, वन प्रमंडल पदाधिकारी-सारंडा, वन प्रमंडल पदाधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया. पौधरोपण के बाद सभी पदाधिकारियों एवं स्कूली बच्चों की मौजूदगी में आदिवासी सभ्यता एवं संस्कृति आधारित चलचित्र का भी प्रदर्शन किया गया. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस जल-जंगल के संरक्षण का संदेश देता है. आज का यह दिन प्रकृति उपासना को समर्पित है.

विश्व आदिवासी दिवस पर निकाली गई शोभा यात्रा

चक्रधरपुर । विश्व आदिवासी दिवस शुक्रवार को चक्रधरपुर में धूमधाम के साथ मनाया गया. इस अवसर पर चक्रधरपुर की पोटका स्थित आदिवासी मित्र मंडल के समीप विभिन्न आदिवासी संगठनों से जुड़े लोग इकट्ठा हुये. यहां से सामूहिक रुप से शोभा यात्रा सह रैली निकाली गई. शोभा यात्रा में पारंपरिक परिधान में सभी महिला-पुरूष शामिल हुये. शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हुये. इसमें चक्रधरपुर के पूर्व विधायक शशिभूषण सामड, पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विजय मेलगांडी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष मालती गिलुवा, दमयंती नाग, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह सामड आदि शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

विश्व आदिवासी दिवस पर दिग्गिलोटा में पौधरोपण

सोनुवा । विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सोनुवा प्रखंड के कुंदरूगुटु वन प्रक्षेत्र की ओर से शुक्रवार को दिग्गिलोटा गांव में पौधरोपण किया गया. इन पौधों की सुरक्षा करने का भी सभी ने संकल्प लिया. विश्व आदिवासी दिवस समारोह के मौके पर मुख्य रूप से गांव के मुंडा कौशल महतो उपस्थित थे. इस दौरान फलदार व छायादार 120 पौधे लगाए गए. मौके पर प्रभारी वनपाल हेमंत नापित, वनरक्षी सोमनाथ मेलगांडी, गणेश टुडू, चिंतामणि जारिक, सुराई हस्दो, रामेश्वर पूर्ति, बैधनाथ कोडाह,सुरेश मुर्मू के अलावे स्थानीय महिला और पुरुष मौजूद थे.

विधायक दशरथ ने किया जलापूर्ति योजना का निरीक्षण

खरसावां । खरसावां के विधायक दशरथ गागराई ने शुक्रवार को खरसावां जलापूर्ति योजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया. उन्होंने कार्य में बरती जा रही अनियमितता व विलंब पर असंतोष व्यक्त करते हुए विभागीय सचिव से जांच कराने की बात कही है. निरीक्षण के दौरान उन्हें योजना पट्ट भी नहीं मिला, जिससे कि योजना की जानकारी मिले. जलापूर्ति योजना के निर्माण कार्य में पारदर्शिता भी नहीं बरती जा रही है. सरकारी निर्देशों को ताक पर रख कर योजना का कार्य किया जा रहा है. निर्माण कार्य में कई जगहों पर पुराने इंट का इस्तेमाल किया गया है.

विश्व आदिवासी दिवस पर देवलटांड़ में पौधरोपण

चांडिल । विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर ईचागढ़ प्रखंड के देवलटांड में पौधरोपण किया गया. देवलटांड़ पंचायत भवन के पास मुखिया विपिन सिंह मुंडा ने पौधरोपण कर अभियान शुरू किया. इस दौरान वन विभाग ने पूरे गांव में सड़कों के किनारे और खाली स्थानों में पौधे लगाये. वहीं स्थानीय लोगों को पर्यावरण संतुलन के लिए पौधों की रखवाली करना कितना आवश्यक है इसकी जानकारी दी. वन विभाग की ओर से की गई पौधरोपण अभियान में गांव के कई प्रबुद्ध लोग शामिल हुए और पौधा लगाया.

आदिवासी अधिकार की लड़ाई लड़ने में सक्षम : सुखराम हेम्ब्रम

कार्यक्रमें शामिल सुखराम हेम्ब्रम व समाज के अन्य लोग.

संवाददाता । चांडिल

आदिवासी अब अपने हक और अधिकार लेने के लिए जागरूक हो गए हैं. वे अपनी लडाई स्वयं लड़ने में सक्षम हैं. केंद्र और राज्य सरकार ने हमेशा आदिवासियों को छलने का काम किया है. उक्त बातें झारखंड आंदोलनकारी नेता सुखराम हेम्ब्रम ने कहीं. वे शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य पर विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठनों की ओर से आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि सरना कोड आदिवासियों की पुरानी मांग है.

इस मामले में केंद्र सरकार ने भी देश को आदिवासियों को छलने का काम किया है. आदिवासी एक बार फिर सरना कोड की मांग के लिए आंदोलन करेंगे. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पातकोम दिशोम पारगाना रामेश्वर बेसरा, जिला परिषद सदस्य ज्योतिलाल बेसरा, जिला परिषद सदस्य सविता मार्डी, ईचागढ़ प्रमुख गुरुपद मार्डी, श्यामल मार्डी, डोमन बास्के, प्रकाश मार्डी समेत कई प्रबुद्ध नागरिक व बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

दिखी परंपरा की झलक

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में गांगूडीह फुटबॉल मैदान में आदिवासी की समृद्ध परंपरा की झलक देखने को मिली. कार्यक्रम में पारंपरिक परिधान में शामिल हुए विभिन्न आदिवासी समाज के लोगों ने संथाली, कुड़ुख, मुंडारी व खड़िया नृत्य प्रस्तुत किया. मौके पर लोग पारंपरिक वाद्य यंत्र और हथियार के साथ भी शामिल हुए. इसके पूर्व विभिन्न आदिवासी संगठनों के द्वारा बाइक रैली निकाली गई.

आदिवासियों की पहचान जल, जंगल, जमीन से है : सुखराम

- विश्व आदिवासी पर पोड़ाहाट स्टेडियम में हुआ समारोह

संवाददाता । चक्रधरपुर

विश्व आदिवासी दिवस पर शुक्रवार को चक्रधरपुर के मारवाड़ी प्लस टू उच्च विद्यालय के समीप पोड़ाहाट स्टेडियम में मुख्य समारोह का आयोजन किया गया. आदिवासी समन्वय समिति के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में विभिन्न आदिवासी संगठन से जुड़े सदस्यों व बड़ी संख्या में आदिवासी महिला-पुरुषों का जुटान हुआ. कार्यक्रम में विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि आदिवासियों की पहचान धर्म, जाति, संस्कृति, सभ्यता, जल, जंगल, जमीन से है. इसे बचाये रखना हम सबों का कर्तव्य है. वहीं विश्व

आदिवासी दिवस घोषित किये जाने व पूरे विश्व में मनाये जाने संबंधी जानकारी दी. अन्य अतिथियों ने आदिवासियों को एकजुट होकर संस्कृति व सभ्यता को बचाये रखने के लिए आगे आने का आह्वान किया. इस दौरान झारखंड में बोली जाने वाली हो,संथाल,उरांव समेत भाषा पर आधारित गीत-नृत्य की भी प्रस्तुति दी गई. इस मौके पर आदिवासियों के उत्थान के लिए बेहतर कार्य करने वाले, स्टार्टअप व्यवसाय के तहत छोटी-बड़ी दुकान खोलकर आगे बढ़ने वाले लोगों के अलावे आदिवासी समुदाय के गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश समिति की उपाध्यक्ष मालती गिलुवा, पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई, आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष रामलाल मुंडा, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विजय मेलगांडी, कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह सामड, आयोजन समिति के अध्यक्ष कृष्णा सामड, सचिव कश्मीर कांडेयांग, कोषाध्यक्ष नितिमा जोंको, उप कोषाध्यक्ष पंकज बांकिरा, मथुरा गागराई, अर्जुन मुंडा, मंगल सरदार, सूरज टोप्पो, रविन्द्र गिलुवा. अन्य सदस्य व महिला-पुरुष मौजूद थे.

कार्यक्रम को संबोधित करते चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव.

कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथिगण व महिला-पुरूष.

न्यूज अपडेट

किसी भी संगठन में युवा ही रीढ़ होते हैं : महासचिव

चाईबासा । युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालय के कांग्रेस भवन में शुक्रवार को युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा ने झंडोत्तोलन किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव सह महिला कांग्रेस की ऑब्जर्वर कीम और कांग्रेस जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर दास उपस्थित थे. इसके बाद कांग्रेस भवन परिसर में चाईबासा नगर अध्यक्ष राहुल दास के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया. इसमें महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव सह ऑब्जर्वर ने कहा कि किसी भी संगठन में युवा ही संगठन की रीढ़ होते हैं. समारोह को कांग्रेस जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर दास ने भी संबोधित किया.

गोइलकेरा में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन

गोईलकेरा । विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गोईलकेरा प्रखंड की पुराना गोईलकेरा स्थित रेलवे मैदान में आदिवासी हो समाज महासभा ने कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम में अतिथियों ने एकजुट होकर आदिवासियों की परंपरा, संस्कृति, सभ्यता को बचाये रखने के साथ-साथ हक व अधिकार के लिए आगे आने का आह्वान किया. वहीं समाजसेवी डॉ. मनोज कुमार कोड़ाह ने विश्व आदिवासी दिवस का महत्व व शिक्षा के समाज में विकास को लेकर संबोधित किया. कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया.

दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल निर्माण का भूमि पूजन

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर व आसपास क्षेत्र में शारदीय नवरात्र में माता दुर्गा पूजा धूमधाम से होती है. इसे लेकर चक्रधरपुर में विभिन्न पूजा समिति की ओर से पंडाल व प्रतिमा का निर्माण शुरू हो गया है. चक्रधरपुर के शीतला मंदिर के समीप शुक्रवार को श्री श्री शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल का भूमि पूजन किया गया. इस अवसर पूजा समिति के अध्यक्ष सह भाजपा नेता संजय पासवान व अन्य ने नारियल फोड़कर पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन किया. इस दौरान संजय पासवान ने कहा कि शीतला मंदिर पूजा समिति की ओर से पंडाल का निर्माण होता है.

एकजुटता से ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव : हरेलाल

चांडिल । चांडिल प्रखंड के चिलगु स्थित आजसू पार्टी के कार्यालय में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया. इस अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने पार्टी के आदिवासी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया. कार्यक्रम में आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने कहा कि आदिवासी व मूलवासी समाज की एकजुटता से ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है. समाज के युवाओं को जागरूक होकर समाजहित में काम करने की जरूरत है. कार्यक्रम में कई लोगों को सम्मानित भी किया गया.

समस्या हर पल दे रही है दुर्घटना को आमंत्रण, विद्युत विभाग के अधिकारी मौन

पोल के बजाय बांस-बल्ली के सहारे हो रही है बिजली आपूर्ति

- बांस के सहारे खींचे गए तार काफी नीचे आ गए हैं

संवाददाता । कपाली (चांडिल)

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत कपाली नगर परिषद क्षेत्र के अधिकांश घरों में बांस-बल्ली के सहारे बिजली की आपूर्ति जेबीवीएनएल की विकास का गाथा बयां कर रही है. ऐसा नहीं है कि विभागीय जिम्मेदारों को इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन इसे दुरुस्त करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है. बिजली विभाग की उदासीनता के कारण कपाली नगर परिषद क्षेत्र में बांस-बल्ली के सहारे तार खींच कर बिजली आपूर्ति हो रही है. सालों पहले लगाए गए लकड़ी के पोल से तार खींचे गए हैं. जर्जर पोल कब धराशायी हो जाए, कब बड़ी दुर्घटना घट जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता. उल्लेखनीय है कि कपाली नगर परिषद के बंधुगोड़ा में यह समस्या इन दिनों परेशानी का सबब बनी हुई है. घनी आबादी वाले इस टोले मेंबांस-बल्ली के सहारे तार खींच कर बिजली आपूर्ति की जा रही है. यहां के ग्रामीण जगह-जगह बांस बल्ली लगाकर तार लगाकर बिजली आपूर्ति कर रहे हैं. इतना ही नहीं ग्रामीणों द्वारा लगाए गए बांस के तमाम पोल सड़ चुके हैं, जो कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है. पोल पर लगे तार काफी नीचे आ चुके हैं, जिससे राहगीरों को खतरा है.

कपाली क्षेत्र में बांस के सहारे खींचे गए बिजली के तार.

स्कूल में बांस के सहारे पहुंची है बिजली

कपाली नगर परिषद क्षेत्र में स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय कपाली में भी बांस के तीन बल्ली लगाकर बिजली की आपूर्ति हो रही है. इन दिनों बारिश होते ही बांस की बल्ली गिरने और भींगने से करंट पास होने का खतरा बढ़ गया है. विद्यालय के समय बच्चे इधर-उधर होते रहते हैं. इस विषय को लेकर उक्त विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक हिमांशु शेखर महतो का कहना है कि विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से कई बार संबंधित विभाग के पदाधिकारियों के अलावा नगर परिषद के अध्यक्ष, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा प्रसार पदाधिकारी और जिला के उपायुक्त को पत्र लिखकर भयावह स्थिति से अवगत कराया गया है. अंतिम बार लोकसभा चुनाव से पूर्व में उक्त विषय को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकरी को आवेदन दिया गया है. वहीं इस संबंध में चांडिल के सहायक विद्युत अभियंता लालजी महतो का कहना है कि सरकारी कार्य के दौरान कुछ त्रुटियां हो जाती हैं.

वक्फ विधेयक और सियासत

संसद के जारी मानसून सत्र में केन्द्र सरकार ने वक्फ़ बोर्ड कानूनों में संशोधन करने के उद्देश्य से गुरुवार को विधेयक पेश किया, जिसका विपक्ष ने जबर्दस्त विरोध किया. इसके साथ ही सरकार में सहयोगी दल टीडीपी का रवैया भी खुलकर समर्थन देने वाला नहीं रहा. बल्कि टीडीपी सांसद जीएम हरीश बालयोगी ने विधेयक के लिए अपनी पार्टी का सशर्त समर्थन करते हुए कहा कि अगर वक्फ़ संशोधन विधेयक को आगे की जांच के लिए संसदीय समिति को भेजा जाता है तो वे इसका विरोध नहीं करेंगे. टीडीपी के इस हस्तक्षेप और इंडिया ब्लॉक के कड़े विरोध के बाद इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने का फैसला लिया गया. यह एक तरह से संसद में मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका है. सरकार का कहना है कि संशोधन कानून के जरिये वक्फ़ बोर्ड को मिले असीमित अधिकारों को नियंत्रित किया जायेगा, उसके कामकाज को पारदर्शी बनाया जायेगा और उसमें सभी वर्गों, खासकर महिलाओं एवं कमजोर वर्ग के मुसलमानों की भागीदारी बढ़ाई जायेगी. दूसरी तरफ़ विपक्षी दलों का मानना है कि इसके पीछे सरकार की मंशा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की है और वक्फ़ बोर्ड की जमीनों को हथियाना है. इस पर चर्चा जारी है, लेकिन यदि संख्या बल के आधार पर सरकार इसे पास कराने में कामयाब होती है तो यह अल्पसंख्यकों में असंतोष और निराशा का एक और कारण बनेगा. मूलतः 1955 में लागू किये गये और साल 2013 में

> सरकार का दावा है कि यह संशोधन मुस्लिम समुदाय की मांग पर किया जा रहा है, जबकि विरोधी दल मानते हैं कि रजिस्ट्रेशन की नयी प्रणाली बोर्डों को परेशान करेगी एवं उनमें शासकीय दखलंदाजी बढ़ाएगी.

संशोधन के साथ जारी बोर्ड कानून में फिर से बदलाव के अनेक प्रस्ताव हैं. बेहतर कामकाज और संचालन के नाम से 44 संशोधन लाए जाने की सरकार की तैयारी है. सरकार के मुताबिक इस संशोधन द्वारा केंद्रीय पोर्टल और डेटाबेस के जरिये वक्फ़ के पंजीकरण को व्यवस्थित करना है. इसमें प्रस्ताव है कि किसी भी संपत्ति को वक्फ़ संपत्ति के रूप में दर्ज करने से पहले सभी संबंधितों को नोटिस देना होगा और इसमें राजस्व कानूनों के अनुसार कार्रवाई होगी. सरकार का तो कहना है कि संशोधन विधेयक का उद्देश्य बोर्डों के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता लाना तथा महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है. सरकार का दावा है कि यह संशोधन मुस्लिम समुदाय की मांग पर किया जा रहा है, जबकि विरोधी दल मानते हैं कि रजिस्ट्रेशन की नयी प्रणाली बोर्डों को परेशान करेगी एवं उनमें शासकीय दखलंदाजी बढ़ाएगी. उनकी शक्तियों में कटौती होगी, जो धार्मिक कामकाज में सरकार के हस्तक्षेप जैसा होगा. वक्फ़ बोर्ड कानून 2013 के संशोधन में वक्फ़ बोर्डों को व्यापक शक्तियां देता है. इसलिए भाजपा को इससे तकलीफ़ है. वक्फ़ अधिनियम, 1995 (2013 में संशोधित) की धारा 3 के तहत 'वकीफ़' (जो मुस्लिम कानून द्वारा धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी उद्देश्य के लिए संपत्ति समर्पित करता है) द्वारा 'औकाफ़' (दान की गई और वक्फ़ के रूप में अधिसूचित संपत्ति) को नियमित करने के लिए बना था. 1954 का अधिनियम पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान वक्फ़ के कामकाज हेतु प्रशासनिक संरचना देने के उद्देश्य से बना था. तब वक्फ़ बोर्डों के पास शक्तियां थीं, जिनमें ट्रस्टियों और मुतव्वल्लियों (प्रबंधकों) की भूमिकाएं भी शामिल थीं.

सुभाषित

परवाच्येषु निपुण: सर्वो भवति सर्वदा।
आत्मवाच्यं न जानीते जानन्नपि च मुह्मति।।

हर एक मनुष्य दूसरे के दोष दिखाने में प्रवीण होता है. अपने खुद के दोष या तो उसे नजर नहीं आते या फिर वह उन दोषों को अनदेखी करता है. यदि मनुष्य अपने दोषों को स्वयं देखकर मूल्यांकन करे और उसके अनुरूप आचरण करे तो सबका कल्याण हो.

झारखंड, असम और बांग्लादेश

छह अगस्त को खबर आयी कि पूर्वी और पश्चिमी कार्बी आंगलोंग जिलों में 'अवैध रूप से बसे लोगों'को बेदखल करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई. झड़प इस हद तक हुई कि हवा में ही सही, सुरक्षा बलों को गोलियां दागनी पड़ी. नौ सुरक्षाबलों सहित 44 लोग घायल हुए. 'अवैध रूप से बसे लोग' हैं कौन आखिर? बांग्लादेश से असम की 263 किमी सीमा मिलती है.

• देश-काल

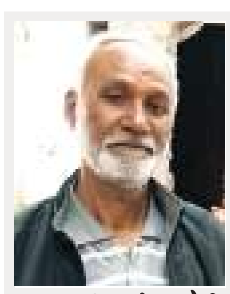

श्याम किशोर चौबे

आषाढ़ तपने के बाद सावन ने हिमालय से लेकर किष्किंधा तक, केदारनाथ से लेकर दिल्ली, रांची, वायनाड तक ऐसा पानी-पानी कर दिया कि 'विकास' को बाल्टियों से उलीचना पड़ा. इसी दौर में विश्वपटल पर एक प्रलयंकारी घटना बांग्लादेश में तख्तापलट के रूप में सामने आयी. पिछली जनवरी में चौथी बार वहां की वजीरेआजम बनीं शेख हसीना वाजेद को बहुत हड़बड़ी में पांच अगस्त की दोपहर महज दो सूटकेस लेकर भारत भागना पड़ा. उनकी कई कहानियां हैं. आयरन लेडी बनने से लेकर तंगहाल बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था ऊंचाइयों पर ले जाने तक, विपक्षी नेताओं को जेलबंद कर चुनाव जीतने तक और काफी हद तक तानाशाह बन जाने तक, पाकिस्तान, चीन, श्रीलंका, नेपाल और म्यांमार जैसे अमित्र देशों से घिरे भारत से मित्रता निभाने तक. अवामी लीग लीडर हसीना को सत्ता से बेदखल करने का प्रत्यक्ष तौर पर युवाओं का आरक्षण विरोधी प्रचंड आंदोलन बांग्लादेश में चल रहा था, जिसे उनके द्वारा दुश्मनी की हद तक विरोधी बनाये जा चुके बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के अलावा 2007 में नागरिक शक्ति नामक राजनीतिक दल के संस्थापक नोबेल प्राइज विजेता मशहूर अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस का परोक्ष समर्थन प्राप्त था. उन्हीं यूनुस को फिलहाल अंतरिम सरकार चलाने की जवाबदेही सौंपी गई है, जबकि हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के साथ उनकी प्रबल प्रतिद्वंद्वी पूर्व प्रधानमंत्री बीएनपी चीफ खालिदा जिया की जेल से रिहाई कर दी गई. ये वही हसीना वाजेद हैं, जिनके देश से बंगाल, झारखंड, बिहार, असम आदि में व्यापक पैमाने पर घुसपैठियों के घुस आने की खबरें सियासी माहौल में सालोंसाल से तैरती रही हैं. झारखंड में अगले कुछ ही महीनों में विधानसभा का चुनाव होनेवाला है और देश की सत्ता पर लगातार तीसरी मर्तबा काबिज किंतु झारखंड में विपक्ष की भूमिका अदा कर रही भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठ को बड़ा एजेंडा बनाये हुए है. मुख्तसर सी चर्चा असम की. छह अगस्त को खबर आयी कि पूर्वी और पश्चिमी कार्बी आंगलोंग जिलों में 'अवैध रूप से बसे लोगों'को बेदखल करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई. झड़प इस हद तक हुई कि हवा में ही सही, सुरक्षा बलों को गोलियां दागनी पड़ी. नौ सुरक्षाबलों सहित 44 लोग घायल हुए. 'अवैध रूप से बसे लोग' हैं कौन आखिर? बांग्लादेश से असम की 263 किमी सीमा मिलती है. उसी असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा झारखंड में भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हैं और संतालपरगना में घुसपैठ तथा मतांतरण मामला वे जोरदारी से उठाते हैं. यह कहना ठीक नहीं होगा कि पहले असम को संभालें, लेकिन घुसपैठ गंभीर समस्या है, जिससे सभी को मिलजुलकर निपटना होगा. केंद्र सरकार को विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि बांग्लादेश से अपनी तकरीबन 4,096 किमी सीमा लगी हुई है, जबकि सभी पड़ोसियों संग हमारी 15 हजार किलोमीटर से अधिक तक की सीमाएं जुड़ी हुई हैं. इतनी बड़ी सीमाओं की निगरानी कतई आसान नहीं है, लेकिन करनी तो पड़ेगी.

झारखंड में बांग्लादेशी नहीं हैं, यह नहीं कहा जा सकता. 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान जब पाकिस्तान को हराकर भारत ने बांग्लादेश की स्थापना कराई थी, उस दौर में तकरीबन एक करोड़ शरणार्थी भारत आए थे. बाद के दिनों में भी काम की तलाश में अनेक बांग्लादेशी आते रहे. बिलाशक इनमें से अनेक संताल परगना में भी आते रहे होंगे, क्योंकि इस परगने की सीमाएं बरास्ता बंगाल बांग्लादेश के करीब हैं. बंगाल की 2,216 किमी सीमा बांग्लादेश से जुड़ती है. ऐसे ही, एक अनुमान के अनुसार साढ़े चार लाख झारखंडी बांग्लादेश में दशकों से रह रहे हैं. अवैध तरीके से सीमा पार कर आ बसने या बस जाने का जुगाड़ करनेवालों की शिनाख्त तो की ही जानी चाहिए. झारखंड में हर राजनीतिक गुण-धर्म की सरकारें रही हैं. इसलिए घुसपैठ का दोष किसी एक पर मढ़ना कतई जायज नहीं होगा. सियासी फायदे के लिए ऐसा किया जाता है तो लोकशाही का तकाजा है कि कल के गये यह अगले का भी सिरदर्द साबित होगा. बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट के न्याय निर्णय के बावजूद '71 के संग्रामियों के वारिसों के नाम पर शेख हसीना ने आरक्षण का विष वृक्ष पुराने ढर्रे पर पोषित करते रहने का जो दुस्साहस किया, उसका परिणाम जगजाहिर है. अपने पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान, मां और तीन भाइयों की 1975 में विरोधियों द्वारा हत्या के बाद छह वर्षों तक भारत में निर्वासित सा जीवन बितानेवाली हसीना का 1981 में ढाका में अपार भीड़ ने खैरमकदम किया था. प्रायः 43 वर्षों बाद ठीक विपरीत गुस्सैल मजमों के डर से 76 की उम्र में उनको घर-बार, शान-ओ-शौकत छोड़कर निकल भागने की मोहलत मिल गई, यही क्या कम है?

... और अंत में: सरयू राय चार अगस्त को जदयू के हो गये. भाजपा त्यागकर 2019 में उन्होंने बतौर निर्दलीय उम्मीदवार भाजपा के स्टॉलवार्ट नेता, तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास को हराया था. बदले सियासी हालात में उन्होंने आजसू, एनसीपी और एक निर्दलीय विधायक संग मिलकर पांच विधायकों का भारतीय लोकतांत्रिक मोर्चा बनाया, लेकिन उसका अस्तित्व नजर नहीं आया. फिर उनकी पहचान भारतीय जनतंत्र मोर्चा नामक राजनीतिक संगठन के संयोजक के तौर पर बनी. इसी के बैनर तले वे हालिया लोकसभा चुनाव धनबाद से लड़ना चाहते थे, लेकिन विधानसभा चुनाव आते-आते वे तीर छापी हो गये. झारखंड में जदयू अस्तित्व का संकट झेल रहा है. जदयू के प्रतीक पुरुष और सरयू के घनिष्ठ मित्र नीतीश कुमार ने दिल से साथ दिया तो बहुत संभव है कि इस बार के भी विधानसभा चुनाव में सरयू का तीर जमशेदपुर में चल जाए, राज्य में जदयू का जो होना होगा सो होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

कार्य और कारण

एक व्यक्ति ने अपने बगीचे में आम का वृक्ष उगाया,जब उस पर आम लग गये तो, अपने पांच मित्रो को मीठे स्वादिष्ट फ़ल खाने के लिये आमंत्रित किया. सभी फलों का रसास्वादन करते हुए चर्चा करने लगे. वे पांचो अलग अलग मतवादी थे. चर्चा करते हुए प्रथम कालवादी ने कहा, आज जो हम इन मीठे फ़लों का आनंद ले रहे है वह समय के कारण ही सम्भव हुआ. जब समय हुआ पेड बना, काल पर ही आम लगे और पके, समय ही कारण है, हमे परिपक्व आम उपलब्ध हुए. तभी स्वभाववादी बोला, काल इसका कारण नहीं है, जो भी हुआ स्वभाव से हुआ. गुठली का गुणधर्म था आम का पेड बनना, पेड का स्वभाव था उस पर आम लगना, स्वभाव से ही उसमें मधुर रस उत्पन्न हुआ. स्वभाव ही मात्र कारण है. नियतिवादी दोनों की बात काटते हुए बोला, न तो काल ही इसका कारण है न स्वभाव. कितना भी गुठली के उगने का स्वभाव हो और कितना भी काल व्यतीत हो जाय, अगर गुठली के प्रारब्ध में उगना नहीं होता तो वह न उगती, वह सड़ भी सकती थी, किस्मत न होती तो पेड़ अकाल खत्म भी हो सकता था. उसी समय कर्मवादी ने अपना मंतव्य रखते कहा, न काल, न स्वभाव, न नियति ही इसका कारण है, सभी कुछ कर्म-सत्ता के अधीन है. कर्मानुसार ही गुठली का उगना, पेड़ बनना व फ़ल में परिवर्तित होना सम्भव हुआ. हमारे कर्म थे, जिससे इन फ़लों का आहार हम कर रहे हैं, गुठली का वृक्ष रूप उत्पन्न होकर फ़ल देना कर्म-प्रबंध के कारण होते चले गये. अतः कर्म ही मात्र कारण है. अब पुरुषार्थवादी की बारी थी, उध्यमवादी ने कहा, भाइयो, हमारे इन बागानस्वामी ने सारी मेहनत की उसमें ये काल, स्वभाव, नियति और कर्म कहां से आ गये. इन्होंने श्रम से बोया, रखवाली की, खाद व सिंचाई की. सब इनके परिश्रम का ही फ़ल है. बिना श्रम के इन मीठे फ़लों का उत्पन्न होना सम्भव ही नहीं था. जो भी कार्य होता है वह पुरुषार्थ से ही होता है. पांचों ही अपनी अपनी बात खींच रहे थे. तभी बागानस्वामी ने कहा मित्रों आप सभी अपनी अपनी बात पकड कर गलत, मिथ्या सिद्ध हो रहे हो, यदपि आप पांचो का अलग स्वतंत्र अभिप्राय मिथ्या है तथापि आप पांचो के मंतव्य सम्मलित रूप से सही हैं , इन पाँचों कारणो का समन्वय ही सत्य है, कारणभूत है. कोई एक कारण प्रधान हो सकता है और अन्य चार गौण किन्तु पांचों का होना अनिवार्य है.

मध्यवर्ग, कॉरपोरेट सेक्टर और राजनीति

• बजट चर्चा

प्रो. अरुण कुमार

कॉरपोरेट सेक्टर और पिंक पेपर्स ने केंद्रीय बजट 2024-25 का बड़े पैमाने पर स्वागत किया है. कोई हमेशा और अधिक पाने या चाहने की कामना कर सकता है, लेकिन अगर कोई नुकसान नहीं होता है और कोई ठहराव नहीं होता है तो यह राहत की बात होगी. उम्मीद यह की गई थी कि हाल ही में हुए चुनाव नतीजों के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की अगुआई वाली सरकार बजट में ऐसे उपाय पेश करेगी, जिससे वह आबादी के असंतुष्ट तबके को अपने पाले में वापस ला पाए. इसके लिए बजट का जनता के पक्ष में होना ज़रूरी था- और हमेशा इस किस्म के बजट को भारतीय कॉरपोरेट सेक्टर व्यापार विरोधी बजट के रूप में पेश करता है. उन राज्यों के लिए भी बड़े पैकेज की उम्मीद की गई थी, जहां से सरकार में सत्तारूढ़ पार्टी को समर्थन देने वाले दो प्रमुख गठबंधन सहयोगी आते हैं, अर्थात आंध्र प्रदेश और बिहार. कॉरपोरेट सेक्टर को डर था कि उक्त कार्य करने के लिए अतिरिक्त टैक्स की आवश्यकता होगी, जिससे उनका मुनाफ़ा कम हो जाएगा. मध्यम वर्ग से कोई अतिरिक्त टैक्स नहीं जुटाया जा सका, क्योंकि मांग बढ़ाने और उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी के पाले में लाने के लिए उनके करों में कटौती की बात चल रही थी. संक्षेप में, अतिरिक्त राजस्व संगठित क्षेत्र से मिलने की उम्मीद थी, जो वैसे भी अधिकांश करों का भुगतान करता है और सरकार को गैर-कर संसाधन उपलब्ध कराता है. इसके अलावा, महामारी के बाद संगठित क्षेत्र में वृद्धि हुई है, जैसा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों से पता चलता है, इसलिए अर्थव्यवस्था में इसकी आय का हिस्सा बढ़ गया है और यह अधिक करों का भुगतान करने में सक्षम है. छिपे हुए इरादेइन सब बातों को देखते हुए, चुनाव के बाद का बजट चुनाव-पूर्व बजट से अलग होने की उम्मीद थी. 1 फरवरी, 2024 को पेश किए जाने वाले अंतरिम बजट का इस्तेमाल प्राथमिकताओं में आए बदलावों का आकलन करने के लिए किया जा सकता है. नई प्राथमिकताओं को समायोजित करने के लिए, यदि कोई प्राथमिकता हो भी तो बजट का समग्र आकार बहुत बड़ा होना चाहिए था. 47.66 लाख करोड़ से 48.20 लाख करोड़ तक की वृद्धि का मतलब केवल एक प्रतिशत की वृद्धि है – यह शायद ही कोई बदलाव कहलाएगा. मान लीजिए कि ऐसा इसलिए किया गया, ताकि वित्तीय घाटा न बढ़े. उस स्थिति में, फिर से पुनः

> कॉरपोरेट सेक्टर को डर था कि उक्त कार्य करने के लिए अतिरिक्त टैक्स की आवश्यकता होगी, जिससे उनका मुनाफ़ा कम हो जाएगा. मध्यम वर्ग से कोई अतिरिक्त टैक्स नहीं जुटाया जा सका, क्योंकि मांग बढ़ाने और उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी के पाले में लाने के लिए उनके करों में कटौती की बात चल रही थी.

प्राथमिकताओं को तय करने की जरूरत थी - प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए आवंटन में पर्याप्त वृद्धि और अन्य व्यय में कटौती करनी थी. लेकिन ऐसा शायद ही देखने को मिले. इस बदलाव की कमी को बड़े बदलावों का दिखावा करके छिपाया जाना था. इसके लिए एक मानक तकनीक यह है कि पांच साल के व्यय लक्ष्य की घोषणा की जाए, जबकि मौजूदा बजट में बहुत कम आवंटन किया जाए. उदाहरण के लिए, बहुत धूमधाम से यह घोषणा की गई है कि 500 सबसे बड़ी कंपनियां एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान करेंगी. सुनने में तो बहुत बढ़िया लग रहा है. लेकिन पांच साल से भी ज़्यादा हो गए हैं. इसके अलावा, चूंकि इस योजना को अभी तक पूरी तरह से लागू नहीं किया गया है, इसलिए मौजूदा बजट से शायद ही किसी फंड की ज़रूरत होगी. इसलिए, 10,000 करोड़ रुपये के आवंटन की बिना पर रोज़गार पर काफ़ी चर्चा हुई है. दूसरी तकनीक ऐसी योजनाओं की घोषणा करना है, जिनके लिए बजट में कोई धनराशि नहीं दी जाती है. इन्हें वित्तीय एजेंसियों से ऋण लेकर वित्तपोषित किया जाता है. इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण आंध्र प्रदेश की अमरावती राजधानी परियोजना के लिए घोषित 15,000 करोड़ रुपए की घोषणा है. यह केंद्र सरकार द्वारा सुविधा प्रदान की गई बहुपक्षीय एजेंसियों से ऋण लेना जैसा होगा. इसलिए बजट में कुछ भी आवंटित करने की जरूरत नहीं है. इसी तरह, बिहार और आंध्र प्रदेश में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बड़ी घोषणाओं के लिए अब ज्यादा धन की जरूरत नहीं है. उनके लिए काम शुरू करने के लिए योजनाएं बनानी होंगी और उन्हें पूरा होने में सालों लग सकते हैं. इसलिए, बाद में धन आवंटित करना पड़ सकता है. दरअसल, बताई गई कुछ योजनाएं पहले की हैं जो सुस्त पड़ी थीं और वे आगे भी सुस्त ही रहेंगी. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

जब परेशान करे बच्चों की अति चंचलता

• मनोविज्ञान

रेनू गहलोत रॉय

बच्चों का स्वभाव कई तरह का होता है. कुछ बच्चे बहुत शांत प्रकृति के होते हैं तो कुछ बच्चे बहुत चंचल प्रवृत्ति के, किंतु बच्चों का चंचल स्वभाव अत्यधिक होना जब माता-पिता के लिए परेशानी का कारण बन जाता है तो ऐसी स्थिति में बच्चा एक मेडिकल कंडीशन में होता है जिसे हम अटेंशन डिफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर कहते हैं. इसे ध्यान अभाव सक्रियता विकार नाम से भी जाना जाता है. यह लंबे समय से चल रही ऐसी स्थिति है, जिसमें ध्यान केंद्रित करना मुश्किल होता है. साथ ही, इस स्थिति से ग्रस्त बच्चे बहुत ज़्यादा सक्रिय रहते हैं और बिना सोचे-समझे आवेग में काम करते हैं. एडीएचडी अक्सर बचपन में ही शुरू हो जाता है और वयस्क होने के बाद भी बना रह सकता है. एडीएचडी एक मानसिक स्वास्थ्य विकार है, जो व्यवहार में अति-सक्रियता पैदा कर सकता है. इससे ग्रस्त लोग एक कार्य पर अपना ध्यान केंद्रित करने या लंबे समय तक एक जगह बैठने में परेशानी का सामना कर सकते हैं. लड़कियों की तुलना में लड़को में एडीएचडी की समस्या आम होती है. एडीएचडी से पीड़ित कुछ बच्चों में बिहेवियरल प्रॉब्लम्स भी देखे जा सकते हैं. कई बार ऐसे बच्चों की देखभाल करना या उन्हें कुछ सिखाना अभिभावकों के लिए बेहद मुश्किल हो जाता है. ऐसे बच्चे स्कूल में भी दूसरे बच्चों के साथ जल्दी घुल मिल नहीं पाते हैं और कोई न कोई शरारत करते रहते हैं. एडीएचडी के लक्षण जैसे ध्यान न देना जरूरत से अधिक सक्रियता, असंतोष, चीजें याद रखने में परेशानी, अत्यधिक बातूनी होना, अक्सर दिन में सपने देखना इत्यादि हैं. एडीएचडी का कारण आनुवंशिकता, दिमाग में परिवर्तन, गर्भावस्था के दौरान खराब पोषण, मस्तिष्क की चोट और मिर्गी हो सकता है. एडीएचडी का उपचार मेडिसिन, साइकोथेरेपी, एजुकेशन या ट्रेनिंग से किया जा सकता है. एडीएचडी से पीड़ित बच्चों को ऐसे संभालें. अच्छे काम पर प्रशंसा करने या इनाम देने से बच्चों के व्यवहार को पॉजिटिव किया जा सकता है. यदि ऐसा दिखे कि बच्चा आपा खो रहा है, तो उस पर ध्यान दें और उसे किसी अन्य एक्टिविटी में बिजी कर दें. अन्य बच्चों के साथ खेलने दें. इससे बच्चे को मिलने-जुलने में आसानी होगी, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि बच्चा स्वयं पर नियंत्रण न खोए. अपने बच्चे को अच्छी नींद सोने दें. ऐसे बच्चों को कभी-कभी ध्यान देने, सुनने और निर्देशों का पालन करने, शांत बैठने या अपनी बारी का इंतज़ार करने में संघर्ष करना पड़ता है, जो बच्चे असावधान (आसानी से विचलित) होते हैं, उन्हें अपना ध्यान केंद्रित करने, एकाग्रता करने और काम पर

> एडीएचडी से पीड़ित कुछ बच्चों में बिहेवियरल प्रॉब्लम्स भी देखे जा सकते हैं. कई बार ऐसे बच्चों की देखभाल करना या उन्हें कुछ सिखाना अभिभावकों के लिए बेहद मुश्किल हो जाता है. ऐसे बच्चे स्कूल में भी दूसरे बच्चों के साथ जल्दी घुल मिल नहीं पाते हैं और कोई न कोई शरारत करते रहते हैं.

टिके रहने में परेशानी होती है. वे निर्देशों को ठीक से नहीं सुन सकते हैं, महत्वपूर्ण विवरणों को याद कर सकते हैं और जो शुरू करते हैं, उसे पूरा नहीं कर सकते हैं. वे दिवास्वप्न देख सकते हैं या बहुत अधिक आलस्य कर सकते हैं. वे विचलित या भुलक्कड़ लग सकते हैं और अपनी चीजों पर ध्यान नहीं दे सकते हैं. अति सक्रिय बच्चे आसानी से ऊब जाते हैं. उन्हें स्थिर बैठने या ज़रूरत पड़ने पर चुप रहने में परेशानी हो सकती है. वे जल्दबाजी में काम कर सकते हैं और लापरवाही से गलतियां कर सकते हैं. वे तब चढ़ सकते हैं, कूद सकते हैं या जब उन्हें नहीं करना चाहिए, तब भी शरारत कर सकते हैं. बिना सोचे-समझे, वे ऐसे काम कर सकते हैं, जिससे दूसरों को परेशानी हो. जो बच्चे आवेगशील होते हैं, वे सोचने से पहले ही बहुत जल्दी काम कर लेते हैं. वे अक्सर बीच में टोकते हैं, धक्का दे सकते हैं या पकड़ सकते हैं और उन्हें इंतज़ार करना मुश्किल लगता है. वे बिना अनुमति के काम कर सकते हैं. ऐसी चीज़ें ले सकते हैं, जो उनकी नहीं हैं या ऐसे तरीके अपना सकते हैं, जो जोखिम भरे हों. उनकी भावनात्मक प्रतिक्रियाएं ऐसी हो सकती हैं, जो स्थिति के लिए बहुत तीव्र लगती हैं. कभी-कभी माता-पिता और शिक्षक बच्चे में एडीएचडी के लक्षण तब देखते हैं, जब वह बहुत छोटा होता है, लेकिन छोटे बच्चों का विचलित, बेचैन, अधीर या आवेगी होना सामान्य बात है- इन बातों का हमेशा यह मतलब नहीं होता कि बच्चे को एडीएचडी है. जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, ध्यान, गतिविधि और आत्म-नियंत्रण धीरे-धीरे विकसित होते हैं. बच्चे माता-पिता और शिक्षकों की मदद से ये कौशल सीखते हैं, लेकिन कुछ बच्चे ध्यान देने, शांत रहने, सुनने या प्रतीक्षा करने में बहुत बेहतर नहीं होते हैं. जब ये चीजें जारी रहती हैं और स्कूल, घर और दोस्तों के साथ समस्याएं पैदा करने लगती हैं तो यह एडीएचडी हो सकता है. अगर आपको लगता है कि आपके बच्चे को एडीएचडी है तो डॉक्टर से मिलें. **(ये लेखिका के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

जम्मू-कश्मीर में चुनावों की आहट

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की तैयारियों के सिलसिले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधु ने श्रीनगर में राजनीतिक दलों के नेताओं से बातचीत शुरू कर दी है. अब यह तय है िक जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव अगले महीने सितम्बर में होंगे. केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने जम्मू में आयोजित भाजपा के एकात्म महोत्सव रैली को सम्बोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर में सितम्बर में चुनाव कराए जाने की बात कही है. चुनाव की तिथियां निर्वाचन आयोग ही तय करेगा. जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के 6 वर्ष बाद चुनाव होने जा रहे हैं. पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था और 2018 में उसे भंग कर िदया गया था. अनुच्छेद 370 हटाए जाते समय जम्मू-कश्मीर को केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया गया था और जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग कर उसे भी केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा दे दिया गया था. सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल चुनाव आयोग को 30 सितम्बर 2024 तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का आदेश दिया था. निर्वाचन आयोग ने पहले ही स्पष्ट कर िदया था कि राज्य विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के बाद ही कराए जाएंगे. जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में 107 विधानसभा सीटों का प्रावधान था, जिसमें 24 सीटें पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) की खाली रखी जाती थी. बाद में डीलिमिटेशन में सीटों की संख्या बढ़ाकर पीओके की 24 सीटों के साथ 114 कर दी गई. जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दल चुनावों को लेकर अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं लेकिन चुनावों को लेकर बहुत सारे सवाल भी उठ रहे हैं. चुनावी परिदृश्य अभी भी स्पष्ट होना बाकी है. क्योंकि अभी भी बहुत सारी दुविधाएं मौजूद हैं. भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनावों के तुरन्त बाद ही चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी थीं. जम्मू-कश्मीर की 5 लोकसभा सीटों पर 35 वर्ष बाद 58 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई जिससे यह स्पष्ट हो गया कि जम्मू-कश्मीर की आवाम की लोकतंत्र में गहरी आस्था है और वह राष्ट्र की मुख्य धारा से अलग नहीं रहना चाहते. जम्मू-कश्मीर की 5 में से सिर्फ 2 लोकसभा सीटें हिन्दू बाहुल्य सीट ऊधमपुर और जम्मू से ही अपने उम्मीदवार उतारे थे और दोनों पर ही उसे जीत हासिल हुई थी. भाजपा ने घाटी की 3 सीटों पर कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था. लोकसभा चुनावों में दो पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को बारामूला, अनंतनाग से करारी हार का सामना करना पड़ा था. इस बार लोकसभा चुनाव बीजेपी और एनसी ने एक समान दो-दो सीटों पर जीत हासिल की है. हालांकि वोटिंग शेयर के मामले में बीजेपी 24.32 फीसदी के साथ अव्वल रही है, इसके बाद अन्य उम्मीदवारों ने 23.89 फीसदी वोट शेयर किए जबकि नेशनल कांफ्रेंस ने 22.42 फीसदी वोट शेयर किया. **(पंजाब केसरी)**

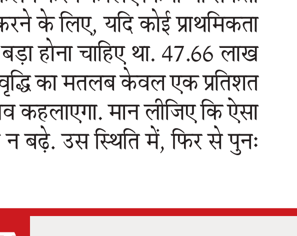

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

झाड़/झाड़ी/झार/झारी

मैंने तो बात बदल कर पल्ला झाड़ लिया, लेकिन वहां जाने पर मुझे झाड़ सुननी पड़ेगी. प्रदूषण उस बाघ के समान है, जो घात लगाए झाड़ी में छिपा बैठा है और कभी भी हम पर हमला करके सब कुछ तहस-नहस कर सकता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार झाड़ का स्त्रीलिंग के रूप में मतलब है झाड़ने की क्रिया या भाव, गलती हो जाने पर मिलनेवाली फटकार, डांट-डपट, प्रेतबाधा या सांप के जहर को उतारने के लिए मंत्र पढ़ते हुए झाड़ने-फूंकने की क्रिया. वहीं पुल्लिंग के रूप में झाड़ का मतलब है झाड़ी का एक रूप, वह वृक्ष जिसकी डालियां जमीन के पास चारों ओर फैलती हैं, कांटेदार क्षुप, गुंजान, उजाले के लिए प्रयोग किये जानेवाले कांटे से बना झाड़ की आकृति का फानूस, जो छत या शामियाने में लटका कर जलाया जाता है. उक्त आकार का रोशनी करने का शीशे का वह उपकरण जो छत पर सजावट के लिए लटकाया जाता है, आतिशबाजी. झाड़ी तो निश्चित रूप से संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द ही है. झाड़ी की लोकप्रियता झाड़ से अधिक है. कोई भी हिंदी भाषी झाड़ी को छोटे झाड़, झुरमुट, कूची, बलौंछी, एक प्रकार धने उगे हुए कंटीले छोटे वृक्षों या पौधों के समूह के रूप में जानता है. इससे बना शब्द झाड़ीदार विशेषण है. इसका सीधा मतलब है झाड़ीयुक्त, आकार, रूप आदि में छोटे झाड़ की तरह, कंटीला, कांटेदार, वह स्थान जहां झाड़ियां अधिक हों. झाड़ से मिलता जुलता शब्द है झार. झार का मतलब संज्ञा पुल्लिंग के रूप में झुंड, दल, समूह, रसोई का झरना या पौना नामक उपकरण, एक प्रकार का पेड़, संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में स्वाद में तीखे होने की अवस्था या भाव, आग की ज्वाला, लपट, ताप, जलन, मन-संताप और अव्यय के रूप में निपट, निरा, केवल, एक सिरे से, एकदम. इसी शब्द से बनता है झारी, जिसका मतलब है पानी रखनेवाला टोंटीदार बरतन, पानी में अमचूर, जीरा, नमक आदि मिलाकर बनाया जानेवाला स्वादिष्ट पेय.

सुर्खियों में काली स्याही का कमाल

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

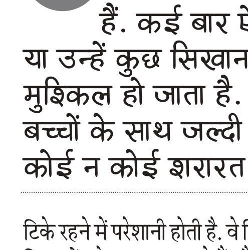

ऐसा बहुत कम होता है कि काली स्याही सुर्ख़ियों में हो. लेकिन आजकल है. काली स्याही का सुर्ख़ियों में होना, बड़ी विरोधाभासी चीज़ है. जो स्याह रंग हो, वही तो स्याही है. एक तो स्याही के लिए काली स्याही कहना अपने आप में ही उसके काले होने को अनावश्यक तूल देना है और फिर स्याह को सुर्ख बना देना और भी अजीब लगता है! लाल रंग अपनी चमक से हमारा ध्यान तुरंत खींच लेता है, लेकिन काली स्याही कुछ ऐसा करतब कर बैठे कि हमारा ध्यान उसकी ओर जाए बिना न रहे, तभी काली स्याही का सुर्ख हो जाना समझ में आने वाली बात है –जैसे काली स्याही से लिखने की बजाय, किसी का मुंह काला कर दिया जाए! ऐसा हो सकता है. ऐसा किया जा रहा है. वैसे 'मुंह काला हो जाना', लेकिन यह तो प्रतीकात्मक बात हुई, कोई व्यक्ति जब कोई वर्जित काम, जिसकी स्वीकृति समाज नहीं देता, करता है, तो कहा जाता है कि उसने ऐसा करके अपना मुंह काला कर लिया. मुंह वास्तव में काला नहीं होता, जिस रंग का है –गोरा, भूरा. श्यामला- उसी रंग का बना रहता है. पर लोग हैं कि उन्हें इतने भर से चैन नहीं! वे मुंह काला होने के केवल प्रतीकात्मक अर्थ से संतुष्ट नहीं होते. वे कभी कभी, भले ही अपने मूल प्रतीकात्मक अर्थ में मुंह काला न हो पाए, काली स्याही पोतकर वास्तव में अपनी झल्लाहट के चलते किन्हीं लोगों के मुंह पर काली स्याही पोत देते हैं. गांधी जी ने सत्याग्रह करने के लिए विरोध करने के हमें कई अहिंसात्मक तरीके बताए थे. इन तरीकों में आजकल लगातार इजाफा हो रहा है. काली स्याही सुर्ख़ियों में है. लोगों ने विरोध का यह एक नया अंदाज़ अपना लिया है. कहा जा रहा है कि मुंह पर काली स्याही पोतना भी विरोध करने का एक अहिंसात्मक तरीका है. गोली-बारी से, मार-पीट से, जूतम-पैजार से, यहां तक कि गाली-गलौज से भी यह अधिक अहिंसात्मक है! अधिक प्रजातंत्रात्मक है. यह एक ऐसा तरीका है, जिससे व्यक्ति की काली करतूतें उसके चेहरे पर आ जाती हैं. आ जानी चाहिए. लेकिन अगर काली करतूतें हैं ही नहीं तो भला वे चेहरे पर आ ही कैसे सकती हैं? सोचने की बात है. 'गांधीगीरी' का सोच से कभी कोई लेना-देना नहीं रहा. हमारे देश में कुछ इसी प्रकार की गांधीगीरी इन दिनों चल रही है. खूब गालियां बको, उलटा-सीधा कहो, एक दूसरे को नीचा दिखाओ, नंगई पर उतर आओ, विरोध के ये सभी अहिंसात्मक तरीके मान लिए गए हैं. ईसा मसीह का अनुसरण करते हुए गांधी ने कहा था, अपने पड़ोसी से प्रेम करो. लेकिन उसका यदि विरोध करना हो तो? बहिष्कार कर दो उसका. भले ही फिर वह गुलाम अली जैसा गायक ही क्यों न हो. विरोध का यही अहिंसात्मक तरीका है. पाकिस्तानी लेखक की किताब का विमोचन हो. पूरी कोशिश करो कि वह न हो पाए. विमोचन करवाने वाले के मुंह पर कालिख पोत दो. विरोध का विनम्र तरीका है. ताज्जुब है, विरोध के इन तरीकों में विरोधाभास किसी को नज़र ही नहीं आ रहा है.

बायोस्कोप

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

फिल्म समीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले विनोद अनुपम को हाल ही बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम में परामर्शी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है. शुभम संदेश इनकी लेखनी से समृद्ध होता रहा है. इस विशेष उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं व बधाई.

देवरिया से फिल्मी दुनिया में पहुंचे मोती अपने साथ भोजपुरी की मिठास और माटी की महक की सौगात लेकर गए. उनके लिखे गीतों में भोजपुरी संस्कृति का सौन्दर्य खिलता-उभरता और इस नए आस्वादन से फिल्म जगत के श्रोता मुग्ध से हो गए. आठ साल में अस्सी फिल्मों के लिए गीत लिखा और फिर अपने गांव लौट कर आजीवन अपनी भाषा को समृद्ध करते रहे.

मोती के गीतों ने सिनेमा तक पहुंचायी माटी की महक

हिंदी सिनेमा के पुराने गीतों के प्रशंसकों की सूची में एक फिल्म का नाम आमतौर पर आज भी शामिल दिखता है, "नदिया के पार". यह "नदिया के पार" 1948 में रिलीज हुई थी, जब फिल्मिस्तान लोकप्रियता के शिखर पर था, किशोर साहू निर्देशित इस फिल्म में मुख्य भूमिका दिलीप कुमार और कामिनी कौशल ने निभायी थी. कहा जाता है यह फिल्म मोती बीए के कहने पर दिलीप साहब की पहल से बनी थी. सुदूर देवरिया से साहित्य की दुनिया छोड़ कर सिनेमा में गीत लिखने के उद्देश्य से मुंबई पहुंचे मोती बीए के गीतों को प्रतिष्ठित होने में देर नहीं लगी. दिलीप साहब उनकी बात टाल नहीं सके जब उन्होंने प्रस्ताव रखा कि वे ऐसी फिल्म में काम करें जिसके सभी गीत भोजपुरी में हों. दिलीप साहब ने हामी भरी, इस शर्त के साथ कि उस फिल्म के सारे गीत मोती बीए ही लिखेंगे. मोती ने उस फिल्म के लिए आठ गीत लिखे, शीर्षक गीत "मोहे राजा जी ले चल नदिया के पार" को रफी और ललिता ने आवाज दी थी. लोकशैली और पश्चिमी वाद्य के प्रयोग ने इन गीतों से हिंदी सिनेमा को एक नया आस्वाद दिया. उल्लेखनीय है कि "नदिया के पार" में संगीत दिया था, सी. रामचंद्र ने जो पाश्चात्य धुनों के लिए जाने जाते थे.

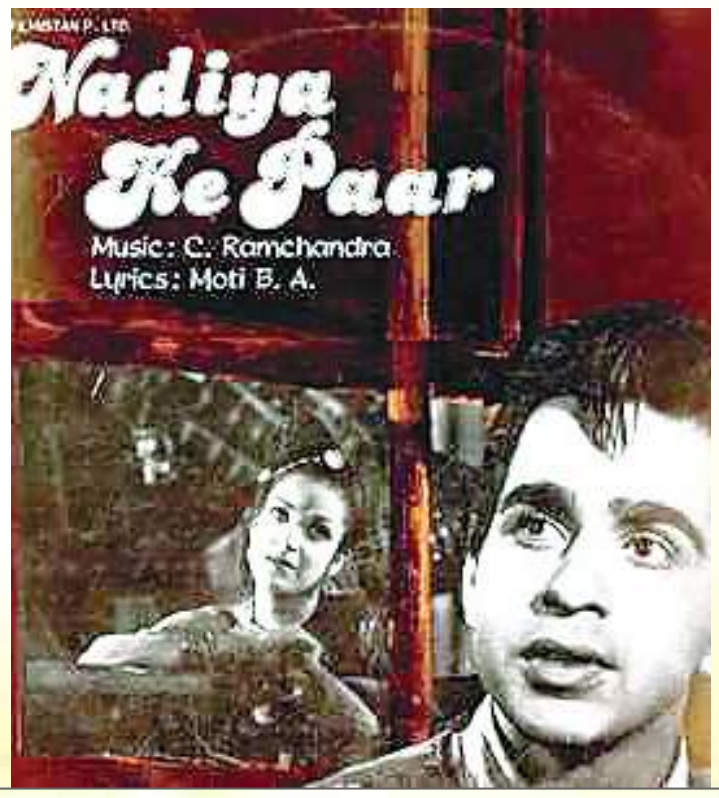

कवि सम्मेलन में मिली उपाधि

पढने लिखने में जहीन मोती का हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत पर समान अधिकार था. बनारस में पढ़ाई करते हुए ही मोती की साहित्यिक अभिरुचि विकसित हुई. इसी समय नागरी प्रचारिणी सभा में आयोजित कवि सम्मेलन में उन्होंने काव्य-पाठ किया और बच्चन जैसे कवियों द्वारा प्रशंसित हुए. यहीं इनके नाम के साथ बीए की उपाधि ऐसी जुड़ी कि,तमाम उपलब्धियां पीछे छूट गईं. मोती ने बनारस में ही पत्रकारिता और सम्पादन की दुनिया में कदम रखा. सन् बयालीस के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें नज़रबंद भी किया गया. इसी दौरान उनके गीतों की ख्याति सिनेमा तक पहुंची और फिल्मकार दलसुख एम पंचोली ने उन्हें अपनी अगली फिल्म "सुभद्रा" के गाने लिखने मुंबई बुला लिया. माटी की महक और साहित्य की पृष्ठभूमि ने उनके गीतों को एक अलग ही पहचान दी. बाद में वे फ़िल्मिस्तान से भी जुड़े और किशोर साहू के प्रिय गीतकारों में शामिल रहे.

अस्सी फिल्मों के लिए हिट गाने

मोती बीए ने हिंदी सिनेमा के लगभग आठ वर्षों की यात्रा में 80 फिल्मों के लिए गीत लिखे, जिनमें "राजपूत", "साजन", "सिंदूर", "रिमझिम", "राम विवाह", "निर्मल" जैसी फिल्म भी शामिल है. "निर्मल" के सभी आठ गीत मोती ने ही लिखे. शंकर थियेटर मुंबई से बनी इस फिल्म में संगीत बुलो सी रानी ने दिया था. फिल्म के सभी गाने हिट थे, जिसे शमशाद बेगम, गीता दत्त जैसे गायिकाओं ने आवाज दी थी. "रामविवाह" में संगीतकार शंकर राव व्यास ने राजकुमारी से उनके सर्वाधिक हिट गीतों में एक गवाया, जिसे लिखा था मोती ने- हे चंद्रवदन, चंदा की किरण, तुम किसका चित्र बनाती हो....दरबारी पर आधारित यह गीत इतना मेलोडी प्रधान है कि आज भी सुनने वाले ठहर जाते हैं. किशोर साहू की ही फिल्म "साजन" से चार गीतकार जुड़े थे, लेकिन सबसे लोकप्रिय मोती रचित रागविहाग में यह प्रस्तुति थी, "तुम हमारे हो न हो, हमको तुम्हारा ही आसरा..."

और घर लौट आए मोती

लेकिन मोती तो मोती ठहरे, ऐसा लगा जैसे हिंदी सिनेमा को भोजपुरी से परिचित कराने के बाद उन्होंने अपनी जवाबदेही पूरी मान ली, इन शब्दों के साथ वे गांव लौट आए, "बीज बनकर मैं भी बम्बई में तपा, गला, और खपा. अंकुरित भी हुआ, विकसित भी; पर फला-फूला नहीं, मैं घर छोड़कर फलना-फलना नहीं चाहता. घर का नहीं हुआ तो मैं किसी का कैसे हो सकता हूं?" देवरिया लौटकर उन्होंने स्कूल शिक्षक की नौकरी की और जीवनपर्यंत भोजपुरी को समृद्ध बनाने की अनथक कोशिशों में लगे रहे. अद्भुत थी अपनी भाषा को पहचान दिलाने की यह जिद.

बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म चंदू चैंपियन को अब घर बैठे ओटीटी पर भी देखा जा सकता है. शुक्रवार को यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है. कबीर खान लिखित और निर्देशित चंदू चैंपियन 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और दर्शकों ने इसे खूब पसंद भी किया था.

अब आपके घर पहुंचा "चंदू चैंपियन"

शुक्रवार को 'चंदू चैंपियन' ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुका है. इस फिल्म में कार्तिक आर्यन ने भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई है. मुरलीकांत पेटकर साल 1965 में भारत-पाक के युद्ध के दौरान एक सैनिक थे और इस दौरान वह घायल हो गए थे. हालांकि, कई बड़ी चुनौतियों का सामना करने के बाद भी पेटकर ने कई स्पोर्ट्स में चैंपियन बन कर 1972 में भारत का पहला पैरालंपिक गोल्ड मेडल अपने नाम किया था.

'चंदू चैंपियन' में मुरलीकांत पेटकर के किरदार को निभाने को लेकर कार्तिक आर्यन ने ,एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि "मुरलीकांत पेटकर का रोल निभामा मेरे लिए एक बड़ा सम्मान और मेरे जीवन में बड़ा बदलाव वाला रहा है. इस किरदार के लिए कुछ समय तक मैंने चीनी बिल्कुल बंद कर दी थी और एक स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो करी थी. यह मेरे फिल्मी करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म है, जिसमें मैंने एक आठ-मिनट का वॉर सीन का टेक दिया है, इसके साथ ही रेसलिंग, स्विमिंग और बहुत कुछ किया है.

वहीं निर्देशक कबीर खान ने कहा, "मैं बेहद लकी हूं कि ये कहानी मुझे मिली. यह एक ऐसे इंस्पायरिंग इंसान की कहानी है, जो कभी हार नहीं मानता. हम इसे सेलिब्रेट करना चाहते थे और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना चाहते थे. प्राइम वीडियो की बड़ी पहुंच के साथ, हम उत्साहित हैं कि चंदू चैंपियन को दुनिया भर के दर्शकों के साथ साझा करने के लिए."

सारा अली खान 12 अगस्त को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करेंगी. आइए, इस मौके पर जाने सारा की जिंदगी के कुछ इंटरेस्टिंग फैक्ट...

दिन में कई बार नेलपेंट चेंज करती हैं सारा अली खान

स्कूल टाइम से एक्टिंग में मास्टर

सारा अली खान ने भले ही केदारनाथ (2018) से बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले कोलंबिया यूनिवर्सिटी से लॉ, हिस्ट्री और पॉलिटिकल साइंस की स्टूडेंट के रूप में ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की हो, लेकिन एक्टिंग हमेशा स्टार के लिए एक जुनून था. फिल्म समीक्षक अनुपमा चोपड़ा ने एक बार वोग इंडिया को बताया, "मैंने पहली बार उन्हें एक अभिनेता के रूप में तब देखा था जब वह मेरे बच्चों के साथ धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में थीं." मैं बिना किसी गलती के उसे इन लंबे मोनोलॉग्स को गाते हुए देखता था और यह इतना प्रभावशाली था कि मैं खुद से सोचता था, "वाह! मुझे आश्चर्य है कि क्या वह अभिनेता बनेगी?' और देखो, इतने वर्षों के बाद, वह यहां है."

स्कूल से जब हुईं सस्पेंड

एक वीडियो साक्षात्कार के दौरान सारा अली खान ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए इस घटना का जिक्र किया था और कहा था कि इस कारण उन्हें स्कूल से लगभग निलंबित कर दिया गया था! बहुत मुश्किल से उनकी कैंपस में वापसी हो पाई थी. आखिर क्यों भला, इस पर सारा ने हंसते हुए कहा कि "मैंने एक बार पंखे पर फेविकोल फेंक दिया और बोतल टूट गई, और हर जगह फेविकोल फैल गया.

मेकअप से वह पहला प्यार

मेकअप की दीवानगी के लिए सारा अली खान का पहला अनुभव प्रीति जिंटा से जुड़ा है. उन्हें प्रीति जिंटा के मेकअप के साथ खेलना याद है जब उनके पिता सैफ अली खान के साथ 2000 में वह क्या कहना के लिए शूटिंग कर रही थीं. सारा कहती हैं कि "मुझे याद है कि मैं उस दिन सेट पर गई तो सीधे प्रीति जिंटा के मेकअप रूम में गई और उसकी मेकअप टीम के साथ खूब मस्ती की. हर लिपस्टिक को आज़मा रही थी. यह बहुत मज़ेदार था."

और आज का मेकअप एडिक्शन

अच्छा मैनीक्योर किसे पसंद नहीं है? खान का मेकअप एडिक्शन आप नेलपेंट को कह सकते हैं. वह इसी प्रतिदिन और कभी कभी दिन में कई बार चेंज कर देती हैं. एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद कहा था कि "मुझे नेल पेंट का शौक है. मैंने केदारनाथ में गाने के हर शॉट में इसे बदल दिया है."

ब्यूटी के लिए घरेलू नुस्खे

सारा अपनी ब्यूटी के लिए पार्लर जाने की बजाय किचन में झांकना अधिक पसंद करती हैं. सारा का मानना है कि हमारी रसोई में सहजता से उपलब्ध चीजें हमारी स्किन केयर के लिए बेस्ट ऑप्शन है. ऐसा ही एक आसान तरीका है नाश्ते के बचे हुए फलों को फेस मास्क के रूप में उपयोग करना. बकौल सारा- "मैं ब्यूटी के लिए घरेलू नुस्खे की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं, इसलिए मैं अक्सर घरेलू उपचार अपनाती हूं. मलाई और शहद मेरे पसंदीदा हैं. मैं अपने चेहरे पर फल भी लगाती हूं, मां के ऐसे ही ब्यूटी टिप्स मेरे लिए भरोसेमंद हैं."

इंस्टाग्राम पर है सीक्रेट अकाउंट?

इंस्टाग्राम पर सारा अली खान खूब एक्टिव हैं और उनके फैंस को यह अच्छी तरह पता है. लेकिन कम ही लोगों को पता है कि सारा अली खान एक दूसरे गुप्त इंस्टाग्राम एकाउंट के माध्यम से अप्रतिबंधित ऑनलाइन स्टॉकिंग का भी आनंद लेती हैं, जैसा कि वोग इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया. इंटरनेट का आनंद लेने का यह तरीका बेशक आसान है. सारा का फंडा है- "दुनिया में कोई भी चीज़ उतनी ही गंभीर है जितना आप उसे रहने देते हैं. मैं ऐसे कमेंट नहीं पढ़ती जो मुझे परेशान करती हों."

चूड़ियों की दीवानी

यह बात आपने भी नोटिस की होगी कि सारा के हाथों में अक्सर चूड़ियां खनकती रहती हैं. एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद कहा कि "मैं अपने देश के जिस भी राज्य में जाती हूं वहां से जुनूनी तौर पर चूड़ियां खरीदती हूं. "

आध्यात्मिक यात्रा

सारा अली खान ने एक बार एक साक्षात्कार में साझा किया था, "मुझे अपने देश में आध्यात्मिक स्थानों पर जाना बहुत पसंद है." असम के गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर और राजस्थान के अजमेर में अजमेर शरीफ दरगाह की उनकी हालिया यात्रा सारा की इस पसंदगी को ही बयां करती हैं.

राकेश रमण

हालांकि देश के कई बड़े फिल्मकारों ने भी आदिवासी जन जीवन को आधार बनाकर कुछ फीचर फिल्म बनाई लेकिन आदिवासी जीवन और संस्कृति के मूल्यवान और उल्लेखनीय पक्ष अभी भी फिल्मों की पकड़ से दूर हैं. आदिवासी संस्कृति में देश दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है, जिसका अब तक सही संप्रेषण नहीं हो पाया है. बेशक झारखंड में बनी कुछ फिल्में आदिवासी जनजीवन की सार्थक प्रस्तुति करने में सफल रही हैं, लेकिन ये नाकाफी हैं.

फिल्मों में आदिवासी जनजीवन - एक अवलोकन

वैसे तो मुख्य धारा की जो भारतीय फीचर फिल्में हैं, उनमें आदिवासी जनजीवन को बहुत स्थान या कहें यथेष्ठ नहीं मिल पाया है परंतु यदि बात करें झारखंड की तो झारखंड की डॉ विनोद कुमार द्वारा निर्देशित और निर्मित पहली हिंदी फीचर फिल्म 'आक्रांत' हो या फिर स्थानीय भाषा नागपुरी की डी एन तिवारी द्वारा निर्मित पहली पिक्चर फिल्म 'सोना कर नागपुर' हो - दोनों की पृष्ठभूमि में आदिवासी जनजीवन का समावेश हुआ है और उनके किरदार के साथ-साथ उनके दृश्य भी आदिवासी पृष्ठभूमि को सफलतापूर्वक प्रस्तुत करते हैं.

मिथुन चक्रवर्ती अभिनित 'मृगया'

देश के कई बड़े फिल्मकारों ने भी आदिवासी जन जीवन को आधार बनाकर कुछ फीचर फिल्म बनाए. मिथुन चक्रवर्ती अभिनित 'मृगया' भी उनमें एक रही है. लेकिन आदिवासी जीवन और संस्कृति के मूल्यवान और उल्लेखनीय पक्ष अभी भी फिल्मों की पकड़ से दूर हैं.

कहां दिखता झारखंड!

झारखण्ड की फीचर फिल्म 'आक्रांत' की पीड़ा आदिवासी पृष्ठभूमि में ही गढ़ी गई है. लेकिन इसके बाद यदि भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर अशोक शरण द्वारा बनाई गई फिल्म 'उलगुलान' और फिर अन्य कुछ निर्देशकों द्वारा भी भगवान बिरसा मुंडा पर ही बनाए गए फिल्मों को छोड़ दें, तो आदिवासी पृष्ठभूमि पर फीचर फिल्मों की स्थिति झारखंड में न के बराबर ही दिखाई देती है. हां, अलबत्ता शॉर्ट फिल्में यहां काफी मात्रा में बनाई गई हैं. न सिर्फ हिन्दी बल्कि नागपुरी, संथाली, मुण्डारी, हो तथा खोरठा भाषा में भी बनने वाली लघु फिल्मों और वृत्त चित्रों में आदिवासी समाज, उनके विश्वास तथा उनके जीवन को दर्शाने का भरपूर प्रयास किया गया है. विशेषकर, स्वतंत्रता संग्राम के आदिवासी नायकों पर लघु फिल्में खूब बनी हैं. सराही गयी हैं और पुरस्कृत भी हुई हैं. कतिपय आदिवासी संस्कृतिकर्मियों के जीवन वृत्त को केन्द्र में रखकर भी फिल्में बनी हैं. कुछ जनजातीय तथा आदिम जनजाति के जीवन वृत्त को दर्शाती फिल्में भी बनायी गयी हैं.

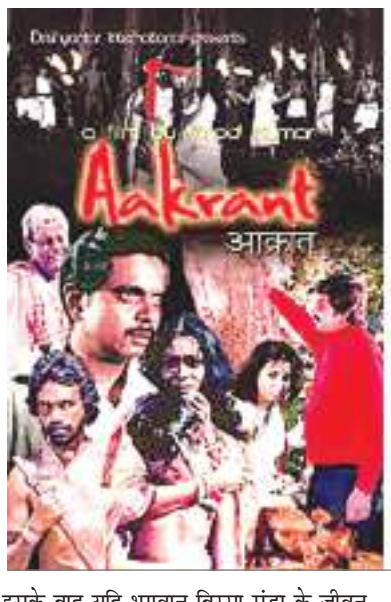

ये आदिवासी फिल्मकार सक्रिय

अब यदि झारखण्ड के आदिवासी फिल्मकारों की बात करें तो एक ओर बीजू टोप्पो, श्री लाल मुर्मू, दशरथ हांसदा, अनुराग लुगुन, सतीश मुण्डा जैसे आदिवासी पृष्ठभूमि के फिल्मकार कई लघु फिल्मों का निर्माण कर राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार पा चुके हैं तो अब सामान्य विषयों पर फीचर फिल्म लेकर दीपक लोहार, विनोद महली, अनमोल खलखो जैसे युवक भी सामने आये हैं.

बहरहाल चूंकि झारखण्डी जन जीवन में आदिवासी संस्कृति रची बसी है, अत: झारखण्ड में बनने वाली स्थानीय फिल्मों से आदिवासी पृष्ठभूमि के चित्रण को पृथक् नहीं किया जा सकता, तथापि देश दुनिया के लिए आदिवासी समाज के पास देने को अभी बहुत कुछ है. आवश्यकता है कि फिल्म जैसे सशक्त माध्यम से उनको पकड़ा, सहेजा और समेटा जाय.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक की तैयारी के कारण काफी समय से सर्जरी टाल रहा था, अब फैसला लेना होगा : नीरज चोपड़ा

पीएम ने नीरज को दी बधाई, कहा- आप तो स्वयं गोल्ड हैं

भाषा। पेरिस

भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट का खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें यहां प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है. नीरज पेरिस खेलों से पहले जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आये हैं. पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा को फोन कर सिल्वर मेडल के लिए बधाई दी. साथ ही उनके चोट के बारे में पूछा. साथ ही कहा कि मन से गोल्ड निकाल दीजिए, आप तो स्वयं गोल्ड हैं.

नीरज ने हालांकि गुरुवार को सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया. नीरज ने कहा, मेरे दिमाग में काफी कुछ चल रहा था. जब मैं थ्रो कर रहा होता हूं तो मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है. मैं चोटिल नहीं होना चाहता था. जब भी मैं थ्रो करने जा रहा था तो आपने देखा होगा कि मेरी गति कम थी. उन्होंने 2023 विश्व चैम्पियनशिप का जिक्र करते हुए कहा, डॉक्टर ने मुझे पहले ही सर्जरी करने के लिए कहा था लेकिन मेरे पास विश्व चैंपियनशिप से पहले या बाद में इतना समय नहीं था. ओलंपिक की तैयारी में बहुत समय लगता है. अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं होने के बाद भी नीरज लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय बने. उनसे पहले सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) ने यह कारनामा किया है. नीरज ने निराशा भरे लहजे में कहा, मैंने अब भी इसे जारी रखा है. खेल में यह अच्छी स्थिति नहीं होती है. आप अगर लंबा करियर चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा. इस स्तर की प्रतियोगिताओं के कारण कई बार आप निर्णय नहीं ले सकते. अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक में भी सुधार करेंगे.

सिल्वर मेडल जीतने के बाद पेरिस में पीटी उषा से मिलते नीरज चोपड़ा.

ओलंपिक में फिर से मेडल जीतने पर राष्ट्रपति, पीएम ने कहा

उत्कृष्टता का साकार रूप हैं नीरज चोपड़ा

भाषा। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के विभिन्न वर्गों के लोगों ने नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने पर बधाई देते हुए भाला फेंक के इस स्टार एथलीट को उत्कृष्टता का साकार रूप बताया. टोक्यो ओलंपिक के चैंपियन चोपड़ा ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में रजत पदक जीता. वह लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं. राष्ट्रपति मुर्मू ने उम्मीद व्यक्त की कि चोपड़ा आगे भी देश के लिए पदक जीतेंगे. राष्ट्रपति ने कहा, नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने और इतिहास रचने पर हार्दिक बधाई. वह लगातार दो ओलंपिक खेलों में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं.

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत कर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर ने कहा, आगे और आगे. उन्होंने एक बार फिर से कर दिखाया और इस बार पेरिस में. नीरज चोपड़ा आप वास्तव में लाखों में एक हैं. ओलंपिक में एक और पदक के लिए बधाई. लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के प्रमुख गगन नारंग ने कहा, हार्ट ऑफ गोल्ड ने आज हमें उम्मीद की किरण दी. नीरज चोपड़ा आपकी कड़ी मेहनत, समर्पण, दृढ़ता और सबसे ऊपर विनम्रता एक ऐसी चीज है जिसका सभी खिलाड़ियों को अनुकरण करने की जरूरत है.

लोकसभा अध्यक्ष और राहुल गांधी ने भी बधाई दी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में प्रश्नकाल आरंभ होने से पहले पेरिस ओलंपिक में शुक्रवार को भारत को मिले इन दो पदकों को उल्लेख किया. उन्होंने कहा, आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. इससे युवाओं को प्रेरणा मिलेगी. बिरला ने कहा, हम खिलाड़ियों को उनकी भावी सफलता के लिए शुभकामना देते हैं. इसके बाद सदस्यों ने मेज थपथापाकर भारतीय खिलाड़ियों की सराहना की .कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आप हमेशा ही चैंपियन हैं. नीरज चोपड़ा, आपकी अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी चोपड़ा की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी. गांधी ने एक्स'पर कहा, पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतने पर बधाई. उन्होंने कहा, आपने एक बार फिर भारत को बेहद गौरवान्वित किया है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर कहा, नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर से ओलंपिक में भारत का झंडा बुलंद करते हुए रजत पदक हासिल किया. देश के लिए अत्यंत खुशी और गौरव का क्षण है.

रजत पदक से भी बहुत खुश हैं नीरज चोपड़ा की मां, कहा-

नीरज के लिए खुश हूं, नदीम भी हमारा ही बच्चा है

भाषा। नयी दिल्ली

अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज चोपड़ा की मां सरोज देवी ने पेरिस में गत चैंपियन भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को हराकर ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके 'बच्चा' जैसा है. नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर के रिकॉर्ड ओलंपिक प्रयास से स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि नीरज ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता. नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए. सरोज ने पानीपत के खंडरा गांव में 'पीटीआई वीडियो' को दिये इंटरव्यू में कहा, हम रजत पदक से बहुत खुश हैं, जिसने स्वर्ण पदक जीता वह भी हमारा बच्चा है और जिसने रजत पदक प्राप्त किया वह भी हमारा बच्चा है... सभी एथलीट हैं, सभी कड़ी मेहनत करते हैं. उन्होंने गुरुवार देर रात को दिये इस इंटरव्यू में कहा, नदीम भी अच्छा है, वह अच्छा खेलता है, नीरज और नदीम में कोई अंतर नहीं है. हमें स्वर्ण और रजत पदक मिला, हमारे लिए कोई अंतर नहीं है. नीरज और नदीम दोनों प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं. नीरज का 'देशी खाने' के प्रति लगाव जगजाहिर है.

सरोज ने कहा, उसने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया. हम उसका स्वागत 'चूरमा' से करेंगे जो उसका पसंदीदा है. मुझे खुशी है, लोग पटाखे जला रहे हैं, हम लड्डू बना रहे हैं.

नीरज भी मेरे बेटे की तरह : उधर, अरशद नदीम की मां ने नीरज के लिए कहा, वो भी मेरे बेट जैसें हैं. वो नदीम के दोस्त भी हैं और भाई भी. हार और जीत किस्मत की बात है. वो भी मेरे बेटे हैं. अल्लाह मियां उन्हें भी खुशियां दें. वो दोनों भाई हैं और दोनों के लिए दुआ करती हूं.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. अमेरिका	30	38	35	103
2. चीन	30	25	19	74
3. ऑस्ट्रेलिया	18	14	14	46
4. फ्रांस	14	19	22	55
5. ब्रिटेन	14	17	21	52
6. जापान	13	8	13	34
7. द. कोरिया	13	8	7	28
8. नीदरलैंड	11	6	8	25
9. इटली	10	11	9	30
10. जर्मनी	10	9	6	25
64. भारत	0	1	4	5

पेरिस ओलंपिक समापन के पहले आ सकता है विनेश पर फैसला

पेरिस। विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक्स में डिसक्वालीफिकेशन के मामले पर अपील की थी. उनके मामले को लेकर 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स' (सीएएस) ने अहम अपडेट दिया है. सीएएस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए बताया है कि विनेश के मामले को लेकर ओलंपिक खत्म होने से पहले फैसला आ जाएगा. सीएएस ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, इस मामले पर सुनवाई होगी और ओलंपिक्स गेम्स खत्म होने से पहले फैसला आने की उम्मीद है. यह ऐसा मामला है कि इस पर एक घंटे के अंदर फैसला नहीं लिया जा सकता है.

11 मुकाबलों में पहला अवसर है जब अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा को पीछे छोड़ा

नीरज से प्रतिद्वंद्विता अच्छी है, युवा प्रेरित होते हैं : नदीम

भाषा। पेरिस

पेरिस ओलंपिक की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत पर इतिहास रचने वाले पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम इस बात से खुश हैं कि भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि उनका मानना है कि इससे दोनों देशों के युवा प्रेरित होते हैं. नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर भाला फेंक कर ओलंपिक का नया रिकार्ड बनाने के साथ स्वर्ण पदक जीता. चोपड़ा ने भी इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89.45 मीटर की दूरी नापकर रजत पदक हासिल किया. यह 11 मुकाबलों में पहला अवसर है जबकि नदीम ने चोपड़ा को पीछे छोड़ा. व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला पाकिस्तानी खिलाड़ी बनने के बाद 27 वर्षीय नदीम ने पत्रकारों से कहा, जब क्रिकेट मैच या अन्य खेलों की बात होती है तो निश्चित तौर पर उसमें प्रतिद्वंद्विता शामिल होती है, लेकिन यह दोनों देशों के लिए अच्छी बात है जो हमारा और खेल के अपने आदर्श खिलाड़ियों का अनुसरण करके खेलों से जुड़ना चाहते हैं और अपने देश का नाम रोशन करना चाहते हैं. वह 1988 के सियोल ओलंपिक में मुक्केबाज हुसैन शाह के मिडिल-वेट में कांस्य पदक जीतने के बाद पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत पदक विजेता भी हैं.

नदीम और चोपड़ा मैदान पर कड़े प्रतिस्पर्धी होने के बावजूद मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं. कुछ महीने पहले जब नदीम ने एक अच्छा भाला खरीदने के लिए सोशल मीडिया पर धन राशि जुटाने की अपील की तो चोपड़ा ने भी उनका समर्थन किया था. नदीम ने कहा, मैं अपने देश का आभारी हूं. हर किसी ने मेरे लिए दुआ की और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी उम्मीद थी. पिछले कुछ समय से मैं घुटने की चोट से परेशान था लेकिन इससे उबरने के बाद मैंने अपनी फिटनेस पर काम किया. मैं कड़ी मेहनत जारी रखूंगा. मेरा लक्ष्य इससे भी दूर भाला फेंकना है.

नदीम ने कहा कि पहले वह क्रिकेटर बनना चाहते थे और उन्होंने टेबल टेनिस में भी हाथ आजमाया था. मैं पहले क्रिकेटर था और मैंने टेबल टेनिस भी खेली है और मैं एथलेटिक्स की अन्य प्रतियोगिताओं में भी भाग लेता था, लेकिन मेरे कोच ने कहा कि जिस तरह की मेरी शारीरिक बनावट है उससे मैं भाला फेंक का अच्छा एथलीट बन सकता हूं. इसके बाद 2016 से मैंने अपना पूरा ध्यान भाला फेंक पर लगाया. मैं एक किसान परिवार से आता हूं और जब भी मैं पदक जीतता हूं तो अपने अतीत को याद करता हूं.

संकल्प और समर्पण की मिसाल हैं अरशद नदीम

भाषा। कराची

पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल बोर्ड जब यह तय कर रहा था कि पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाले सात खिलाड़ियों में से किसका खर्च वहन करना है तो उसे केवल अरशद नदीम और उनके कोच ही इस लायक लगे. नदीम और उनके कोच सलमान फैयाज बट भाग्यशाली थे, जिनके हवाई टिकटों का खर्च पीएसबी (पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड) ने वहन किया. पंजाब क्षेत्र के खानेवाल गांव के इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने गुरुवार को भाला फेंक में नए ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीत कर उन पर दिखाए गए भरोसे को सही ठहराया. छह फुट तीन इंच लंबे नदीम ने ऐसा समय भी देखा था जब उनके पास अपने लिए भाला खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे. नदीम के पिता मोहम्मद अशरफ ने पीटीआई से कहा, लोग नहीं जानते हैं कि अरशद इस मुकाम तक कैसे पहुंचा. उसके दोस्त, गांव के लोग और रिश्तेदार उसके लिए चंदा जुटाते थे, ताकि वह अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए दूसरे शहरों की यात्रा कर सके. पाकिस्तान ने कुल सात

खिलाड़ियों को पेरिस भेजा और उनमें से छह अपनी-अपनी स्पर्धाओं के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे. नदीम के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के बाद से ही उनके घर में जश्न मनाया जाने लगा था व उनके माता-पिता गांव वालों में मिठाई बांटने लग गए थे. नदीम पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्होंने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक और राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 90.18 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था. अपने करियर में कोहनी, घुटने और पीठ की समस्याओं से जूझने और दूसरे देश के खिलाड़ियों की तरह सुविधाएं नहीं होने के बावजूद नदीम ने यह कारनामा किया.

पेरिस ओलंपिक समापन समारोह

मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे श्रीजेश

भाषा। पेरिस

मशहूर हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश रविवार को यहां होने वाले ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में स्टार निशानेबाज मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे. भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की. आईओए ने बयान में कहा, भारतीय ओलंपिक संघ को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पेरिस ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश संयुक्त ध्वजवाहक होंगे. आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व की भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे. श्रीजेश ने भारतीय हॉकी टीम को ओलंपिक खेलों में लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी. वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह संन्यास ले लेंगे.

हॉकी खिलाड़ी प्रसाद को एक करोड़ का इनाम मिलेगा

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार ने शुक्रवार को हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की. प्रसाद ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम के सदस्य हैं. भारत ने गुरुवार को 52 साल में पहली बार स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के निवासी प्रसाद को बधाई दी. प्रसाद से टेलीफोन पर बातचीत में यादव ने कहा, यह एक अच्छा प्रदर्शन था. पूरा देश आप सभी से खुश है. इस सफलता के लिए आपको और पूरी टीम को बधाई. मध्यप्रदेश सरकार इनाम के तौर पर आपके खाते में एक करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित करेगी.

जीत की खुशी ओलंपिक में ब्रॉन्ज जीत के बाद श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लिया

श्रीजेश के लिए केरल का पारंपरिक खाना बनाऊंगी : अनीश्या

भाषा। नयी दिल्ली

लाखों भारतीयों की तरह पीआर श्रीजेश की प्रशंसक अनीश्या को मैदान पर भारतीय हॉकी की इस दीवार की कमी खलेगी लेकिन पत्नी होने के नाते उन्हें खुशी है कि हमेशा घर से दूर रहने वाले पति का अधिक समय उन्हें अब मिल सकेगा. पेरिस ओलंपिक में स्पेन को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने के साथ ही महान गोलकीपर श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया. उनकी पत्नी डॉक्टर अनीश्या ने केरल से भाषा से बातचीत में कहा, मैं उनकी पत्नी ही नहीं बल्कि प्रशंसक भी हूं. प्रशंसक होने के नाते दुखी हूं कि मैदान पर उन्हें नहीं देख सकूंगी लेकिन पत्नी को खुशी है कि अब पति का अधिक समय मिल सकेगा, तो खुशी और गम दोनों एक साथ हैं. यह पूछने पर कि भारत के लिये दो ओलंपिक पदक जीतने में सूत्रधार रहे श्रीजेश का स्वागत वह कैसे करेंगी, उन्होंने कहा कि वह उनके लिये केरल का पारंपरिक खाना बनायेंगी. उसे केरल का पारंपरिक खाना बहुत पसंद है. शाकाहारी और मांसाहारी दोनों. उसे बहुत याद आ रहा होगा और यहां आते ही

मैं सबसे पहले वही पकाऊंगी. हमने जश्न के बारे में अभी सोचा नहीं है लेकिन उनके भाई कनाडा से सपरिवार यहां आये हैं और पूरा परिवार एकत्र है. हमारे लिये यह बड़ा पल है और अब उनका इंतजार है. अनीश्या ने कहा, कांस्य पदक का मैच देखने पूरा घर भरा हुआ था. बहुत लोगों को पता नहीं है कि पेरिस ओलंपिक के लिये श्रीजेश तीन खास स्टिक लेकर गए थे जिनमें से दो पर उनके बच्चों अनुश्री और श्रियांश का और एक पर पत्नी का नाम लिखा था. उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिये ये तीन स्टिक रखी थी. एक पेनल्टी शूटआउट के लिए जिस पर मेरा पसंदीदा रंग और नाम था और दो बाकी मैचों के लिए जिस पर बच्चों के नाम थेय ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में शूटआउट में उन्होंने मेरे नाम वाली स्टिक का इस्तेमाल किया था. भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, अभी तक फोकस पेरिस ओलंपिक पर ही था लेकिन अब आगे के बारे में फैसला लेंगे. भारतीय हॉकी की युवा ब्रिगेड के रोलमॉडल श्रीजेश से उन्होंने क्या सीखा, यह पूछने पर उन्होंने कहा, मैंने उनसे सकारात्मकता सीखी है. वह हमेशा कहते हैं कि खेल में जीत हार और जिंदगी में उतार चढाव आते रहते हैं लेकिन अतीत को भूलकर आगे बढ़ना ही समझदारी है और शायद यही उनकी सफलता का राज भी है.

निशानेबाजी टीम स्पर्द्धा में ब्रॉन्ज जीतने वाले मनु भाकर-सरबजोत ने हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी से मुलाकात की.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दिन खुशनुमा और शाम सामान्य होगा. जीवनसाथी से अनबन हो सकती है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें.

वृषभ समय सामान्य है. मौसमी रोग से बचें. असमंजस की स्थिति बनेगी. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. गायत्री मंत्र का जाप करें.

मिथुन संतान के प्रति जिम्मेवारी पूर्ण होगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. समय का उपयोग होगा और लाभ का वातावरण बनेगा.

कर्क मानसिक शांति की आवश्यकता है. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आपके कार्य के प्रभाव से आय बनी रहेगी.

सिंह कार्य में गति मिलेगी, पर बेकार की बहस से बचें. कोई बड़ा कार्य होगा. पराक्रम का लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कन्या समय बहुत ही अच्छा है. धन के आगमन से मन खुश रहेगा. साथ ही व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है.

तुला मन प्रसन्न होगा. बाहर की यात्रा बन सकती है. सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. इत्र दान करें.

वृश्चिक अधिक खर्च से मन खिन्न होगा. निद्रा में दिक्कत होगी. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. हनुमानजी का पूजा ध्यान करें.

धनु परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी.

मकर पिता का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है.

कुंभ शनि को प्रसन्न करें. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं.

मीन चोट-मोच से बचना चाहिए. साथ ही बेकार के बहस से बचें. दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. नए कार्य को लेकर जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें.

बांग्लादेश में हिंदु पर अत्याचार पर अधिवक्ता संघ ने विरोध जताया

लातेहार। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार का अधिवक्ता संघ, लातेहार ने विरोध किया है और इस मामले मे पीएम से हस्तक्षेप करने की मांग की है.लातेहार जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजमणि प्रसाद ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा की आड़ में हिन्दुओं पर चुन चुन कर हमले हो रहे हैं. हिंदु मंदिर, दुकान व घरों को निशाना बनाया जा रहा है. इस मामले में प्रधानमंत्री को हस्तक्षेप करना चाहिए. अधिवक्ता राजीव रंजन पांडेय ने कहा कि संघ के माध्यम से ह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते है कि तत्काल वह पड़ोसी देश बांग्लादेश पर कोई एक्शन ले, ताकि हिन्दुओं की रक्षा की जा सके. इस दौरान कई अधिवक्ता शामिल थे.

सूर्या सिंह ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का किया विरोध

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद के युवा नेता सूर्या सिंह ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है. अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार मानवीयता के खिलाफ हैं, और इसके बावजूद दुनिया इस मुद्दे पर मौन है. उन्होंने भारत के विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जहां वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है, वहीं बांग्लादेशी हिंदुओं के प्रति हो रहे धार्मिक उत्पीड़न पर किसी ने अब तक एक शब्द तक नहीं कहा उनके इस बयान के बाद, हुसैनाबाद क्षेत्र के लोगों में भी इस मुद्दे को लेकर जागरूकता बढ़ी है.

स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को मनेगा विभाजन विभीषिका दिवस

11 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम : भाजपा

- 11, 12 व 13 अगस्त को विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्रा होगी

ब्यूरो। रांची

भारतीय जनता पार्टी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित करेगी. भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान हर घर तिरंगा कार्यक्रम के क्षेत्रीय प्रभारी डॉ गुरु प्रकाश पासवान ने कहा, यह कार्यक्रम अब हर भारत वासी का कार्यक्रम बन चुका है. यह राष्ट्रीय भाव को जागृत करने का कार्यक्रम है. उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तीन प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होंगे. इसके लिए प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक की टोली का गठन किया गया है. प्रदेश टीम के संयोजक प्रदेश महामंत्री व सांसद प्रदीप वर्मा है, जबकि विनय जायसवाल, शशांक राज, रघुराज पांडे, बबन गुप्ता व लक्ष्मी कुमारी को सह संयोजक बनाया गया है.

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते भाजपाई.

डॉ पासवान ने कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि युवा मोर्चा के नेतृत्व में 11, 12 व 13 अगस्त को विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी, जिसमे हजारों युवा तिरंगा ध्वज के साथ शामिल होंगे.आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा राज्यभर में स्थित युद्ध स्मारक एवम शहीदों की प्रतिमाओं की सफाई करते हुए प्रतिमाओं पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की जाएगी.

पासवान ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस आयोजित होंगे. देश की वर्तमान पीढ़ी को जानना यह आवश्यक है कि भारत के विभाजन के कारण कैसे 20 लाख लोगों की हत्याएं हुई और दो करोड़ से ज्यादा लोगो को अपना घर बार छोड़कर रिफ्यूजी बनने को विवश होना पड़ा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आयोजित चौथा कार्यक्रम है, जिसमें भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव, घर-घर तक हर घर तिरंगा लगाने को प्रेरित करेंगे. प्रेसवार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, अविनेश कुमार सिंह, बबन गुप्ता एवम विनय जायसवाल भी उपस्थित रहे.

जादूगोड़ा : बाबूलाल ने शुभम संदेश अखबार की प्रशंसा की

अखबार पढ़ते झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबूलाल सोरेन.

संवाददाता। जादूगोड़ा

झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबूलाल सोरेन ने जादूगोड़ा अस्पताल चौक पर स्थित पार्टी कार्यालय में फुर्सत के वक्त लोकप्रिय अखबार शुभम संदेश पढ़ा व पूरे प्रदेश की खबर को एक ही अखबार में समेटने व पूरे घाटशिला विधानसभा की खबर को जगह देने पर खबरों की प्रशंसा की.

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में यह अखबार आदिवासियों की पीड़ा को मजबूती से उठाएगी. जिले में अव्वल जगह बनाएगी.

मंत्री ने किया 51 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा का वितरण

वन अधिकार पट्टा वितरण में नंबर वन बना गढ़वा : मंत्री

संवाददाता। गढ़वा

वन अधिकार पट्टा वितरण में गढ़वा पूरे राज्य में नंबर वन गया है. शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने समाहरणालय के सभागार में अबुआ बीर अबुआ दिशोम वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन पट्टा का वितरण किया गया. इस दौरान मंत्री ने 39 हजार एकड़ से अधिक 51 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा का वितरण किया. इससे पूर्व मंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. मौके पर मंत्री ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि दिशोम गुरू शिबु सोरेन ने जिस सोच के साथ झारखंड राज्य को अलग कराया था, उनका सपना अब हेमंत सोरेन पूरा कर रहे हैं. उन्हांने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस 1994 से मनाया जा रहा है. लेकिन झारखंड में वर्ष 2013-14 में हेमंत सोरेन ने इसकी शुरूआत की. मंत्री ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत परंपरागत रूप से वनों पर आश्रित रहने वाले अनुसूचित जनजाति तथा अन्य समुदाय के लोगों के जीवन यापन तथा दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वन भूमि पर साग सब्जी, तेंदूपत्ता, सेरोई, सुखी लकड़ियां, मछली, लघु वन उपज के संग्रहण के साथ-साथ खेल का मैदान, शमशान, कब्रिस्तान, सरना अथवा पूजा स्थल आदि के अति अनिवार्य आवश्यकता को विधिक मान्यता प्रदान करने के लिए झारखंड सरकार ने अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान की शुरुआत पिछले वर्ष नवंबर 2023 में की गई थी. इसके तहत वर्ष 2024 में पूरे राज्य में वन पर परंपरागत रूप से निर्भर अनुसूचित जनजाति एवं अन्य समुदायों को उनके हक और अधिकार को मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य के सभी 24 जिलों में प्रथम चरण में अधिक से अधिक संख्या में सामुदायिक वन अधिकार पट्टा को वितरित करने का आदेश मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिया था. मंत्री ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत गढ़वा जिले में वर्ष 2009 से दिसंबर 2023 तक 1224 व्यक्तिगत पट्टा एवं 320 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा 18286.21 एकड़ का वितरण किया गया था. जबकि आज विश्व आदिवासी दिवस पर वर्ष 2024-25 में कुल 51 सामुदायिक वन अधिकार पट्टा कुल 39 हजार एकड़ से अधिक का वितरण किया गया. वनों पर परंपरागत रूप से आश्रित रहने वाले अनुसूचित जनजाति तथा अन्य समुदायों को उनके वनअधिकार को मान्यता देने का यह अब तक का सबसे बड़ा कदम है. जिसमें गढ़वा जिले ने पूरे राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है. मौके पर डीसी शेखर जमुआर ने भी विचार व्यक्त किया. मौके पर एसपी दीपक पांडेय, डीडीसी पशुपति नाथ मिश्रा, डीएफओ दक्षिणी, जिला कल्याण पदाधिकारी, विभिन्न क्षेत्रों से आये लाभुक सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

लाभुकों को वन पट्टा वितरित करते मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

रिवॉल्वर के साथ युवक गिरफ्तार

संवाददाता। केतार

केतार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अवैध रिवॉल्वर के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. गिरफ्तार युवक केतार थाना क्षेत्र के पचाडुमर निवासी विश्वनाथ मेहता का 24 वर्षीय पुत्र रामलाल मेहता है.

इसकी जानकारी डीएसपी सतेंद्र सिंह, पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह व थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने संयुक्त रूप से प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कही. उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात्रि पुलिस गश्ती के दौरान परती रोड में बतो गांव के समीप सूर्य मंदिर के समीप बाइक से परती की ओर जा रहे रामलाल मेहता को रोक कर तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान उसके पास एक अवैध रिवॉल्वर बिना कागजात के मिला. हालांकि पुलिस को देखकर सकपकाते हुए वो पीछे भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे शस्त्र बल ने धर दबोचा. पूछताछ के दौरान रामलाल मेहता ने बताया कि हम अपने पास रखते है और कभी कभार इसे लेकर चलते है. थाना प्रभारी ने बताया कि अनुसंधान अभी जारी है, इसमें और कितने लोग संलिप्त है बहुत जल्द उजागर किया जाएगा. ऐसा लग रहा है कि ये अपराधी अवैध हथियार का सप्लाई करता है. जिसे आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर धारा न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया गया है. मौके पर रोशन तिग्गा, सअनि अमरेंद्र सहित थाना के पुलिस बल मौजूद थे.थाना प्रभारी ने बताया कि अनुसंधान अभी जारी है, इसमें और कितने लोग संलिप्त है बहुत जल्द उजागर किया जाएगा. ऐसा लग रहा है कि ये अपराधी अवैध हथियार का सप्लाई करता है. जिसे आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर धारा न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया गया है. मौके पर रोशन तिग्गा, सअनि अमरेंद्र सहित थाना के पुलिस बल मौजूद थे.थाना प्रभारी ने बताया कि अनुसंधान अभी जारी है, इसमें और कितने लोग संलिप्त है बहुत जल्द उजागर किया जाएगा. ऐसा लग रहा है कि ये अपराधी अवैध हथियार का सप्लाई करता है. जिसे आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर धारा न्यायिक हिरासत गढ़वा भेज दिया गया है. मौके पर रोशन तिग्गा, सअनि अमरेंद्र सहित थाना के पुलिस बल मौजूद थे.

10 अगस्त से खेलो इंडिया वुमेन लीग का आयोजन रांची में

रांची । रांची के खेलगांव के साइक्लिंग वेलोडर्म में 10 अगस्त से दो दिवसीय खेलो इंडिया वुमेन लीग (ईस्ट जोन) का आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम कि जानकारी देते हुए झारखंड साइक्लिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक ने बताया कि इस लीग का उद्घाटन शनिवार को भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे. कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि कांके विधायक समरी लाल, इंडियन बैंक के निदेशक बालमुकुंद सहाय मौजूद रहेंगे. इस दौरान रांची साई के सभी पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे.

पेज एक का शेष

सभापति जगदीप धनखड़ से आर-पार...

क्यों नेम कर देंगे सर : सभापति ने कहा कि कोई इश्यू है, तो आप लिखित में दीजिए. भड़के सभापति ने जयराम रमेश को नेम करने की चेतावनी दी. इस पर अजय माकन ने कहा कि क्यों नेम कर देंगे सर, एक बात जो विपक्ष के नेता के साथ हुई वह बताने के लिए नेम कर देंगे. आप कहते हैं- हंस क्यों रहे हैं, मुस्कुरा क्यों रहे हैं, बैठे क्यों हैं. हाथ जोड़ कर कह रहे हैं प्लीज ऐसे मत कीजिए.

आप सेलिब्रिटी होंगी लेकिन डेकोरम मानना पड़ेगा : विपक्ष की तरफ से जया बच्चन ने कहा, मैं एक एक्टर हूं और बॉडी लैंग्वेज, एक्सप्रेशन समझती हूं. मुझे माफ करिएगा सर, आपकी जो टोन है, ठीक नहीं है. हम लोग कलीग हैं, आप वहां हैं. आपकी टोन अस्वीकार्य है. इस पर भड़के सभापति ने कहा कि जया जी आपने महान उपलब्धि हासिल की है. आप जानती हैं कि एक एक्टर, डायरेक्टर का विषय है. उन्होंने कहा कि मैं हर रोज दोहराना नहीं चाहता. सभापति ने कहा कि हर दिन आपकी स्कूलिंग करना नहीं चाहता. आप मेरी टोन को लेकर बात कर रही हैं? बहुत अधिक है. मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा. उन्होंने कहा कि आप कोई भी हों, आपको डेकोरम मानना पड़ेगा. आप सेलिब्रिटी होंगी, लेकिन डेकोरम मानना पड़ेगा.

वक्फ बिल पर जेपीसी गठित

राज्यसभा से ये सदस्य नामित : राज्यसभा से इस समिति में बृजलाल, मेधा विश्राम कुलकर्णी, गुलाम अली, राधामोहन दास अग्रवाल (सभी भाजपा), सैयद नासिर हुसैन (कांग्रेस), मोहम्मद नदीमुल हक (टीएमसी), वी विजय साई रेड्डी (वाईएसआर कांग्रेस), एम मोहम्मद अब्दुल्ला (द्रमुक), संजय सिंह (आप) और डी वीरेंद्र हेगड़े (मनोनीत) को शामिल किया गया है.

मनीष सिसोदिया को सशर्त मिली जमानत...

साथ ही ये भी कहा कि इस मामले में ज्यादातर सबूत भी जुटाए जा चुके हैं, इसलिए उनके साथ छेड़छाड़ करने की कोई संभावना नहीं है. हालांकि, गवाहों को प्रभावित करने या डराने के मामले में उनपर शर्तें लगाई जा सकती हैं. सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को 10 लाख के मुचलके पर जमानत दी है. साथ ही दो बड़ी शर्तें भी लगाई हैं. पहली शर्त ये है कि उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा. और दूसरी शर्त ये कि उन्हें हर सोमवार और गुरुवार को थाने में जाकर हाजिरी लगानी होगी.

सीबीआई-ईडी की अपील खारिज : फैसला सुनाए जाने के बाद सीबीआई और ईडी की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल मामले की तरह ही शर्तें लगाने का अनुरोध किया था. एएसजी राजू ने कोर्ट से अपील की थी कि केजरीवाल की तरह ही सिसोदिया पर सचिवालय जाने पर रोक लगाई जाए. हालांकि, कोर्ट ने इस अपील को खारिज कर दिया.

हिजाब पर ही बैन क्यों?

अब इस मामले की अगली सुनवाई नवंबर में होगी. बता दें, इससे पहले हाईकोर्ट ने 26 जून को चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी के एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज के प्रतिबंध वाले फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था. साथ ही कहा था कि ऐसे नियम छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं.

18 नवंबर तक मांगा जवाब : पीठ ने चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी को नोटिस जारी किया और 18 नवंबर तक जवाब मांगा. उन्होंने कहा, छात्राओं को यह आजादी होनी चाहिए कि वे क्या पहनें और कॉलेज उन पर दबाव नहीं डाल सकता. मुस्लिम छात्रों के लिए ड्रेस कोड को लेकर उठे नए विवाद के केंद्र में कॉलेज प्रशासन से पीठ ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप अचानक यह जानकर जाग जाते हैं कि देश में कई धर्म हैं. अगर कॉलेज का इरादा छात्रों की धार्मिक आस्था को उजागर नहीं करने का है, तो कॉलेज ने ''तिलक'' और ''बिंदी'' पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया. पीठ ने शैक्षणिक संस्था की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान से पूछा, क्या छात्रों के नाम उनकी धार्मिक पहचान का खुलासा नहीं करेंगे? अदालत ने हालांकि कहा कि कक्षा के अंदर लड़कियों द्वारा बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती है. अदालत ने आगे कहा कि बुर्का, हिजाब पर उसके अंतरिम आदेश का दुरूपयोग नहीं किया जाना चाहिए. मुंबई कॉलेज को दुरूपयोग के मामले में अदालत का दरवाजा खटखटाने की स्वतंत्रता दी गई है. जैनब अब्दुल कय्यूम सहित याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस और वकील अबीहा जैदी ने कहा कि प्रतिबंध के कारण छात्राएं कक्षाएं नहीं ले पा रही हैं.

शाह ने बनाई कमेटी

हिंदू और अल्पसंख्यक डर के साए में जी रहे : बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद उपद्रवी हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं. इन बिगडे हालातों से निपटने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने ये साफ कर दिया है कि मोदी सरकार हरसंभव कोशिश करेगी, जिससे बांग्लादेश में भारतीय और हिंदू समुदायों के हितों की रक्षा की जा सके. इस समिति को खासतौर से भारत-बांग्लादेश बार्डर पर सुरक्षा और स्थिति पर नजर बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. यह कदम हाल ही में बांग्लादेश में मची उथल-पुथल के बीच उठाया गया है.

खबरें बिहार की

ट्रेन के आगे कूदी पत्नी, बचाते वक्त पति की मौत, अस्पताल में महिला ने भी दम तोड़ा

संवाददाता। जमुई

जमुई में घरेलू विवाद को लेकर एक महिला चलती ट्रेन के आगे कूद गई, जिसे बचाने के दौरान पति की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई. परिजनों द्वारा महिला को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां उसने भी दम तोड़ दिया. मामला किऊल-जसीडीह रेलखंड के टेलवा बाजार हॉल्ट का है. मृतकों की पहचान झाझा थानाक्षेत्र के बलियाडीह गांव निवासी कृष्णा कुमार (24) और उसकी पत्नी सोनी कुमारी (20) के रूप में हुई है.

जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद चल रहा था, जिससे नाराज सोनी कुमारी एक सप्ताह पूर्व अपने मायके बांका जिले के कठहन बगांव गई हुई थी. उसे मनाने के लिए उसका पति दो दिन पूर्व अपने ससुराल कठहन गया था. तभी पति को देख पत्नी आग बबूला हो गई. फिर अपने छह महीने के बच्चे को लेकर गुरुवार की शाम वह जमुई जिले के सिमुलतला थानाक्षेत्र के सियांचक गांव में रिश्तेदार के यहां आ गई थी. उसके पीछे-पीछे उसका पति भी सियांचक आ गया था.

घटनास्थल पर लगी भीड़.

वहीं, शुक्रवार की सुबह सोनी अपने बच्चे को लेकर बलियाडीह जाने की बात कह कर टेलवा हॉल्ट ट्रेन पकड़ने के लिए पहुंची थी. तभी वह बच्चे को प्लेटफॉर्म पर बैठाकर हावड़ा रक्सौल ट्रेन के आगे कूद गई. इस दौरान उसे बचाने के दौरान उसके पति कृष्णा कुमार की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि उसकी पत्नी सोनी कुमारी का एक पैर और एक हाथ कट गया. उसके बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उसे इलाज के लिए झाझा रेफरल अस्पताल ले जाया गया. जहां इलाज के दौरान सोनी की भी मौत हो गई. इधर, घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

दोस्त ने फोन पर बुलाया और पीट-पीटकर मार डाला

नालंदा । नालंदा से एक सनसनीखेज मामला शुक्रवार की सुबह सामने आया, जहां बिंद थाना इलाके के नौरंगा गांव में एक युवक की हत्या कर शव को गांव से एक किलोमीटर दूर फेंक दिया गया. शुक्रवार सुबह शव को बरामद किया गया है. मृतक की पहचान राजेश केवट के 18 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार के रूप में हुई है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. इधर, घटना के बाद परिवार वालों में कोहराम मचा है. पुलिस ने मृतक के एक दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, घटना के संबंध में बताया जाता है कि दीपक रात में खाना खाने के बाद सोने गया मगर अचानक उसे किसी ने फोन कर बुलाया फिर दीपक अंधेरे में चला गया, मगर फिर वो वापस नहीं आया. देर रात तक खोजबीन की गई लेकिन पता नहीं चला. उसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई पुलिस भी रात भर खोजबीन में जुटी रही, लेकिन सुबह युवक का शव मिला. शव पर जख्म के निशान हैं. परिवार वालों ने कहा कि दोस्त ने बुलाकर पीट-पीटकर हत्या कर शव को फेंक दिया है.

खड्डे में पलटी बस, 13 बच्चे घायल, चालक गिरफ्तार

नवादा । नवादा जिले के धमौल थाना के रेवार मोड़ के निकट शुक्रवार को बच्चों से भरी स्कूल बस सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गई. जिससे 13 बच्चे घायल हो गए हैं. घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है. धमाल के थाना प्रभारी हिमांशु कुमार पप्पू ने बताया कि बस निकटवर्ती जमुई जिले के केरला इंग्लिश स्कूल का था, जो बच्चों को लेने नवादा जिले के धमाल थाना क्षेत्र के रेवार मोड़ के पास पहुंची थी. संतुलन खो जाने के बाद बस गड्ढे में पलट गई. जिसमें 13 बच्चे घायल हो गए हैं.

निरीक्षण अभियान सीसीएल के कमांड क्षेत्रों में 171 तौल पुलों का निरीक्षण किया जाएगा

वेटब्रिज जागरूकता सप्ताह : निरीक्षण अभियान का शुभारंभ

संवाददाता। रांची

कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया के मार्गदर्शन में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सतर्कता विभाग ने सभी कमांड क्षेत्रों में वेटब्रिज जागरूकता सप्ताह नामक एक व्यापक निरीक्षण अभियान शुरू किया. आठ अगस्त से 14 अगस्त तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य सड़क के तौल पुलों के उचित संचालन और रखरखाव के बारे में अधिकारियों, कर्मचारियों और हितधारकों को जागरूक करना है. पूरे सप्ताह के दौरान, परिचालन मानकों और रखरखाव प्रोटोकॉल के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सीसीएल के कमांड क्षेत्रों में 171 तौल पुलों का निरीक्षण किया जाएगा.

सीसीएल के सतर्कता विभाग ने चलाया जागरुकता अभियान

जागरूकता अभियान में तौल पुलों के संचालन और रखरखाव के सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा, जिसका उद्देश्य निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के लिए अपनाई जाने वाली प्रथाओं के बारे में ज्ञान पैदा करना है. गौरतलब है कि कोयला कंपनियों में वे ब्रिज एक महत्वपूर्ण उपकरण है जिसका उपयोग कोयला ले जाने वाले लोडेड और खाली वाहनों के वजन को मापने के लिए किया जाता है. यह प्रणाली परिवहन किए गए कोयले का सटीक माप सुनिश्चित करने में मदद करती है और परिवहन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सकता है और इन्वेंट्री को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है. सीसीएल न केवल देश की ऊर्जा जरूरतों को सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि कोयले के उचित संचालन, परिचालन मानक और रखरखाव प्रोटोकॉल के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए सतत विकास को बढ़ावा दे रहा है.

खास बातें

- आठ अगस्त से 14 अगस्त तक चलेगी यह अभियान
- संचालन और रखरखाव के सभी पहलुओं को शामिल किया

पलामू बाल गृह के एक बच्चे की मौत

मेदिनीनगर। पलामू बाल गृह के एक बीमार बच्चे की शुक्रवार को मौत हो गई. वह कई दिनों से बीमार था और कुछ महीने पहले उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. यहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स रेफर कर दिया था. रिम्स से इलाज के बाद उस बच्चे को वापस बाल गृह लाया गया था. बच्चे की शुक्रवार को अचानक तबीयत खराब हुई, जिसके बाद उसे इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लाया गया था. जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. शव का दंडाधिकारी की मौजूदगी में पंचनामा और मेडिकल बोर्ड गठित कर शव का पोस्टमार्टम किया गया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने की 'चाय पर चर्चा'

दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया, सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में संसद सत्र स्थगित होने के बाद शुक्रवार को अनौपचारिक चाय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक दूसरे का अभिवादन किया. इस दौरान दोनों ही नेताओं ने गर्मजोशी से नमस्ते किया. इस दौरान राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह से यूक्रेन की हालातों के बारे में पूछा, जिस पर रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत इस पर कड़ी नजर रख रहा है. लोकसभा सदन की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है. पिछले महीने 22 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की कार्यवाही को 12 अगस्त तक चलना था. मगर, इसका समापन शुक्रवार को ही कर दिया गया. इस दौरान लोकसभा स्पीकर ने सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करने के लिए प्रधानमंत्री, संसदीय कार्य मंत्रियों, नेता प्रतिपक्ष, विभिन्न दलों के नेताओं और सांसदों के प्रति आभार भी व्यक्त किया.

18 वीं लोकसभा के दूसरे सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं : ओम बिरला

18 वीं लोकसभा के दूसरे सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी, जिसमें केंद्रीय बजट 2024-25 को मंजूरी देने की प्रक्रिया संपन्न हुई. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं और सदन के काम की उत्पादकता 136 प्रतिशत रही.

बजट पर चर्चा में 181 सदस्य हुए शामिल

अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की शुरुआत 22 जुलाई को हुई थी. जिसमें 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश किया. अध्यक्ष बिरला ने बताया कि सदन में बजट पर सामान्य चर्चा 27 घंटे 19 मिनट तक चली, जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया.

चाय पर चर्चा में कौन कौन सदस्य रहे शामिल?

संसद सत्र स्थगित होने के बाद अनौपचारिक चाय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ कई बड़े नेता मौजूद रहे. जिसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, पियूष गोयल, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू, लोजपा नेता चिराग पासवान, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

ब्रीफ खबरें

विनेश को न्याय दिलाने खाप पंचायतें एकजुट

भिवानी। पेरिस ओलंपिक में महिला कुश्ती के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में डिसक्वालीफाई होने वाली पहलवान विनेश फोगाट को न्याय दिलाने की मांग के साथ यहां शहीद स्मारक में शुक्रवार को नौगामा खाप की पंचायत हुई. इसमें विनेश को डिसक्वालीफाई किये जाने को साजिश बताया गया. नौगामा खाप प्रवक्ता उमेद सिंह जागलान ने कहा कि पंचायत में इस मामले पर खेल मंत्री से उचित जांच करने की मांग की गई. मामले में जो भी दोषी है उसके खिलाफ कार्रवाई कर सजा दिलाई जाए ताकि विनेश को न्याय मिल सके. विनेश को न्याय नहीं मिला तो नौगामा खाप आंदोलन करने से भी पीछे नहीं रहेगी और जींद की सभी खापें विनेश को न्याय दिलाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी.

पूजा खेडकर के पिता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पुणे। पुलिस ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर के खिलाफ पुणे जिले में एक लोक सेवक को धमकाने और उनके काम में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है. पुणे जिलाधिकारी कार्यालय के एक तहसीलदार स्तर के अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर बंडगार्डन पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है. सहायक जिलाधिकारी के रूप में पूजा खेडकर की तैनाती के दौरान सेवानिवृत्त अधिकारी दिलीप खेडकर ने कथित तौर पर तहसीलदार दीपक अकाडे के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया था और उनसे अपनी बेटी के लिए एक केबिन आवंटित करने को कहा था.

जंगली हाथी के हमले में दो महिलाओं की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जंगली हाथी के हमले में एक ही परिवार की दो महिलाओं की मौत हो गई. जंगली हाथी ने बृहस्पतिवार सुबह एक अन्य महिला की जान ली थी. अधिकारियों ने बताया कि जिले के कटघोरा वन मंडल के अंतर्गत खैरभवना गांव में जंगली हाथी के हमले में दो महिलाओं तीजकुंवर (63) और सूरुजा (43) की मौत हो गई. कोरबा वनमंडल के करतला वन परिक्षेत्र में तीन दिन पहले आठ हाथियों का दल विचरण कर रहा था. इसमें से एक हाथी अपने झुंड से अलग हो गया. अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात वह हाथी रलिया गांव पहुंचा और उसने बृहस्पतिवार सुबह सैर पर निकली गायत्री राठौर (55) को कुचल दिया.

सेना कमांडर लद्दाख में अग्रिम क्षेत्र पहुंचे

जम्मू। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्र कुमार ने लद्दाख में अग्रिम इलाकों का दौरा किया और भविष्य की चुनौतियों के लिए उच्च मनोबल एवं पेशेवर रुख बनाये रखने के लिए सैनिकों की सराहना की. उत्तरी कमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिंद्र कुमार ने अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और उन्हें अत्याधुनिक तकनीकी एकीकरण और परिचालन तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई.' इसमें कहा गया है कि सेना के कमांडर ने सैनिकों की सराहना की तथा सभी रैंक के कर्मियों से भविष्य की चुनौतियों के लिए उच्च मनोबल और पेशवर रुख बनाए रखने का आह्वान किया.

बांग्लादेश : लोगों को उम्मीद- यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी

सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नयी सरकार का स्वागत

- देशवासियों की अपेक्षा, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी सरकार

एजेंसी। ढाका/संयुक्त राष्ट्र

बांग्लादेश में लोगों ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया है. लोगों ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी. इसी बीच, ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं. यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी. उन्होंने शेख हसीना का स्थान लिया है. शेख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थीं. यूनुस ने प्रधानमंत्री के समकक्ष पद मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली. महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत-ए-इस्लाम के उप प्रमुख एएफएम खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरजहां बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शर्मीन मुर्शिद, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चकमा, प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन सलाहकार परिषद के सदस्यों में शामिल हैं. ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेराजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि अंतरिम सरकार का एक कर्तव्य व्यवस्था बहाल करना होगा, जो हसीना के पतन के बाद पिछले कुछ दिनों से चरमरा गई है. डेली स्टार समाचार पत्र ने अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण के बाद चौधरी के हवाले से कहा, 'दूसरा काम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है.' प्रख्यात विधिवेत्ता कमाल हुसैन ने कहा, 'जो परिवर्तन हुआ है उसका सभी ने स्वागत किया है.'

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सलाहकार परिषद के सदस्यों के विभागों की घोषणा की

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को नवनियुक्त सलाहकार परिषद के विभागों की घोषणा की और रक्षा सहित 27 मंत्रालयों का प्रभार अपने पास रखा तथा अनुभवी राजनयिक मोहम्मद तौहीद हुसैन को विदेश मंत्रालय का प्रमुख नियुक्त किया. अन्य सलाहकारों का चयन छात्र नेताओं, सेना और नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के परामर्श से किया गया. एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, सेना के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल एम सखावत हुसैन को गृह मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है. हुसैन 2001 से 2005 तक कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त थे और 2006 से 2009 तक बांग्लादेश के विदेश सचिव रहे.

बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर सलाहुद्दीन अहमद वित्त और योजना मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि पूर्व अटॉर्नी जनरल ए एफ हसन आरिफ स्थानीय सरकार मंत्रालय का प्रभार संभालेंगे. अंतरिम मंत्रिमंडल में शामिल किए गए 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' के दो समन्वयकों एम नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद को क्रमशः दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा युवा एवं खेल मंत्रालयों का प्रभार दिया गया. समूह ने पिछले महीने सरकारी नौकरियों के लिए आरक्षण प्रणाली में सुधार के लिए सबसे पहले सड़क पर आंदोलन चलाया, जो बाद में एक सार्वजनिक विद्रोह में तब्दील हो गया और हसीना के 15 साल के शासन का अंत कर अंतरिम सरकार स्थापित की, जिसे सेना का स्पष्ट समर्थन प्राप्त था. सलाहकार परिषद के तीन सदस्य बृहस्पतिवार रात राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' में शपथ नहीं ले सके, क्योंकि वे राजधानी से बाहर थे और अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि यूनुस उन्हें 27 विभागों में से कुछ दे सकते हैं. इन तीनों में ज्यादातर नागरिक संस्थाओं के लोग हैं.

अनुराग का राहुल पर हमला

गाजा की चिंता है, लेकिन बांग्लादेशी हिंदुओं पर क्यों नहीं निकल रही है आवाज

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बांग्लादेश के मुद्दे पर घेरने की कोशिश की. उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा की चिंता नहीं है. अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी गाजा की बात करते हैं, लेकिन बांग्लादेश की नहीं. उन्होंने कहा, "हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, उससे हम सभी चिंतित हैं. सभी दलों ने एक स्वर में वहां के हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई. लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के नेता को बधाई देते हुए हिंदुओं पर हो रहे हमलों के बारे में बात नहीं की. आखिर उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के बारे में क्यों कुछ नहीं कहा? उन्हें कौन रोक रहा है? आप गाजा की बात करते हैं, लेकिन बांग्लादेश की नहीं." शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद पड़ोसी मुल्क में सत्ता परिवर्तन हुआ.

हम नस्ली आधार पर हमले और हिंसा के खिलाफ : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं.

महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा, 'यह स्पष्ट है कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के सप्ताह में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उस पर नियंत्रण पाया जाए. निश्चित रूप से हम नस्ल आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं.' वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे. सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत आ जाने के बाद से जारी हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है और अवामी लीग से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई. मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने पर हक ने संयुक्त राष्ट्र की 'सरकार बनाने की एक समावेशी प्रक्रिया' की आशाओं का उल्लेख किया और कहा, 'हम उम्मीद बरकरार रखे हुए हैं. शांति बहाली का कोई भी संकेत एक अच्छी चीज है.'

हरियाणा के स्कूलों में 15 अगस्त से 'गुड मॉर्निंग' की जगह 'जय हिंद'

एजेंसी। चंडीगढ़

हरियाणा में इस स्वतंत्रता दिवस से सभी स्कूलों में 'गुड मॉर्निंग' के स्थान पर अब 'जय हिंद' का प्रयोग किया जाएगा. एक सरकारी परिपत्र में इसकी जानकारी दी गयी है.

प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा निदेशालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी परिपत्र में कहा गया है कि हरियाणा सरकार द्वारा शुरू किए गए इस कदम का उद्देश्य छात्रों में 'देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना उत्पन्न करना' है. परिपत्र में कहा गया है कि 'जय हिंद' का नारा सुभाष चंद्र बोस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिया था और स्वतंत्रता के बाद सशस्त्र बलों द्वारा इसे सलामी के रूप में स्वीकार किया गया था. स्कूल शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों, जिला खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को यह परिपत्र भेजा है. परिपत्र के अनुसार, स्कूलों में अब 'गुड मॉर्निंग' की जगह 'जय हिंद' का उपयोग किया जाएगा, ताकि हर दिन छात्रों को 'राष्ट्रीय एकता की भावना से प्रेरित किया जा सके' और देश के 'समृद्ध इतिहास के प्रति सम्मान' व्यक्त किया जा सके. इसमें कहा गया है कि देशभक्तिपूर्ण अभिवादन 'जय हिंद' छात्रों को देश की आजादी के लिए किए गए बलिदानों की सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करेगा. इसमें कहा गया है कि 'जय हिंद' क्षेत्रीय, भाषाई और सांस्कृतिक मतभेदों से परे है और विविध पृष्ठभूमि के छात्रों के बीच एकता को बढ़ावा देता है.

स्कूल ने 'मांसाहारी भोजन नहीं' देने का संदेश भेजा

नोएडा। नोएडा के एक नामी स्कूल ने दोपहर के भोजन में बच्चों को 'मांसाहारी खाद्य पदार्थ नहीं देने' के लिए अभिभावकों को संदेश भेजा, लेकिन इस पर बहस छिड़ने के बाद स्कूल प्रबंधन ने बचाव करते हुए कहा कि यह सिर्फ अनुरोध है. नोएडा के सेक्टर-132 स्थित 'दिल्ली पब्लिक स्कूल' ने बुधवार को अभिभावकों को व्हॉट्सऐप के जरिए संदेश भेजा जिसमें कहा गया कि वे बच्चों को दोपहर के भोजन में मांसाहारी खाना न भेजें. संदेश में कहा गया है, 'जब दोपहर के भोजन के लिए सुबह मांसाहारी भोजन पकाया जाता है तो उसके खराब होने की संभावना रहती है. यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है.' इसमें यह भी कहा गया है, 'स्कूल, छात्रों की विविधता और समावेशिता को महत्व देता है. ऐसे में सभी छात्र अपने भोजन की प्राथमिकथाओं की परवाह किए बिना एक साथ बैठकर भोजन कर सकें, इसके लिए हम शाकाहारी वातावरण मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित करते हैं ताकि सभी सहज महसूस कर सकें.' इस मुद्दे पर बहस छिड़ने के बाद स्कूल की प्रधानाचार्य सुप्रीति चौहान ने कहा, 'यह सिर्फ अनुरोध है.'

पांचवीं मंजिल से बच्ची पर गिरा पालतू कुत्ता, लड़की की मौत, मालिक गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक इमारत की पांचवीं मंजिल से एक पालतू कुत्ता चार साल की बच्ची पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई. इस घटना के बाद पुलिस ने कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि ठाणे शहर के मुंब्रा इलाके में मंगलवार शाम करीब साढ़े चार बजे यह घटना हुई थी.

पुलिस ने बृहस्पतिवार की रात कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार किया. इस घटना के संबंध में तीन अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है. मुंब्रा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, 'छह अगस्त को एक इमारत की पांचवीं मंजिल से पालतू कुत्ता नीचे सड़क पर टहल रही बच्ची पर गिर गया. इस घटना में बच्ची को गंभीर चोटें आईं. उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने पालतू कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया.'

उन्होंने बताया कि कुत्ते के मालिक और तीन अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शुरू में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया था. सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो भी आया है.

बुद्धदेव को सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

एजेंसी। कोलकाता

- बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री भट्टाचार्य को साम्यवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगिकीकरण के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए हमेशा याद किया जाएगा

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को यहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य मुख्यालय में शुक्रवार को अंतिम विदाई देने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे. मार्क्सवादी नेता का बृहस्पतिवार को यहां उनके निवास पर 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया था. भट्टाचार्य को साम्यवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगिकीकरण के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा. शोक संतप्त लोगों में से कुछ ने नम आंखों से जबकि कइयों ने मुट्ठी बांधकर लाल सलामी के जरिये भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी. इनमें कई लोग भट्टाचार्य की तस्वीरें भी लिए हुए थे. माकपा के राज्य मुख्यालय में अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया भट्टाचार्य का पार्थिव शरीर लाल झंडे में लिपटा और फूलों से ढका हुआ था. पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ-साथ अनुभवी नेताओं से लेकर युवा राजनेताओं ने भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी. भीड़ में ऐसे लोग भी शामिल थे, जो उनकी उद्योग समर्थक नीतियों से प्रभावित थे. पार्टी मुख्यालय पर मौजूद लोगों ने भट्टाचार्य को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और औद्योगिक विकास में सुधार के दिशा में उनके प्रयासों को याद किया और बताया कि कैसे उनके दृष्टिकोण ने भविष्य की प्रगति के लिए आधार तैयार किया था. माकपा के दिग्गज नेता ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है. उन्हें राज्य के औद्योगिकीकरण के प्रयासों के लिए जाना जाता था. हालांकि भट्टाचार्य के नेक प्रयासों और इरादों के बावजूद, पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों के निर्बाध शासन के बाद अंततः वाम मोर्चा सरकार का पतन हो गया.

ऐलान किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी

जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने को प्रतिबद्ध : सीईसी

एजेंसी। जम्मू

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी दल विधानसभा चुनाव कराने का "पुरजोर समर्थन" कर रहे हैं.

उन्होंने कहा, "हम जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी." कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव के लिए प्रशासनिक व सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के सिलसिले में तीन दिन की जम्मू-कश्मीर यात्रा पर है. प्रतिनिधिमंडल में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस.एस संधू भी शामिल हैं. अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को यात्रा के दूसरे दिन प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लो और केंद्र शासित प्रदेश के पुलिस प्रमुख आरआर स्वैन से मुलाकात की. जम्मू-कश्मीर में 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं. साल 2018 में पूर्ववर्ती राज्य की विधानसभा भंग होने के बाद 2019 की शुरुआत में चुनाव होने थे.

आतंकी हमले के खतरे से नहीं रोक सकते प्रक्रिया

मुख्य चुनाव आयुक्त ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकी हमलों के बावजूद चुनाव कराने की तैयारियों पर जोर देते हुए कहा, "जब अच्छे परिणाम आते हैं, तो कुछ शरारती तत्वों को तकलीफ होती है, लेकिन हम चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. किसी भी आतंकी हमले या खतरे से चुनाव प्रक्रिया को नहीं रोका जा सकता." जम्मू-कश्मीर में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, और 20 अगस्त को मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा. चुनाव आयोग ने सभी दलों की मांगों को ध्यान में रखते हुए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने का आश्वासन दिया है.

ओडिशा में महानदी का जलस्तर बढ़ने पर 10 जिलों के लिए अलर्ट जारी

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) सत्यब्रत साहू ने शुक्रवार को हीराकुंड बांध से पानी छोड़े जाने पर महानदी के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण 10 जिलों के जिला अधिकारियों को एहतियाती तौर पर सतर्क रहने के लिए कहा है. जिन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है उनमें संबलपुर, सोनेपुर, नयागढ़, अंगुल, बौध, पुरी, कटक, जगतसिंहपुर और केंद्रपाड़ा शामिल हैं. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह आठ बजे मुंडाली के पास महानदी में कुल 5.78 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया और वर्तमान में बांध के 14 द्वार खोल दिए गए हैं. जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता भक्त रंजन मोहंती ने बताया कि कुछ नदियां का जलस्तर बढ़ने के बाद भी किसी क्षेत्र में बाढ़ की आशंका नहीं है, लेकिन कई खबरों में कहा गया है कि कटक और खुर्दा जिले के कुछ निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहले ही प्रवेश कर चुका है.

श्रद्धालुओं की जीप नाले में बही, नाबालिग लड़की की मौत

चंपावत। उत्तराखंड के चंपावत जिले में स्थित पूर्णागिरी धाम की ओर जा रहे श्रद्धालुओं की एक जीप के शुक्रवार को बारिश से उफनाए एक नाले में बह जाने से एक नाबालिग लड़की की मौत हो गयी और पांच अन्य लोग घायल हो गए. घटनास्थल पर पहुंचे चंपावत के जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने बताया कि किरौड़ा नाले के तेज बहाव में बही जीप में सवार दो अन्य श्रद्धालु लापता हैं, जिन्हें ढूंढने के प्रयास किए जा रहे हैं. हादसे के समय वाहन में नौ लोग सवार थे. पांचों घायलों का टनकपुर उप जिलाचिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है. दुर्घटना का शिकार हुए श्रद्धालु ऊधमसिंहनगर जिले के खटीमा के रहने वाले थे. मृतका की पहचान 14 वर्षीय बलविंदर कौर के रूप में हुई है जबकि घायलों में मृतका की छोटी बहन सीमा (पांच) के अलावा दो सगी बहनें पवनदीप कौर और अमनदीप कौर, 12 वर्षीय गीता कठैत और जीप चालक उवैश (20) शामिल हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)